UGC NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु
गृह विज्ञान
हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यूजीसी गृह विज्ञान परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर,
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग एवं सुझाव सादर अपेक्षित है
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा

भाग-1

■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा पाठ्यक्रम....3-4
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....5-20
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....21-28
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....29-41
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....42-49
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....50-62
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....63-70
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....71-82
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....83-91
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....92-103
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....104-112
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....113-126
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....127-135
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....136-147
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....148-156
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....157-169
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....170-178
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....179-191
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....192-199
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....200-211
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....212-219
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....220-230
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....231-238
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल....239-250
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....251-258
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....259-266
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....267-274
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....275-282
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....283-290
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....291-298
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....299-306
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....307-314
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....315-321
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....322-329
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....330-337
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....338-345
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....346-354
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....355-361
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2004 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....362-368

भाग-2

■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....369-385
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....386-398
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....399-412
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....413-428
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2020/जून-2021 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....429-454
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....455-480
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....481-504
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान जून-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....505-528
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, गृह विज्ञान दिसम्बर-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल....529-552

यू.जी.सी. नेट परीक्षा पाठ्क्रम

गृह विज्ञान

निर्देश : संशोधित पाठ्यक्रम में एक प्रश्न-पत्र होगा, इसमें प्रश्नों की संख्या 100 होगी जिनका अंक 200 होगा। आयोग द्वारा द्वितीय प्रश्न-पत्र में प्रश्न-पत्र तृतीय को समाहित कर दिया गया है।

प्रश्न-पत्र–II और प्रश्न-पत्र–III (A)

इकाई–I : खाद्य विज्ञान

आहारिक खाद्य वर्ग

भोजन बनाने के तरीके

खाद्य संरक्षण

खाद्य विज्ञान एवं आहार विश्लेषण

खाद्य संसाधन

इकाई–II : पोषण विज्ञान

पोषण के आधारभूत सिद्धान्त

पोषणज जैवरसायन

खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान

लौक पोषण

चिकित्सार्थ आहार/पोषण

इकाई–III : सांस्थानिक प्रबन्ध

आतिथ्य संस्थानों के प्रबन्ध–अस्पताल/भोजनालय/रेस्तराँ/कॉफी गृह और बाहरी भोजन के प्रबन्धक।

सामाजिक संस्थानों के प्रबन्ध–परिवार एक संस्था, शिशुपालन और वृद्ध आश्रम, पंचायत।

शैक्षिक संस्थानों के प्रबन्ध–बालवाडी, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल (कॉलेज और विश्वविद्यालय) उच्च शिक्षा संस्थाएँ।

विशेष संस्थानों के प्रबन्ध–शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकलांग संस्थाओं के सम्मुख विवाद और कठिनाईयाँ।

इकाई–IV : आवरण

आवरण के सिद्धान्त–आवरण के सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक तत्व, वस्त्रों और पहनावे का चुनाव और पारिवारिक आवरण।

पहनावे की बनावट–खाका बनाने के मूल सिद्धान्त, समतल नमूना और ड्रेपिंग पद्धति।

वस्त्रों का रूपांकन–सिद्धान्त और विचार।

फैशन के सिद्धान्त–फैशन कालचक्र, व्यापार और व्यवसाय सम्बन्धी कपड़े और वस्त्रों का रखरखाव, कपड़े धोने के साधन–तरीके और सामान।

इकाई–V : वस्त्र

रेशों के गुण, धर्म और उनकी महीन बनावट।

कृत्रिम और प्राकृतिक रेशों की बनावट।

सूत्रों की परिभाषा एवं वर्गीकरण, सूत्रों का समीकरण और विभिन्न वस्त्रों में उनका उपयोग।

वस्त्रों की बनावट, बुने हुए, नहीं बुने हुए, ऊनी वस्त्रों की परिभाषा और उनकी बनावट।

रेशों, सुत्रों और कपड़ों की जाँच, गुणता नियंत्रण और अनुसंधान केन्द्रों का महत्व।

इकाई–VI : संसाधन व्यवस्था

गृह व्यवस्था की परिकल्पना एवं क्रम।

मानवीय संसाधनों का प्रबन्ध, संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों के मूल विश्लेषण।

परिवार में निर्णय की सिद्धांत, निर्णय की सिद्धांत के क्रम, कठिनाइयों से निपटने के तरीके।

कार्य सरलीकरण, गृह में कार्य सरलीकरण के महत्व, मन्डल के बदलाव के विभाग, कार्य सरलीकरण की पेन और पेन्सिल यन्त्रकला।

गृह, आन्तरिक सज्जा, आन्तरिक सज्जा के सिद्धान्त, विभिन्न रंग और रंगों की योजना।

घरेलू साज-सामान–चुनाव और देख-रेख।

इकाई–VII : मानव विकास

बाल विकास–सिद्धान्त एवं क्रम।

जीवन समयकाल का मानव विकास और व्यवहार विकास के सिद्धान्त।

शिशु पालन, समाजीकरण प्रथाएँ एवं संचालन शक्ति।

बाल अवस्था की देख-रेख एवं शिक्षा–उभरती हुए और तरीके।

विकास में कठिनाइयाँ और बाल अवस्था तथा युवा अवस्था में विकलांगता, मार्ग प्रदर्शन एवं सलाह।

बच्चों की जानने के उच्चस्तरीय मूल्यांकन और तरीके।

नारी अध्ययन, परिवार कल्याण योजनाएँ–नवीन उपागमनों।

इकाई–VIII : अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा का गृहविज्ञान में इतिहास और विकास के सिद्धान्त।

कार्यक्रम/पाठ्यपुस्तक की सूची बनाना और विकास के सिद्धान्त

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के प्रबन्ध और प्रशासन।

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के निरीक्षण देखभाल और मूल्यांकन।

भारत में गृहविज्ञान का व्यवसायीकरण।

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा में मार्ग दर्शन और सलाह के सिद्धान्त।

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के सम्मुख कठिनाईयाँ एवं जरूरतें।

इकाई–IX : विस्तार एवं शैक्षिक विस्तार

संचार की परिकल्पना और वर्गीकरण।

संचार चुनाव, बनावट एवं प्रयोग के पारम्परिक तरीके।

संचार चुनाव, बनावट एवं प्रयोग के नए तरीके एवं सामग्री विस्तार संचार के उपाय।

गृहविज्ञान में कक्षा संचार के तौर तरीके।

प्रचार और लौकिक सम्बन्धों के संचार साधन।

संचार की आज के प्रचलित समाज में बदलाव और माँगें।

इकाई–X : अनुसंधान के तरीके

गृहविज्ञान में अनुसंधान के प्रकार

अनुसंधान योजना

अनुसंधान के प्रकार

नमूने चुनने के तरीके

स्वीकृत तत्व इकट्ठे करने के यन्त्रों का चुनाव और बनावट।

परिवर्तों के प्रकार और चुनाव।

स्वीकृत तत्वों को इकट्ठा करना एवं उनका वर्गीकरण/गुप्तभाषा

स्वीकृत भाषा का विश्लेषण–प्राचलिक एवं अप्राचलिक तरीकों द्वारा।

अनुसंधान लेख–स्वीकृत तत्व का प्रदर्शन, व्याख्या और वाद-विवाद।

प्रश्न-पत्र–III (B)

ऐच्छिक/वैकल्पिक

ऐच्छिक–I : खाद्य एवं पोषण

खाद्य विज्ञान और गुणता नियन्त्रण (Quality control)

बड़े- (macro) एवं सूक्ष्म-पौष्टिक तत्व

मानवीय प्रोषणज की जरूरतें

प्रोषणज स्तर का मूल्यांकन

खाद्य जैव-विज्ञान

ऐच्छिक–II : संस्थानिक प्रबन्ध एवं आहारिकी

उच्चस्तरीय व्यवस्था एवं संगठन

मानवीय संसाधनों के प्रबन्ध

प्रयोगात्मक रूप से अधिक मात्रा में भोजन बनाना

हिसाब-किताब और लाभ के प्रबन्ध

अधिक मात्रा में आहार बनाने के तरीके

भोजन परोसने और पहुंचाने के तरीके

व्यवसायीकरण (Marketing)

चिकित्सार्थ आहार

ऐच्छिक–III : शिशु एवं मानवीय विकास

मानवीय विकास–अधिकार

मानवीय विकास के नीति और सिद्धान्त

बाल अवस्था की देखरेख एवं विकास–नीतियाँ, निरीक्षण और देखभाल

विशेष जरूरतमंद बच्चे और संकट में पड़े बच्चे (बाल परिश्रमी, बेघर बच्चे, बाल शोषण, अत्यन्त रूप से बीमार), हस्तक्षेप कार्यक्रम।

विभिन्न संस्कृतियों के परिवारों में समाजीकरणं

बच्चों के मूल्यांकन में उच्चस्तरीयता।

ऐच्छिक–IV : वस्त्र एवं आवरण

वस्त्र रसायन–रेशे और रंगने के द्रव।

रेशों, सूत्रों और कपड़ों की रंगाई, छपाई और रूपसज्जा।

वस्त्र एवं आवरण उद्योग–व्यापार के मूलाधार, विशेष वर्णन, गुण नियंत्रण एजेन्सी एवं विपणन।

विश्व के ऐतिहासिक और पारंपरिक वस्त्र विशेष तौर से भारत के उल्लेख।

वस्त्र एवं आवरण का पाठकरण एवं पढ़ाई, पाठक्रम का विकास और विश्लेषण, पढ़ाने के तरीके और साधन।

वस्त्र एवं आवरण और उपभोक्ता।

वस्त्र एवं आवरण में नवीन विकास।

ऐच्छिक–V : गृह और समुदाय संसाधन व्यवस्था

गृह व्यवस्था की परिकल्पना, परिवार में पद्धति पहुँच, डालना, निकालना और निष्कर्ष।

पारिवारिक संसाधन–समय, क्रमशक्ति एवं धन जैसे संसाधनों की व्यवस्था, संसाधन के मूल विशेषताएँ, संसाधनों की प्रयोग करने के उत्तम तरीके।

पारिवारिक जीवन चक्र–समय, क्रमशक्ति एवं धन संसाधनों की जरूरत।

एरगोनोमिक्स की परिकल्पना–गृह में इसका महत्व एवं उपयोग

परिवार में संचार प्रक्रिया की परिकल्पना और महत्व, संचार प्रक्रिया में रुकावटें, प्रभाविक संचार के भाव।

कार्य सरलीकरण की परिकल्पना एवं महत्व, साधारण पेन और पेनसिल प्रविधि।

उपभोक्ता शिक्षा–उपभोक्ता संरक्षण के कानून, उपभोक्ता समुदाय का उपभोक्ता संरक्षण में योगदान, हीन मिलावट के प्रकार और उनकी पहचान।

ऐच्छिक–VI : गृहविज्ञान विस्तार शिक्षा

नियमानुसार गृहविज्ञान शिक्षा का पाठ्यक्रम विकास।

गृहविज्ञान पढ़ाने के साधारण एवं विशेष तरीके।

गृहविज्ञान के औपचारिक/अनौपचारिक/प्रौढ़ एवं विस्तार शिक्षा लेने के माध्यम एवं सामग्री।

गृहविज्ञान में अनौपचारिक एवं प्रौढ़ शिक्षा।

गृहविज्ञान में विस्तार शिक्षा।

बदलते हुए भारत में औरतों के विकास की योजनाएँ।

गृहविज्ञान के द्वारा निज-रोजगार और लघु उद्योग।

गृहविज्ञान में विस्तार के कार्यक्रम।

औपचारिक/अनौपचारिक/प्रौढ़ शिक्षा/विस्तार के मापांक और मूल्यांक, देख-रेख और देखभाल।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जुलाई-2018

गृह विज्ञान

(व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल)

नोट : इस प्रश्न-पत्र में सौ (100) बहु-बिकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ज्वर की अवस्था में शारीरिक तापमान में प्रति 1^0 फै. वृद्धि से न्यूनतम चयापचय दर में निम्न परिवर्तन आता है :

(a) 7% बढ़ना (b) 7% घटना
(c) 5% बढ़ना (d) 5% घटना

Ans. (a) : 'ज्वर' जिसे बुखार कहते है कि स्थिति में शरीर का तापमान साधारण अवस्था से अधिक हो जाता है सामान्यतः एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का तापमान 98.4° F होता है परन्तु यदि शरीर का तापमान इस तापमान से अधिक हो जाता है तो बुखार (fever), (ज्वर) कहलाता है। बुखार की स्थिति में आधारीय चयापचय दर (Basal Metabolic Rate) में वृद्धि हो जाती है। बुखार मुख्यतः सूक्ष्म जीवों (Micro organism) रोगाणुओं तथा परजीवियों (Parasites) के संक्रमण के कारण होता है। ये जीवाणु विषाणु शरीर के विभिन्न अंगों पर आक्रमण करके उन्हें रोगग्रस्त कर देते है।

2. आई.सी.एम.आर. (2010) द्वारा एक 15 वर्षीय लड़की के लिए दी गई लौह की प्रस्तावित पौष्टिक आवश्यकता है :

(a) 32 मि.ग्रा./दिन (b) 27 मि.ग्रा./दिन
(c) 45 मि.ग्रा./दिन (d) 28 मि.ग्रा./दिन

Ans. (b) : आई.सी.एम.आर. (2010) द्वारा एक 15 वर्षीय लड़की के लिए दी गई लौह की प्रस्तावित पौष्टिक आवश्यकता 27 मि.ग्रा./दिन है। हमारे शरीर में लोहा अत्यन्त ही अल्प मात्रा में विद्यमान रहता है परन्तु अत्यन्त अल्प मात्रा में होते हुए भी इसकी महत्ता (Importance) बहुत अधिक है। यह शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए बहुत ही आवश्यक है। लोहे की कमी से रक्त अल्पता (Anaemia) हो जाती है।

3. जे.एन.सी. 7 के वर्गीकरण के अनुसार सिस्टोलिक और डाइस्टोलिक रक्तचाप में हस्तक्षेप करने का स्तर क्या हैं?

(a) एस.बी.पी. < 120, डी.बी.पी. < 80
(b) एस.बी.पी. > 140, डी.बी.पी. > 80
(c) एस.बी.पी. > 120, डी.बी.पी. > 90
(d) एस.बी.पी. > 120, डी.बी.पी. > 80

Ans. (d) : जे.एन.सी. 7 के वर्गीकरण के अनुसार सिस्टोलिक और डाइस्टोलिक रक्तचाप में हस्तक्षेप करने का स्तर एस.बी.पी. > 120, डी.बी.पी. > 80 है। एक स्वस्थ्य व्यक्ति का सामान्य रुधिर दाब 120/80 m.m. H.g. मिलिमीटर पारे के बराबर होता है। इससे अधिक रक्त चाप को उच्च रक्त चाप कहते है। रुधिर दाब को स्फग्नौमैनोमीटर द्वारा मापा जाता है।

4. एक प्रबंधकीय ग्रिड में 1.9 क्रम निम्न का संकेत देता है :

(a) स्वीकृति और समर्थन लेना।
(b) योगदान देना जो कुछ भिन्न हो।
(c) मशहूर होना और 'इन' होना।
(d) 'हैंग-ऑन' होने की इच्छा होना।

Ans. (a) : एक प्रबंधकीय ग्रिड में 1.9 क्रम स्वीकृति और समर्थन लेने (seeking acceptance and approval) का संकेत (indicates) देता है।

5. एक व्यक्ति की युक्तिसंगत रूप से सोचने और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता किसका अंग है?

(a) सूक्ष्म मोटर क्रिया
(b) भाषा विकास
(c) संज्ञानात्मक विकास
(d) अच्छा प्रबंधन कौशल

Ans. (c) : एक व्यक्ति की युक्तिसंगत रूप से सोचने और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता को संज्ञानात्मक विकास (Cognitive development) का अंग है। संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त जीन पियाजे (Jean Piajet) ने दिया है।

पियाजे ने इस सिद्धान्त में बालक के भीतर चलने वाली संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के विकास की व्याख्या भी की। वे बालक के द्वारा अर्जित ज्ञान के स्वरूप को समझना चाहते थे इसलिए उन्होंने यह सिद्धान्त दिया।

6. एक समुत्थानशील बच्चा वह है जो/जिसमें :

(a) सहनशक्ति की अपेक्षा वाले कार्यों को आसानी से छोड़ देता है।
(b) भावनात्मक सुस्थिरता का अभाव है।
(c) विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त है।
(d) उन परिस्थितियों से वापिस निकल आता है जिनमें अधिकतर लोगों को नुकसान पहुँचेगा।

Ans. (d) : एक समुत्थानशील (Aresilient) बच्चा उन परिस्थितियों से वापिस निकल आता है जिनमें अधिकतर लोगों को नुकसान होता है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा कढ़ाई का टांका नहीं है?

(a) दबका (b) मेन्थी
(c) फन्दा (d) मुररी

Ans. (a) : 'मेन्थी' कर्नाटक की कसूती की कढ़ाई का एक प्रकार है। 'मेंथी टांका' साधारण क्रास टांका के समान होता है। फन्दा, मुररी लखनऊ की प्रसिद्ध कढ़ाई चिकनकारी के प्रकार है, जबकि दबका कढ़ाई का प्रकार नहीं है।

8. महिला एवम् पुरुष परिधानों में ''बैस्टिंग'' संचालन के लिए परिधान उद्योग में आमतौर पर निम्नलिखित में से कौन-से टांकें का वर्ग प्रयोग में लाया जाता है?

(a) वर्ग 100 (b) वर्ग 200
(c) वर्ग 400 (d) वर्ग 500

Ans. (a) : महिला एवम् पुरुष परिधानों में बैस्टिंग संचालन के लिए परिधान उद्योग में आमतौर पर वर्ग 100 के टांकों का प्रयोग किया जाता है।

9. व्यवस्था का सिद्धांत 'संगठन में शक्ति है' क्या कहलाता है?

(a) स्केलर चेन (b) इक्विटी टू गेन
(c) स्टेबिलिटी ऑफ टैन्योर (d) एस्परीट डी कॉर्पस

Ans. (d) : व्यवस्था का सिद्धान्त संगठन में शक्ति है 'एस्परीट डी कॉर्पस' कहलाता है।

10. लोगों और मशीनों के बीच अंतःक्रिया का अध्ययन क्या कहलाता है?

(a) पारिस्थिति विज्ञान (b) इंजीनियरिंग
(c) स्वचलीकरण (d) श्रम दक्षता शास्त्र

Ans. (d) : लोगों और मशीनों के बीच अंतःक्रिया (interaction) का अध्ययन श्रम दक्षता शास्त्र (Ergonomics) कहलाता है।

11. भारत में नियोजित स्त्रियों की अधिकतम संख्या भारतीय अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित क्षेत्र का हिस्सा है :

(a) औपचारिक क्षेत्र (b) अनौपचारिक क्षेत्र
(c) कॉरपोरेट क्षेत्र (d) औद्योगिक क्षेत्र

Ans. (b) : भारत में नियोजित स्त्रियों की अधिकतम संख्या भारतीय अर्थव्यस्था के अनौपचारिक क्षेत्र (Informal sector) का हिस्सा है।

12. लिखित सम्प्रेषण के निम्नलिखित लाभ हैं :

1. प्रमाण के रूप में काम करता है।
2. अनेकार्थकता कम करता है।
3. प्राधिकार (अथारिटी) को समर्थ करता है।
4. एकरूपता संभव करता है।

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2 और 4

Ans. (d) : लिखित सम्प्रेषण के निम्नलिखित लाभ है–
1. प्रमाण के रूप में काम करता है।
2. अनेकार्थकता कम करता है।
4. एकरूपता संभव करता है।

13. शोधवेत्ता शिशु आहार (फीडिंग) परिपाटियों में मादा साक्षरता से जुड़ाव का परीक्षण करना चाहते हैं। इसके लिए निम्नलिखित में से कौन अभिप्राय-परीक्षण सबसे अधिक उपयुक्त है?

(a) एफ-परीक्षण (b) काइ-स्क्वेयर परीक्षण
(c) 'टी' परीक्षण (d) मान-विटनी परीक्षण

Ans. (b) : शोधवेता शिशु आहार (फीडिंग) परिपाटियों में मादा साक्षरता से जुड़ाव का परीक्षण करना चाहते हैं। इसके लिए परीक्षण सबसे अधिक उपयुक्त काइ-स्क्वेयर परीक्षण है।

14. विद्यालयीन बच्चों की पोषणगत स्थिति पर मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (एम.डी.एम.) के प्रभाव का परीक्षण करने के लिए एमडीएम कार्यक्रम शुरू होने के छह महीनों के बाद बच्चों की लम्बाई और वजन को मापा गया। निम्नलिखित में से कौन-सा अभिप्राय परीक्षण ऊपर दिए गए आँकड़ों के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है?

(a) 'टी' परीक्षण (b) युग्मित 'टी' परीक्षण
(c) काइ-स्क्वेयर परीक्षण (d) संकेत परीक्षण

Ans. (b) : युग्मित 'टी' परीक्षण

15. रक्त की जीवरासायनिक आंकलन में सीरम के निम्नलिखित प्राचलिक लीवर (यकृत) की बीमारी का संकेत देते हैं :

1. सीरम बिलिरूबिन बढ़ना
2. एस.जी.ओ.टी. और एस.जी.पी.टी. कम होना
3. सीरम एल्ब्यूमिन कम होना
4. सीरम ग्लोब्यूलिन बढ़ना
5. एल्कैलाईन फास्फेट कम होना

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 4 और 5
(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2 और 5

Ans. (c) : रक्त जीवरासायनिक आंकलन में सीरम के निम्नलिखित प्राचलिक लीवर (यकृत) की बीमारी का संकेत देते है।
1. सीरम बिलिरूबिन बढ़ना
2. सीरम एल्ब्यूमिन कम होना
3. सीरम ग्लोब्यूलिन बढ़ना

16. मधुमेह के लक्षण निम्नलिखित हैं :

1. पॉलीयूरिया **2. पॉलीडिप्सिया**
3. हाईपोग्लाईसीमिया **4. हाईपरग्लाईसीमिया**
5. हाईपोफैजिया

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 2 और 5
(c) 1, 2 और 4 (d) 2, 3 और 4

Ans. (c) : मधुमेह के लक्षण
1. पॉलीयूरिया
2. पॉलीडिप्सिया
5. हाईपरग्लाईसीमिया

17. एक सफल प्रतिरक्षित प्रतिक्रिया के लिए निम्न पोषक तत्व आवश्यक हैं :

1. विटामिन 'ए' **2. जिंक**
3. कैल्शियम **4. प्रोटीन**
5. थायमिन

कूट :

(a) 1, 2 और 5 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) 2, 3 और 5

Ans. (c) : एक सफल प्रतिरक्षित प्रतिक्रिया के निम्न पोषक तत्व
1. विटामिन ए
2. जिंक
4. प्रोटीन

18. पोषण स्तर के निर्धारण के लिए निम्न मानवमिति तरीके हैं :
1. हिमोग्लोबिन की मात्रा का अनुमान लगाना
2. एम.यू.ए.सी.
3. वेस्ट-हिप रेशों
4. मूत्र में आयोडीन की मात्रा का अनुमान लगाना
5. बॉडीमास इन्डैक्स
कूट :
(a) 1, 2 और 5 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 4 और 5 (d) 2, 3 और 5

Ans. (d) : पोषण स्तर के निर्धारण के लिए मानवमिति तरीके
2. एम.यू.ए.सी.
3. वेस्ट-हिप रेशों
5. बॉडीमास इन्डैक्स

19. एस्कॉर्बिक एसिड की कमी से होने वाले लक्षण निम्न हैं:
1. ज़िन्जीवाईटिस
2. घाव का देर से भरना
3. एन्यूलर स्टोमेटाईटिस
4. पीटिचियल हैमोरेज़
5. टैकीकॉरडिया
कूट :
(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 4 और 5
(c) 3, 4 और 5 (d) 1, 2 और 4

Ans. (d) : एस्कॉर्बिक एसिड की कमी से होने वाले लक्षण
1. जिन्जीवाईटिस
2. घाव का देर से भरना
4. पीटिचियल हैमोरेज

20. निम्न पाक क्रियाओं में अंडे के योगदान हैं :
1. पृथक्करण **2. स्थायीकरण**
3. पायसीकरण **4. विशुद्धीकरण**
5. मृदुकरण
कूट :
(a) 1, 2, 3 (b) 3, 4, 5
(c) 2, 3, 4 (d) 1, 2, 5

Ans. (c) : निम्न पाक क्रियाओं में अंडे का योगदान होता है–
2. स्थायीकरण
3. पायसीकरण
4. विशुद्धीकरण

21. निम्न के उत्पादन में खमीरीकरण का प्रयोग होता है :
1. सास **2.वाईन**
3. कोको पाउडर **4. मार्मलेड**
5. चीज़
(a) 2, 3, 4 (b) 2, 3, 5
(c) 1, 2, 3 (d) 3, 4, 5

Ans. (b) : निम्न के उत्पादन में खमीरीकरण का प्रयोग
2. वाईन
3. कोको पाउडर
5. चीज़

22. एक रेस्तराँ में खाद्य - मूल्य में बढ़त निम्न के कारण हो सकती है :
1. कच्चा माल बिना मौसम के खरीदना
2. विनिर्देश सुनिश्चित न होना
3. रसोईघर स्वचालित होना
4. खाद्य-मानकों का रख-रखाव
5. संग्रह करने के ताप को सम्प्रेषित न रखना
कूट :
(a) 2, 4, 5 (b) 1, 2, 5
(c) 1, 2, 3 (d) 3, 4, 5

Ans. (b) : एक रेस्तराँ में खाद्य-मूल्य में बढ़त निम्न के कारण हो सकती है।
1. कच्चा माल बिना मौसम के खरीदना
2. विनिर्देश सुनिश्चित न होना
5. संग्रह करने के ताप को सम्प्रेषित न रखना

23. व्यक्तिगत प्रबंधन में मदद करने वाला लेखा-जोखा निम्न है :
1. कार्य विनिर्देश **2. इनवॉइस**
3. के.ओ.टी. **4. कार्य-सारणी**
5. व्यवस्थापन का लेखा
कूट :
(a) 1, 2, 4 (b) 1, 2, 5
(c) 1, 4, 5 (d) 3, 4, 5

Ans. (c) : व्यक्तिगत प्रबंधन में मदद करने वाला लेखा-जोखा निम्न है–
1. कार्य विनिर्देश
4. कार्य सारणी
5. व्यवस्थापन का लेखा

24. अनुकूल प्रबन्धन में सम्मिलित होते हैं :
1. बाह्य वातावरण का आँकलन
2. उप-योजना की पहचान
3. आदेश की एकता
4. नियंत्रण का विस्तार
5. साधनों और क्षमता का मूल्यांकन
6. लक्ष्य की पहचान
कूट :
(a) 1, 2, 3, 6 (b) 1, 3, 5, 6
(c) 1, 2, 5, 6 (d) 1, 2, 3, 4

Ans. (c) : अनुकूलन प्रबन्धन में सम्मिलित है
1. बाह्य वातावरण का आंकलन
2. उप-योजना की पहचान
5. साधनों और क्षमता का मूल्यांकन
6. लक्ष्य की पहचान

25. निम्नलिखित में से किन-किन सिद्धान्तकारों ने सिद्धान्तकार फ्रॉयड के मनोविश्लेषणात्मक कार्य को को आगे बढ़ाया?
1. एरिक एरिक्सन **2. कार्ल जंग**
3. उरी ब्रोनफेनब्रेनर **4. अल्फ्रेड एडलर**

कूट :

(a) 2, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2 और 3

Ans. (b) : निम्नलिखित में से निम्न सिद्धान्तकारों ने सिद्धान्तकार फ्रॉयड के मनोविश्लेषणात्मक कार्य को बढ़ावा दिया है–
1. एरिक एरिक्सन
2. कार्ल जंग
3. अल्फ्रेड एडलर

26. निम्नलिखित में से कौन-कौन सी सबसे अधिक आम रूप से होने वाली गूणसूत्री असंगतियाँ हैं?

1. मल्टीपल स्केलेरोसिस 2. डाउन्स सिंड्रोम

3. क्लाइनफेल्टर्स सिंड्रोम 4. टर्नर सिंड्रोम

कूट :

(a) 2, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2 और 3

Ans. (a) : सबसे अधिक आम रूप में होने वाली गुणसूत्री असंगतियाँ
2. डाउन्स सिन्ड्रोम
3. क्लाइनफेल्टर्स
4. टर्नर सिन्ड्रोम

27. बाल्यावस्था संघात से निम्नलिखित मनोविकारी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं :

1. गंभीर असाहचर्य 2. पी.टी.एस.डी.

3. नासाशोथ 4. अवसाद

कूट :

(a) 1, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4

(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2 और 3

Ans. (b) : बाल्यावस्था संघात से निम्नलिखित मनोविकारी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।
1. गम्भीर असाहचर्य
2. पी.टी.एस.डी
4. अवसाद

28. निम्नलिखित में से किन-किन सिद्धान्तवादियों ने व्यवहारवाद में योगदान किया?

1. पावलोव 2. स्किनर

3. वॉटसन 4. वोऐट

कूट :

(a) 2, 3 और 4 (b) 1, 3 और 4

(c) 1, 2 और 4 (d) 1, 2 और 3

Ans. (d) : सिद्धान्तवादी जिन्होंने ने व्यवहारवाद में योगदान किया–
1. पावलोव
2. स्किनर
3. वॉटसन

29. निम्नलिखित में से कौन-से पद भाषा विकास से संबंधित हैं?

1. समज्जित 2. अर्थ-अस्पष्टता

3. वाक्यविन्यास 4. संकेतप्रयोग विज्ञान

कूट :

(a) 2, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2 और 3

Ans. (a) : भाषा विकास से संबंधित पद
2. अर्थ-अस्पष्टता
3. वाक्यविन्यास
4. संकेत प्रयोग विज्ञान

30. निम्नलिखित में से सक्रियवियर के कौन-से प्रमुख गुण हैं जिनमें आजकल रुचि हैं?

1. थर्मल इन्सुलेशन

2. पूर्ण प्रतिलब्धि के साथ खिंचाव

3. नमी स्थानांतरण

4. पानी प्रतिरोध

5. ज्वाला अवरोधक

कूट :

(a) 2, 3, 4, 5 (b) 1, 2, 4, 5

(c) 4, 5, 3, 1 (d) 1, 2, 3, 4

Ans. (d) : निम्नलिखित में से सक्रियवियर के कौन-से प्रमुख गुण है। जिनमें आजकल रूचि
1. थर्मल इन्सुलेशन
2. पूर्ण प्रतिलब्धि के साथ खिंचाव
3. नमी स्थानांतरण
4. पानी प्रतिरोध

31. भारत में निम्नलिखित में से कौन-से इक्कत केन्द्र हैं?

1. चिराला 2. सम्बलपुर 3. मान्डवी

4. अजन्ता 5. भुज

कूट :

(a) 2, 3, 4, 5 (b) 1, 2, 3, 4

(c) 1, 2, 3, 5 (d) 1, 3, 4, 5

Ans. (b) : भारत इक्कत केन्द्र निम्न हैं–
1. चिराल 2. सम्बलपुर
3. मान्डवी 4. अजन्ता

32. निम्नलिखित में से ट्विल बुनाई के कपड़ें कौन-से हैं?

1. चीनो 2. शैमब्रे

3. मौंकस क्लाथ 4. ड्रिल

5. ब्रोड क्लाथ

कूट :

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 4, 5

(c) 1, 4, 5 (d) 1, 3, 4

Ans. (b) : निम्नलिखित में से ट्विल बुनाई के कपड़े कौन-से है
2. शैमब्रे 4. ड्रिल 5. ब्रोड क्लाथ

33. पोटेशियम परमैगनेट के प्रयोग के बाद भूरे धब्बे को छुटाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-से अभिकर्म इस्तेमाल किए जा सकते हैं?

1. नींबू के नमक 2. एसिटिक अम्ल

3. ओलिक अम्ल 4. आक्सालिक अम्ल

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 1 और 4

(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (b) : पोटेशियम परमैगनेट के प्रयोग के बाद भूरे धब्बे को छुटाने के लिए होने वाले अभिकर्म हैं–
1. नींबू के नमक
2. आक्सालिक अम्ल

34. आप अपने लिए कोट खरीदते हुए महसूस करते हैं कि इसके क़ाज अस्थिर है और टांकों के बीच में से कटे हुए किनारे बाहर निकल रहे हैं। इसके संभावित कारण क्या हो सकते हैं?
1. बनाने के बाद क़ाज को काटना
2. क़ाज बनाने के लिए लॉक टांके का प्रयोग
3. गिम्प की अनुपस्थिति
4. गलत सिलाई बाइट
कूट :
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 4 (d) 1, 3, 4

Ans. (d) : 1. बनाने के बाद क़ाज को काटना
3. गिम्प की अनुपस्थिति
4. गलत सिलाई बाइट

35. निम्नलिखित में से व्यवस्था के स्वाभाविक मूल्य कौन-से हैं?
1. सहकारिता **2. यंत्र-विज्ञान संबंधी संतुष्टि**
3. ईमानदारी **4. रचनात्मकता**
कूट :
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 3, 4 (d) 1, 2, 4

Ans. (c) : व्यवस्था के स्वाभाविक मूल्य है
1. सहकारिता
2. ईमानदारी
3. रचनात्मकता

36. गुप्त (हिडेन) पारिवारिक आय किनके संयोग से प्राप्त होती है?
1. पूँजी निवेश आय **2. सामुदायिक आय**
3. नौकरी से प्राप्त सुविधाएँ **4. साइकिक आय**
कूट :
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 3, 4
(c) 1, 2, 4 (d) 2, 3, 4

Ans. (d) : गुप्त (हिडन) पारिवाहिक आय निम्न संयोग से प्राप्त होते है
2. सामुदायिक आय
3. नौकरी से प्राप्त सुविधाएं
4. साइकिक आय

37. 'फीलीप कोटलर के द्वारा दिए गए 4 P हैं :
1. प्राइस **2. परचेस** **3. प्रोमोशन**
4. प्लेस **5. प्रोडक्ट**
कूटः
(a) 2, 3, 4, 5 (b) 1, 3, 4, 5
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 1, 2, 4, 5

Ans. (b) : 'फीलीप कोटलर के द्वारा दिये गये 4 P है।
1. प्राइस 3. प्रोमोशन
4. प्लेस 5. प्रोडक्ट

38. प्रैंग कलर वील में निम्नलिखित में से कौन से संयोजन एक कौम्पलीमेंटरी कलर स्कीम बनाते हैं?
1. लाल और नीला **2. नीला और संतरी**
3. लाल और हरा **4. पीला और बैंगनी**
कूटः
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 2, 4
(c) 1, 3, 4 (d) 2, 3, 4

Ans. (d) : प्रैंग कलर वील में निम्नलिखित में से निम्न संयोजन एक कैम्पलीमेंटरी कलर स्कीम बनाते हैं। नीला और संतरी, हरा लाल और हरा पीला और बैंगनी।

39. निम्नलिखित में से कौन-से उधार के 4 सी में सम्मिलित हैं?
1. कैरेक्टर **2. कैपैसिटी** **3. कारण**
4. कैपिटल **5. कोलैटरल**
कूट :
(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 4, 5
(c) 1, 3, 4, 5 (d) 1, 2, 4, 5

Ans. (d) :
1. कैरेक्टर 2. कैपेसिटी
3. कैपिटल 4. कौलेटरल

40. लोक सम्बन्धों के लिए उपयोग किए जाने वाले साधन हैं :
1. पत्रकार सम्मेलन आयोजन
2. प्रकाशनार्थ विज्ञप्ति जारी करना
3. जन सम्पर्क सम्बन्धों का संचालन
4. संवर्धन हेतु विज्ञापन
कूट :
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 3, 4 (d) 1, 2, 4

Ans. (a) : लोक सम्बन्धों के लिए उपयोग किये जाने वाले साधन
1. पत्रकार सम्मेलन आयोजन
2. प्रकाशनार्थ विज्ञप्ति जारी करना
3. जनसंपर्क सम्बन्धों का संचालन

41. हमारी आत्म-अवधारणा जो हमारे सम्प्रेषण व्यवहार को प्रभावित करती है निम्नलिखित कारकों के कारण विकसित होती है :
1. सांस्कृतिक परम्पराएँ **2. स्व-मूल्यांकन**
3. सामाजिक भूमिकाएँ **4. सामाजिक संगठन**
कूट :
(a) 1, 2, 4 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 3 (d) 1, 3, 4

Ans. (c) : हमारी आत्म-अवधारणा जो हमारे सम्प्रेषण व्यवहार को प्रभावित करते हैं–
1. सांस्कृतिक परम्पराएं 2. स्व-मूल्यांकन
3. सामाजिक भूमिकाएं

42. दो मित्रों के बीच व्हाट्स एप्प पर गपशप निम्नलिखित का उदाहरण है :

1. औपचारिक सम्प्रेषण

2. अनौपचारिक सम्प्रेषण

3. द्विकिय सम्प्रेषण

4. अंतःवैयक्तिक सम्प्रेषण

कूट :

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4

(c) 1, 3, 4 (d) 1, 2, 4

Ans. (b) : दो मित्रों के बीच व्हाट्स एप्प पर गपशप का उदाहरण–
1. अनौचारिक सम्प्रेषण, 2. द्विकिय सम्प्रेषण
3. अंतः वैयक्तिक सम्प्रेषण

43. एवरेट रोजर के नवोन्मेषण का प्रसार दृष्टिकोण के अनुसार नए विचारों एवं प्रौद्योगिकियों के ग्रहणकर्ताओं को निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है :

1. मंदपक्व 2. अन्वेषक 3. शुरुआती बहुमत

4. आविष्कारक 5. नवोन्मेषक

कूट :

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4

(c) 1, 3, 5 (d) 1, 3, 4

Ans. (c) : एवरेट रोजर के नवोन्मेषण का प्रचार दृष्टिकोण के अनुसार नये विचारों एवं प्रौद्योगिकियों के ग्रहणकर्त्ताओं की श्रेणियों हैं–1. मंदपक्व, 2. शुरुआती बहुमत, 3. नवोन्मेषक

44. निम्नलिखित में से कौन-सी समय सम्बद्ध पीएलए पद्धतियाँ हैं?

1. ऐतिहासिक ट्रांसेक्ट 2. वेन आरेख

3. मैट्रिक्स रैंकिंग 4. ऋतुनिष्ठ आरेख

5. प्रवृत्ति विश्लेषण

कूट :

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4

(c) 3, 4, 5 (d) 1, 4, 5

Ans. (d) : समय सम्बद्ध पी.एल.ए. पद्धतियाँ हैं–
1. ऐतिहासिक ट्रांसेक्ट, 2. ऋतुनिष्ठ आरेख, 3. प्रवृत्ति विश्लेषण

45. पीयर्सन्स 'आर' के निम्नलिखित अभिलक्षण होते हैं :

1. द्विचर बण्टन

2. एकचर बण्टन

3. मान ±1 के बीच घटता-बढ़ता है

4. मान +1 & 0 के बीच घटता-बढ़ता है।

कूट :

(a) 1 और 3 (b) 1 और 4

(c) 2 और 3 (d) 2 और 4

Ans. (a) : पीर्यसन्स 'आर' के अभिलक्षण हैं–
1. द्विचर बण्टन
2. मान +1 & 0 के बीच घटता-बढ़ता है।

46. निम्नलिखित धनात्मक रूप से विषम वितरण के अभिलक्षण हैं :

1. दाएँ के प्रति विषम

2. बाएँ के प्रति विषम

3. माध्यिका और बहुलक, माध्य से अपेक्षाकृत अधिक हैं

4. माध्य, माध्यिका और बहुलक से अपेक्षाकृत अधिक हैं

5. घंटी के आकार की वक्र

कूट :

(a) 3 और 5 (b) 2 और 3

(c) 1 और 4 (d) 1 और 3

Ans. (c) : धनात्मक रूप से विषय वितरण के अभिलक्षण हैं–
1. दाएं के प्रति विषम
2. माध्य, माध्यिका और बहुलक से अपेक्षाकृत अधिक है।

47. अभिकथन (A) : जन स्वास्थ्य व पोषण कार्यक्रमों में शारीरिक क्रियाओं के लिए अधिक खुले स्थान बनाए जाने चाहिए ताकि स्वस्थता को बढ़ावा दिया जा सके।

कारण (R) : अधिक शारीरिक भार व मोटापा गैर-संक्रमण रोगों के विकास को बढ़ावा देने के मुख्य कारण हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

(b) (A) सही है और (R) गलत है।

(c) (A) गलत है और (R) सही है।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं।

Ans. (d) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

48. अभिकथन (A) : अकाल के समय में एक जनसमुदाय में कुपोषण के स्तर का निर्धारण करने के लिए सबसे व्यापक मान्य तरीका है कि इसका निर्धारण 6-59 माह की उम्र के बच्चों में किया जाए।

कारण (R) : आहार की कमी के समय में कुपोषण के लक्षण सबसे पहले छोटे बच्चों में विकसित होते हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।

(b) (A) और (R) गलत है।

(c) (A) सही है और (R) गलत है।

(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

49. अभिकथन (A) : सब देशों की आहारीय संदर्शिका इस बात की ज़ोरदार सिफारिश करते हैं कि प्रतिदिन फल व सब्जियों को पर्याप्त मात्रा में ग्रहण करना चाहिए।

कारण (R) : फल व सब्जियाँ अपने बायोएक्टिव अवयवों के कारण स्वास्थ्य वर्धक और चिरकालिक बीमारियों से बचाव करने वाले खाद्य-पदार्थ माने जाते हैं।

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही और (R) गलत है।
(c) (A) गलत है और (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

50. अभिकथन (A) : हरी पत्तेदार सब्जियों का हरा रंग बनाए रखने के लिए उन्हें खुले बर्तन में पकाना चाहिए।
कारण (R) : इनमें उपस्थित लोहे और सल्फर में प्रतिक्रिया होने से फैरस-सल्फाइड बनने के कारण गहरा हरा रंग बन जाता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (c) : (A) सही है और (R) गलत है।

51. अभिकथन (A) : आरंभिक विक्रय खरीदारी का एक तरीका है जो रेस्तराँ में प्रसिद्ध हो चुका है।
कारण (R) : खरीदार एक समत समय के लिए विक्रेता की लागत पर एक निश्चित मूल्य बढ़ाने के साथ कुछ पदार्थ खरीदने के लिए मान जाता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही है।

Ans. (c) : (A) सही है और (R) गलत है।

52. अभिकथन (A) : खाद्य-सुरक्षा योजना परिचालन यंत्र का कार्य करती है।
कारण (R) : एच.ए.सी.सी.पी. खाद्य वितरण इकाई की एक मात्र सुरक्षा योजना है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (c) : (A) सही है और (R) गलत है।

53. अभिकथन (A) : कालपूर्व पैदा हुए बच्चे में पूर्ण समय पर जन्मे बच्चों की तुलना में जीवन के साथ-साथ अधिक तेजी से विकास करने की प्रवृत्ति होती है।
कारण (R) : जनकीय अतिसंरक्षकता के परिणाम-स्वरूप उन बच्चों को सकारात्मक लाभ मिलते हैं, जो कालपूर्व पैदा होते हैं।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों गलत हैं।

54. अभिकथन (A) : जब बुजुर्ग लोगों की उनके बच्चों के द्वारा देखभाल नहीं की जाती है तो उन्हें शुरुआती मनोभ्रंश हो जाता है।
कारण (R) : बुजुर्ग लोगों की देखभाल होने से उनकी अधिक तंदुरुस्त होने की भावना उत्पन्न होती है और यह मनोभ्रंश के आगमन को रोकता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों गलत हैं।

55. अभिकथन (A) : अध्ययनों में यह भी देखा गया है कि द्विभाषी बच्चों को कई प्रकार के संज्ञानात्मक सिद्धान्त परीक्षणों में एकभाषी बच्चों की तुलना में अधिक अंक प्राप्त होते हैं।
कारण (R) : द्विभाषीवाद बच्चों को संदर्भ, विशेषकर वह जो अनेकार्थक या विरोधात्मक है, से संगत परिवर्तों पर अपना ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रशिक्षित करता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

56. अभिकथन (A) : परिधान में कढ़ाई, सेक्विन व एपलीक संरचनात्मक डिज़ाइन बनाते हैं।
कारण (R) : संरचनात्मक डिज़ाइन परिधान की सतह संवर्धन है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों गलत हैं।

57. अभिकथन (A) : एक वयन करे (वोवन) हुए कपड़े में ग्रेन को यार्न के साथ खिंचाव की डिग्री से पहचाना जा सकता है।
कारण (R) : ताने धागों में बाने धागों की अपेक्षा अधिक खिंचाव होता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (d) : (A) गलत और (R) सही हैं।

58. अभिकथन (A) : एसिड रंजक ऊन व रेशम के लिए उपयुक्त है।
कारण (R) : एसिड रंजक ऊन और रेशम में पाए जाने वाले हाइड्रोक्सी समूह के साथ मिलकर आयोनिक बांड बनाते हैं।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत और (R) सही हैं।

Ans. (c) : (A) सही है और (R) गलत है।

59. अभिकथन (A) : प्रणाली अंतर्निर्भर उप-प्रणालियों का वह समुच्चय है जिससे एक संयुक्त सम्पूर्ण का निर्माण होता है।
कारण (R) : एक परिवार का प्रबंधन इन उप-प्रणालियों के परिवेशों के संघटकों पर निर्भर करता है।
कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

60. अभिकथन (A) : अर्थ-व्यवस्था का रिकार्ड बनाना, मासिक खर्चे की व्यय योजना के साथ तुलना करने में मदद करता है।
कारण (R) : रिकार्डस, धन के खर्चे का वितरण दर्शाता है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत है।
(c) (A) गलत और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

61. अभिकथन (A) : वर्क कर्व कार्य करने के समय को व्यवस्थापित करने का एक महत्वपूर्ण यंत्र है।
कारण (R) : वर्क कर्व, समय के अन्तराल से, कार्य के उत्पादन में आने वाले बदलाव का अध्ययन करने में सहायता करता है।
कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

62. अभिकथन (A) : श्रवण करना सुनने के जैसी ही क्रिया है।
कारण (R) : अधिकांश लोग बहुत सी आवाजें ग्रहण करने में समक्ष होते हैं जो कि वे बिल्कुल भी श्रवण नहीं करते हैं।
कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (b) : (A) गलत है और (R) सही हैं।

63. अभिकथन (A) : लड़कियों और लड़कों का बच्चों के रूप में सामाजीकरण की प्रक्रिया लिंग-निर्धारण (जेंडरिंग) कहलाती है।
कारण (R) : बच्चे व्यवहारों एवं भूमिकाओं को जेंडरिंग प्रक्रियाओं के अनुसार आत्मसात कर लेते हैं।
कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : (A) और (R) दोनों सही हैं।

64. अभिकथन (A) : सामाजिक परिवर्तन के लिए संगठित करना समर्थनकारी और रूपांतरकारी होता है।
कारण (R) : सामाजिक परिवर्तन के लिए संगठित करने को अधिक प्रभावी होने के लिए इसे समर्थ-हितैषी एवं धनवान-हितैषी होना चाहिए।
कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (a) : (A) सही है और (R) गलत है।

65. निम्न खाद्य-पदार्थों को प्रति 100 ग्राम खाद्य-पदार्थ से प्राप्त होने वाली प्रोटीन की मात्रा के आधार पर बढ़ते हुए क्रम में लगाएँ।
1. मुर्गी का अंडा **2. बादाम**
3. सफेद डबलरोटी **4. राज़माह**
5. भैंस का दूध
कूट :
(a) 3, 1, 5, 2, 4 (b) 5, 3, 1, 4, 2
(c) 5, 3, 1, 2, 4 (d) 3, 5, 1, 2, 4

Ans. (c) : खाद्य-पदार्थों का प्रति 100 ग्राम खाद्य-पदार्थ से प्राप्त होने वाली प्रोटीन की मात्रा के आधार पर बढ़ता हुआ क्रम है–
1. भैंस का दूध 2. सफेद डबलरोटी
3. मुर्गी का अंडा 4. बादाम
5. राजमाह

66. राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन प्रक्रिया को सही क्रम से लगाएँ।
1. विश्लेषण के लिए संरचना का विकास करना
2. मूल्यांकन और निगरानी की प्रक्रिया के लिए मूल सूचकों का निर्धारण करना

3. उपलब्धियों और परिणाम के बारे में लिखना
4. नमूने, प्रवृत्ति और संभावित व्याख्या की पहचान करना
5. सूचकों के बारे में जानकारी एकत्रित करना

कूट :

(a) 2, 1, 4, 5, 3 (b) 2, 4, 1, 3, 5
(c) 5, 2, 1, 3, 4 (d) 2, 5, 1, 4, 3

Ans. (d) : राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन प्रक्रिया का सही क्रम–
1. मूल्यांकन और निगरानी की प्रक्रिया के लिए मूल सूचकों का निर्धारण करना
2. सूचकों के बारे में जानकारी एकत्रित करना
3. विश्लेषण के लिए संरचना का विकास करना
4. नमूने, प्रवृत्ति और संभावित व्याख्या की पहचान करना
5. उपलब्धियों और परिणाम के बारे में लिखना

67. चीज़ बनाने की प्रक्रिया को सही क्रम में लगाएँ।

1. दही जमाना 2. शैडर
3. पास्चुरीकरण 4. परिपक्वन
5. साँचे में ढालना 6. पीसना और नमक लगाना

कूट :

(a) 3, 1, 2, 6, 4, 5 (b) 1, 3, 2, 5, 4, 6
(c) 3, 1, 2, 6, 5, 4 (d) 2, 4, 6, 5, 1, 3

Ans. (c) : चीज़ बनाने की प्रक्रिया का सही क्रम

1. पास्चुरीकरण	2. दही जमाना
3. शैडर	4. पीसना और नमक लगाना
5. साँचे में ढालना	6. परिपक्वन

68. टी. क्यू. एम. प्रोग्राम को स्थापित करने में आवश्यक चरणों को सही क्रम में लगाएँ :

1. विचार मंथन
2. दृढ़ होना
3. प्रक्रिया का विश्लेषण
4. उदारमति और लचीला होना
5. दूसरों से सीखना
6. चयनात्मक होना
7. कार्यकर्त्ताओं की समस्याओं को सुनना

कूट :

(a) 3, 7, 1, 6, 2, 4, 5
(b) 5, 7, 3, 1, 2, 6, 4
(c) 3, 4, 1, 6, 2, 7, 5
(d) 1, 3, 5, 6, 4, 7, 2

Ans. (c) : टी. क्यू. एम. प्रोग्राम को स्थापित करने में आवश्यक चरणों का सही क्रम है–
1. प्रक्रिया का विश्लेषण
2. उदारमति और लचीला होना
3. विचार मंथन
4. चयनात्मक होना
5. दृढ़ होना
6. कार्यकर्त्ताओं की समस्याओं को सुनना
7. दूसरों से सीखना

69. बच्चों में भाषा के विकास का अनुक्रम निर्धारित करें।

1. समग्रबोधी
2. शुरुआती जटिल वाक्य
3. टेलीग्राफिक चरण
4. भाषाई सहजबोध
5. जटिल वाक्य

कूट :

(a) 1, 3, 2, 5, 4 (b) 3, 4, 1, 2, 5
(c) 5, 2, 3, 1, 4 (d) 3, 1, 5, 2, 4

Ans. (a) : बच्चों में भाषा के विकास का अनुक्रम
1. समग्रबोधी
2. टेलीग्राफिक चरण
3. शुरुआती जटिल वाक्य
4. जटिल वाक्य
5. भाषाई सहजबोध

70. शैशवावस्था में विकास के सोपानों का अनुक्रम निर्धारित करें।

1. सामाजिक मुस्कान
2. बिना सहारे के बैठना
3. अधोन्मुखी से ऊर्ध्वमुख में पलटना
4. उठकर खड़ा होना
5. सीढ़ियाँ चढ़ना

कूट :

(a) 1, 3, 2, 4, 5 (b) 3, 4, 1, 2, 5
(c) 5, 2, 3, 1, 4 (d) 3, 1, 5, 2, 4

Ans. (a) : शैशवावस्था में विकास के सोपानों का अनुक्रम
1. सामाजिक मुस्कान
2. अधोन्मुखी से ऊर्ध्वमुख में पलटना
3. बिना सहारे के बैठना
4. उठकर खड़ा होना
5. सीढ़ियाँ चढ़ना

71. टैक्सटाइल्स प्रसंस्करण का सही क्रम दीजिए।

1. ब्लीच करना 2. मरसराइजेशन
3. स्कारिंग 4. सिजिंग
5. डी साइजिंग

कूट :

(a) 4, 5, 2, 3, 1 (b) 4, 5, 3, 1, 2
(c) 5, 3, 2, 1, 5 (d) 1, 2, 3, 5, 4

Ans. (b) : टैक्सटाइल्स प्रसंस्करण का सही क्रम है–
1. सिजिंग
2. डी साइजिंग
3. स्कारिंग
4. ब्लीच करना
5. मरसराइजेशन

72. कन्नी (Kani) शॉल बुनाई का सही क्रम दीजिए।

1. डिज़ाइन नमूने के आकार बनाना
2. करघे पर तानों का सूत्रण
3. लम्बी पट्टियों में शॉल की बुनाई
4. धागे का घुमाव

5. तन्तुओं की कन्घी और कताई
6. ऊन का संग्रह और छंटाई
7. शॉल के टुकड़ों को साथ जोड़ना
8. धोना व रंगना
कूट :
(a) 2, 3, 4, 5, 6, 1, 7, 8
(b) 6, 5, 8, 4, 2, 1, 3, 7
(c) 6, 7, 8, 1, 2, 3, 4, 5
(d) 1, 2, 4, 3, 6, 5, 7, 8

Ans. (b) : कन्नी शॉल बुनाई का सही क्रम है–
1. ऊन का संग्रह और छंटाई
2. तन्तुओं की कन्घी और कताई
3. धोना व रंगना
4. धागे का घुमाव
5. करघे पर तानों का सूत्रण
6. डिज़ाइन नमूने के आकार बनाना
7. लम्बी पट्टियों में शॉल की बुनाई
8. शॉल के टुकड़ों को साथ जोड़ना

73. एक उपभोक्ता खरीदारी की निर्णय प्रक्रिया के पाँच चरणों से गुजरता है। निर्णय प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को सही क्रम में लगाएँ।
1. ज्ञापन शोध
2. समस्या पुष्टि
3. खरीदारी का निर्णय
4. खरीदारी पश्चात आचरण
5. विकल्पों का मूल्यांकन
कूट :
(a) 3, 4, 5, 2, 1 (b) 1, 3, 5, 4, 2
(c) 2, 1, 5, 3, 4 (d) 5, 4, 2, 3, 1

Ans. (c) : निर्णय प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का सही क्रम है–
1. समस्या पुष्टि
2. ज्ञापन शोध
3. विकल्पों का मूल्यांकन
4. खरीदारी का निर्णय
5. खरीदारी पश्चात आचरण

74. पारिवारिक जीवन चक्र के निम्नलिखित चरणों को उनकी उपस्थिति के अनुसार सुनिश्चित करें।
1. प्रतिष्ठान की अवधि और प्राथमिक विद्यालय
2. गर्भधारण की अवस्था और बच्चों की स्कूल पूर्व अवधि
3. बच्चों का व्यावसायिक समायोजन
4. उच्च विद्यालय और कॉलेज
5. सेवा निवृत्ति
6. वित्तीय वसूली
कूट :
(a) 1, 2, 4, 3, 6, 5 (b) 2, 1, 3, 4, 6, 5
(c) 3, 2, 4, 1, 5, 6 (d) 1, 2, 4, 3, 5, 6

Ans. (c) : 3, 2, 4, 1, 5, 6

75. निम्नलिखित विधानों को उनके कार्यान्वयन के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें।
1. गर्भावस्था की मेडिकल समाप्ति अधिनियम
2. दहेज प्रतिषेध अधिनियम
3. प्री-कन्सेप्शन एवं प्री-नेटल डॉयग्नोस्टिक्स टेक्निस एक्ट
4. हिन्दू विवाह अधिनियम
5. घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम
6. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण अधिनियम)
कूट :
(a) 6, 3, 4, 2, 5, 1 (b) 4, 2, 1, 3, 5, 6
(c) 4, 3, 2, 1, 5, 6 (d) 6, 5, 4, 3, 2, 1

Ans. (b) : विधानों को उनके कार्यान्वयन के कालक्रम के अनुसार
1. हिन्दू विवाह अधिनियम
2. दहेज प्रतिषेध अधिनियम
3. गर्भावस्था की मेडिकल समाप्ति अधिनियम
4. प्री-कन्सेप्शन एवं प्री-नेटल डॉयग्नोस्टिक्स टेक्निक एक्ट
5. घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम
6. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण अधिनियम)

76. अरस्तू द्वारा प्रस्तावित प्रभावी वाक् के निम्नलिखित सोपानों को व्यवस्थित कीजिए।
1. व्यवस्था 2. आविष्कार 3. शैली
4. सुपुर्दगी 5. स्मृति
कूट :
(a) 1, 2, 3, 4, 5 (b) 1, 3, 2, 5, 4
(c) 2, 1, 3, 5, 4 (d) 2, 1, 5, 3, 4

Ans. (c) : अरस्तू द्वारा प्रस्तावित प्रभावी वाक सोपानों का क्रम है–
1. आविष्कार
2. व्यवस्था
3. शैली
4. स्मृति
5. सुपुर्दगी

77. सूची–I में दिए परीक्षणों को सूची–II में दिए गए उनके रासायनिक यौगिक से मिलाएँ :

सूची–I	सूची–II
A. फैलिंगस् परीक्षण	1. नाइट्रोजन
B. सैलिवनाफस् परीक्षण	2. मुक्त वसा अम्ल
C. ज़ैलडालस् परीक्षण	3. कीटोज़ शुगर
D. ज़ैन्थोप्रोयटिक परीक्षण	4. एरोमैटिक अमीनो-एसिड
E. नाइट्रोप्रूसाइड परीक्षण	5. रिड्यूसिंग शुगर
	6. मोनो और डाई सैकराईडस में भेद दिखलाना
	7. सल्फर युक्त अमीनो एसिड

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	5	3	1	4	7
(b)	6	5	1	2	7
(c)	5	6	1	7	4
(d)	5	2	1	6	7

Ans. (a) :

सूची – I		सूची – II
फैलिंगस् परीक्षण	–	रिड्यूसिंग शुगर
सैलिवनाफस् परीक्षण	–	कीटोज़ शुगर
ज़ैलडालस् परीक्षण	–	नाइट्रोजन
ज़ैन्थोप्रोयटिक परीक्षण	–	एरोमैटिक अमीनो-एसिड
नाइट्रोप्रूसाइड परीक्षण	–	सल्फर युक्त अमीनो एसिड

78. सूची–I में दिए गए पोषक तत्वों को सूची–II में दिए गए उनकी कमी से होने वाले लक्षणों से मिलाएँ :

सूची – I	सूची – II
A. फौलिक एसिड	1. टैटनी
B. ज़िक	2. माइक्रोसिटिक अनीमीया
C. कैल्शियम	3. चिलोसिस्
D. ड्आयोडीन	4. कोइलोनिचिया
E. राईबोफ्लेविन	5. मैगलोब्लास्टिक अनीमीया
	6. हाईपोग्यूसिया
	7. मानसिक कार्य क्षमता में कमी

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	5	6	1	7	3
(b)	2	6	1	7	3
(c)	5	7	4	6	3
(d)	2	6	1	4	3

Ans. (a) :

सूची – I		सूची – II
फौलिक एसिड	1.	मैगलोब्लास्टिक अनीमीया
ज़िक	2.	हाईपोग्यूसिया
कैल्शियम	3.	टैटनी
आयोडीन	4.	मानसिक कार्य क्षमता में कमी
राईबोफ्लेविन	5.	चिलोसिस

79. सूची–I में दिए गए खाद्य-पदार्थ के उस सक्रिय अंश को जिसका सम्बन्ध कैंसर के बचाव से है, सूची–II में दिए गए उसके स्रोत से मिलाएँ :

सूची–I	सूची–II
A. फाइटोकैमिकल	1. टमाटर
B. अल्फा लिपोयिक एसिड	2. ग्रीन चाय
C. फ्लैवोनायडस्	3. आलू
D. ग्लूटाथायौन	4. हल्दी
E. सिलिनियम	5. ब्रॉकोली
	6. समुद्री खाद्य-पदार्थ
	7. एसपैरेगस

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	1	5	2	6	4
(b)	5	1	4	7	2
(c)	1	3	7	6	4
(d)	5	3	2	7	6

Ans. (d) :

सूची – I		सूची – II
फाइटोकैमिकल	–	ब्रॉकोली
अल्फा लिपोयिक एसिड	–	आलू
फ्लैवोनायडस्	–	ग्रीन चाय
ग्लूटाथायौन	–	एसपैरेगस
सिलिनियम	–	समुद्री खाद्य-पदार्थ

80. सूची – I में दिए गए जीवाणुओं को सूची – II में दिए गए खाद्य-पदार्थ से मिलाएँ जिनके द्वारा वे संचारित होते हैं।

सूची – I	सूची – II
A. साल्मोनैला	1. कच्ची सब्जियाँ व सलाद
B. स्ट्रैप्टोकोकस	2. कम अम्लीय डिब्बाबन्द खाद्य-पदार्थ
C. क़्लासट्रिडियम बॉट्यूलाईनम्	3. निर्जलित सब्जियाँ
D. टिनिया सोलियम	4. अंडा व माँस उत्पाद
E. शीगेला	5. सूअर का माँस व उत्पाद
	6. क्रीम व डेरी उत्पाद

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	3	4	2	1	5
(b)	4	6	2	5	1
(c)	4	1	3	5	2
(d)	3	5	2	6	1

Ans. (b) :

सूची–I	सूची–II
साल्मोनैला	– अंडा व माँस उत्पाद
स्ट्रैप्टोकोकस	– क्रीम व डेरी उत्पाद
क्लासट्रिडियम	– कम अम्लीय डिब्बाबन्द खाद्य-पदार्थ
टिनिया सोलियम	– सूअर का माँस व उत्पाद
शीगेला	– कच्ची सब्जियाँ व सलाद

81. सूची–I में दिए गए मदों को सूची–II में दिए गए खाद्य-पदार्थों से मिलाएँ :

सूची–I	सूची–II
A. सॉरबिक एसिड	1. जैली
B. बैन्जोइक एसिड	2. बीयर
C. सल्फर डाइ ऑक्साइड	3. चीज़
D. सोडियम नाइट्रेट	4. योगर्हट
E. एसिटिक एसिड	5. चटनी
F. निसिन	6. डबलरोटी
	7. संसाधित मीट

कूट :

	A	B	C	D	E	F
(a)	1	3	4	6	5	2
(b)	1	2	4	3	7	5
(c)	3	5	6	7	1	2
(d)	4	1	2	7	5	3

Ans. (d) :

सूची–I		सूची–II
सॉरबिक एसिड	–	योगर्हट
बैन्जोइक एसिड	–	जैली
सल्फर डाइ ऑक्साइड	–	बीयर
सोडियम नाइट्रेट	–	संसाधित मीट
एसिटिक एसिड	–	चटनी
निसिन	–	चीज़

82. सूची–I में दिए गए पदों को सूची–II में दिए संचालन क्षेत्रों से मिलाएँ :

सूची–I	सूची–II
A. इनवॉइस	1. पाकविधि का समायोजन
B. विवरण पत्र	2. उत्पाद का मूल्य निर्धारण
C. सैटलाइटिंग	3. अनुपालन का मूल्यांकन
D. फैक्टर विधि	4. खरीदना
E. बी.ए.आर.एस.	5. संग्रहण की प्रविधि
F. प्रतिशत विधि	6. कमीसरी सेवा
	7. प्रदर्शित करने की योजना

कूट :

	A	B	C	D	E	F
(a)	2	3	7	5	1	6
(b)	4	7	6	2	3	1
(c)	5	1	2	4	6	7
(d)	3	2	1	5	7	6

Ans. (b) :

सूची – I		सूची – II
इनवॉइस	–	खरीदना
विवरण पत्र	–	प्रदर्शित करने की योजना
सैटलाइटिंग	–	कमीसरी सेवा
फैक्टर विधि	–	उत्पाद का मूल्य निर्धारण
बी.ए.आर.एस.	–	अनुपालन का मूल्यांकन
प्रतिशत विधि	–	पाकविधि का समायोजन

83. सूची – I में पदों को सूची – II में दिए गए वर्णन के साथ सुमेलित करें।

सूची – I	सूची – II
A. क्षुधा-अभाव	1. करके सीखना
B. मनोभ्रंश	2. भोजन विकार
C. व्यसन	3. मनोवैज्ञानिक निर्भरता
D. व्यावहारिकतावाद	4. तंत्रिकागत विकार
	5. भावनात्मक असंतुलन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	5	2	3	4
(b)	4	2	1	3
(c)	3	4	2	5
(d)	2	4	3	1

Ans. (d) :

सूची–I		सूची–II
क्षुधा-अभाव	–	भोजन विकार
मनोभ्रंश	–	तंत्रिकागत विकार
व्यसन	–	मनोवैज्ञानिक निर्भरता
व्यावहारिकतावाद	–	करके सीखना

84. सूची–I में दिए गए संगठनों को सूची–II में दिए गए प्रकार्य के उनके क्षेत्रों के साथ सुमेलित करें।

सूची–I	सूची–II
A. एन.एच.आर.सी.	1. दत्तक-ग्रहण
B. एन.सी.पी.सी.आर.	2. प्रशिक्षण एवं प्रलेखन
C. सी.ए.आर.ए.	3. मानव अधिकार
D. एन.आई.पी.सी.सी.डी.	4. बाल अधिकार
	5. निःशक्तता

कूट :

	A	B	C	D
(a)	5	2	3	4
(b)	4	2	1	3
(c)	3	4	2	5
(d)	3	4	1	2

Ans. (d) :

सूची–I		सूची–II
एन.एच.आर.सी.	–	मानव अधिकार
एन.सी.पी.सी.आर.	–	बाल अधिकार
सी.ए.आर.ए.	–	दत्तक-ग्रहण
एन.आई.पी.सी.सी.डी.	–	प्रशिक्षण एवं प्रलेखन

85. सूची–I में दिए गए चरण को सूची–II में दी गई उपलब्धि के साथ सुमेलित करें।

सूची–I	सूची–II
A. संवेदी प्रेरक चरण	1. सेंट्रशन
B. तैयारी का चरण	2. वस्तु-स्थायित्व
C. ठोस ऑपरेशन	3. परीक्षण परिकल्पना
D. औपचारिक प्रचालन	4. संख्याओं का संरक्षण
	5. गठन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	4	2	1	3
(c)	3	4	2	5
(d)	2	1	4	5

Ans. (a) :

सूची–I		सूची–II
संवेदी प्रेरक चरण	–	वस्तु-स्थायित्व
तैयारी का चरण	–	सेंट्रशन
ठोस ऑपरेशन	–	संख्याओं का संरक्षण
औपचारिक प्रचालन	–	परीक्षण परिकल्पना

86. सूची–I में दिए गए रंजकों का मिलाप सूची–II में दी गई उनकी विशेषताओं से करिये।

सूची–I	सूची–II
A. डिस्पर्स रंजक	1. अल्कोहल में विलेयता को सुधारने के लिए एक कार्यात्मक समूह होता है।
B. डाइरैक्ट रंजक	2. एसिड रंजक से लागू
C. एजोइक रंजक	3. सेल्यूलोज और प्रोटीन फाइबर के लिए ठोस और पानी में घुलनशील रंजक

D. मैटेलाइज़्ड रंजक	4. रासायनिक प्रतिक्रिया से रंजक का कपड़े में विकसित होना
	5. केवल पानी में थोड़ा घुलनशील व अधिकांश थर्मोप्लास्टिक फाइबर में फैलना

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	5
(b)	3	1	5	4
(c)	5	3	4	2
(d)	2	4	3	1

Ans. (c) :

सूची – I		सूची – II
डिस्पर्स रंजक	–	केवल पानी में थोड़ा घुलनशील व अधिकांश थर्मोप्लास्टिक फाइबर में फैलना
डाइरैक्ट रंजक	–	सेल्यूलोज और प्रोटीन फाइबर के लिए ठोस और पानी में घुलनशील रंजक
एजोइक रंजक	–	रासायनिक प्रतिक्रिया से रंजक का कपड़े में विकसित होना
मैटेलाइज़्ड रंजक	–	एसिड रंजक से लागू

87. सूची – I में दिए गए मदों का मिलान सूची – II में दिए गए उनके विवरण से करें।

सूची – I	सूची – II
A. टौइलस डी जौय़	1. हनी कोम्ब बुनाई से बना कपड़ा
B. टैपेस्ट्री	2. नाजुक छपाई डिज़ाइन के साथ कपड़े
C. तापा	3. रंगीन बाने धागों से बुना पैटर्न
D. वाफल क्लाथ	4. बिना बुना कपड़ा
	5. रजाई का प्रकार

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	5	3
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	2	5
(d)	1	2	4	3

Ans. (b) :

सूची – I	सूची – II
टौइलस डी जौय़	– नाजुक छपाई डिज़ाइन के साथ कपड़े
टैपेस्ट्री	– रंगीन बाने धागों से बुना पैटर्न
तापा	– बिना बुना कपड़ा
वाफल क्लाथ	– हनी कोम्ब बुनाई से बना कपड़ा

88. सूची–I में दिए गए परीक्षण उपकरणों का मेल सूची–II में दिए गए परीक्षण के उद्देश्य से करें।

सूची – I	सूची – II
A. ग्रे स्केल	1. रोशनी स्थिरता
B. ज़ैनोन आर्क	2. रगड़ स्थिरता
C. क्राक-मीटर	3. कपड़ों में सुरक्षा
D. तेज बिंदु परीक्षक	4. धुलाई में स्थिरता
	5. धब्बे का परीक्षण और रंग में बदलाव

कूट :

	A	B	C	D
(a)	5	1	2	3
(b)	4	3	5	2
(c)	3	2	1	4
(d)	2	4	3	1

Ans. (a) :

सूची – I		सूची – II
ग्रे स्केल	–	धब्बे का परीक्षण और रंग में बदलाव
ज़ैनोन आर्क	–	रोशनी स्थिरता
क्राक-मीटर	–	रगड़ स्थिरता
तेज बिंदु परीक्षक	–	कपड़ों में सुरक्षा

89. सूची – I में दिए गए वर्णन को सूची – II में दिए गए पदों के साथ सुमेलित करें।

सूची – I	सूची – II
A. कुछ मशीनों को सूचना सम्प्रेषित करने के लिए एक उपकरण	1. डिस्प्ले
B. ध्वनि की तीव्रता का मापन	2. हर्ट्ज (Hz)
C. मानव गति एवं इसके शारीरिक पहलुओं का अध्ययन	3. इलेक्ट्रोक्योग्रॉफी
D. ध्वनि की आवृत्ति का मापन	4. कंट्रोल
E. एक प्रणाली की दशा के बारे में सूचना प्रस्तुत करने की एक तकनीक	5. बायोमेकेनिक्स
	6. डेसिबल (dB)

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	3	2	4	1	5
(b)	2	3	4	5	1
(c)	4	6	5	2	1
(d)	4	5	3	1	2

Ans. (c) :

सूची – I		सूची – II
कुछ मशीनों को सूचना सम्प्रेषित करने के लिए एक उपकरण	–	कंट्रोल
ध्वनि की तीव्रता का मापन	–	डेसिबल (dB)
मानव गति एवं इसके शारीरिक पहलुओं का अध्ययन	–	बायोमेकेनिक्स
एक प्रणाली की दशा के बारे में सूचना प्रस्तुत करने की एक तकनीक	–	डिस्प्ले

90. सूची– I में दिए गए शब्दों को सूची– II में दी गई मदों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची– II
A. अनुपात	1. फर्नीचर जोड़ या संधि
B. बट	2. ग्रीक दीर्घायात
C. ग्नमक	3. रंग विमा
D. व़ाल्व/कपाट	4. सतही अलंकरण
E. पैटर्न	5. प्रदीपन
	6. सहायक उपकरण

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	2	1	5	3	4
(b)	3	2	4	6	1
(c)	1	4	6	3	2
(d)	6	5	3	1	2

Ans. (a) :

सूची – I		सूची – II
अनुपात	–	ग्रीक दीर्घायात
बट	–	फर्नीचर जोड़ या संधि
ग्नमक	–	प्रदीपन
व़ाल्व/कपाट	–	रंग विमा
पैटर्न	–	सतही अलंकरण

91. सूची – I में दिए गए शब्दों को सूची – II में दिए विवरण के साथ सुमेलित कीजिए। :

सूची – I	सूची – II
A. सी.इ.आर.सी.	1. अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं का प्रवाह
B. जी.एन.पी.	2. उपभोक्ता संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन
C. स़ी.आई.	3. राष्ट्रीय उपभोक्ता संगठन
D. ओ़मबड्समैन	4. उपभोक्ता निवारण हेतु वैकल्पिक एजेन्सी
E. जिला फोरम	5. उपभोक्ता शिक्षा पत्रिका
	6. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	4	2	3	5	6
(b)	3	1	2	4	6
(c)	1	5	3	2	4
(d)	2	3	4	6	1

Ans. (b) :

सूची – I	सूची – II
सी.इ.आर.सी.	– राष्ट्रीय उपभोक्ता संगठन
जी.एन.पी.	– अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं का प्रवाह
सी.आई.	– उपभोक्ता संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन
ओ़मबड्समैन	– उपभोक्ता निवारण हेतु वैकल्पिक एजेन्सी
जिला फोरम	– उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम

92. सूची-I में दिए गए जन संचार सिद्धांतों को सूची-II में दिए गए उनके बुनियादी मार्गदर्शक दर्शन के साथ सुमेलित करें।

सूची – I	सूची – II
A. सत्तावादी	1. मीडिया स्वतंत्र है।
B. स्वेच्छातंत्रवाद	2. मीडिया स्वतंत्र किन्तु जिम्मेदार है
C. स़ामाजिक उत्तरदायित्व	3. मीडिया नियंत्रित है
D. स़ोवियत कम्युनिस्ट	4. मीडिया सार्वभौम है
E. डेवलपमेंट आफ मीडिया	5. मीडिया को समाज के विकास में सहायता करनी है।
	6. मीडिया सरकार के एजेंट हैं।

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	3	6	2	1	4
(b)	3	1	2	6	5
(c)	3	6	2	1	5
(d)	4	5	2	1	3

Ans. (b) :

सूची – I	सूची – II
सत्तावादी	– मीडिया नियंत्रित है
स्वेच्छातंत्रवाद	– मीडिया स्वतंत्र है।
सामाजिक उत्तरदायित्व	– मीडिया स्वतंत्र किन्तु जिम्मेदार है
सोवियत कम्युनिस्ट	– मीडिया सरकार के एजेंट हैं।
डेवलपमेंट मीडिया	– मीडिया को समाज के विकास में सहायता करनी है।

93. सूची–I में दी गई विस्तार एवं विकास पहल के प्रस्तावकों के नाम को सूची–II में दी गई उस परियोजना/स्कीम के साथ सुमेलित करें जिससे वे जुड़े हुए हैं।

सूची– I	सूची– II
A. अल्बर्ट मेयर	1. श्रीनिकेतन परियोजना
B. रबीन्द्रनाथ टैगोर	2. सेवाग्राम परियोजना
C. एफ.एल. ब्रायम	3. मार्थंडम परियोजना
D. एम.के. गांधी	4. इटावा परियोजना
E. स्पेंसर हैच	5. गुड़गांव परियोजना
	6. सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	5	4	2	1	3
(b)	4	2	6	1	3
(c)	4	6	3	2	1
(d)	4	1	5	2	3

Ans. (d) :

सूची – I		सूची – II
अल्बर्ट मेयर	–	इटावा परियोजना
रबीन्द्रनाथ टैगोर	–	श्रीनिकेतन परियोजना
एफ.एल. ब्रायम	–	गुड़गांव परियोजना
एम.के. गांधी	–	सेवाग्राम परियोजना
स्पेंसर हैच	–	मार्थंडम परियोजना

94. सूची–I में दिए गए संचारण प्रक्रिया के तत्वों को सूची–II में दिए गए संचार शोध के प्रकार के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची–I	सूची–II
A. कौन कहता है?	1. विषयवस्तु शोध
B. क्या कहता है?	2. माध्यम शोध
C. किस माध्यम में?	3. श्रोतागण शोध
D. किसे?	4. नियंत्रण शोध
E. किस प्रभाव के साथ?	5. प्रभाव शोध
	6. नम्यता शोध

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	1	2	3	6	5
(b)	2	6	4	3	5
(c)	3	4	2	6	5
(d)	4	1	2	3	5

Ans. (d) :

सूची–I		सूची–II
कौन कहता है?	–	नियंत्रण शोध
क्या कहता है?	–	विषयवस्तु शोध
किस माध्यम में?	–	माध्यम शोध
किसे?	–	श्रोतागण शोध
किस प्रभाव के साथ?	–	प्रभाव शोध

95. सूची – I में मदों को सूची – II की मदों के साथ सुमेलित करें।

सूची – I	सूची – II
A. टाइप I गलती	1. वक्र के अधीन 95 % क्षेत्र
B. क्रुसकाल-वालिस परीक्षण	2. दिए गए स्कोर प्वाइंट के नीचे आने वाले प्रतिशत मामले
C. स़ेंटाइल रैंक	3. बण्टन मुक्त परीक्षण
D. दिशात्मक वैकल्पिक परिकल्पना	4. वक्र के अधीन 99.7% क्षेत्र
E. $\overline{X} \pm 3S.D.$	5. यथार्थ शून्य परिकल्पना को नकारना
	6. अयथार्थ शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करना
	7. $H_A : \mu \neq 30$
	8. $H_A : \mu < 30$

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	6	3	2	8	1
(b)	5	3	2	8	4
(c)	6	3	2	7	4
(d)	5	3	2	7	1

Ans. (b) :

सूची – I	सूची – II
टाइप I गलती	– यथार्थ शून्य परिकल्पना को नकारना
क्रुसकाल-वालिस	– बण्टन मुक्त परीक्षण
स़ेंटाइल रैंक	– दिए गए स्कोर प्वाइंट परीक्षण के नीचे आने वाले प्रतिशत मामले
दिशात्मक वैकल्पिक परिकल्पन	– $H_A : \mu < 30$
$\overline{X} \pm 3S.D.$	– वक्र के अधीन 99.7% क्षेत्र

96. सूची – I में दिए गए सूचकों के प्रकारों को सूची – II में दी गई उनकी व्याख्या के साथ सुमेलित करें :

सूची – I	सूची – II
A. प्रत्यक्ष सूचक	1. एक समय-सीमा के भीतर मापे जाने के लिए नियत
B. प्रारंभिक सूचक	2. परिवर्तन के परिमाण का मापन करना
C. स़ारांश सूचक	3. उस समय उपयोग किया जाता है जब प्रत्याशित परिवर्तन प्रत्यक्ष रूप से देखे जाने योग्य नहीं हो
D. गुणात्मक सूचक	4. सटीक एवं व्यापक परिवर्तन से संबंधित होता है
E. प्रक्रिया सूचक	5. आखिर में कार्य-निष्पादन का मापन किया जाता है।
	6. गुणात्मक आंकड़ों का मापन होता है।

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	2	1	4	3	5
(b)	4	5	1	2	6
(c)	4	1	5	2	6
(d)	2	5	1	3	4

Ans. (c) :

सूची – I	सूची – II
प्रत्यक्ष सूचक	1. सटीक एवं व्यापक परिवर्तन से संबंधित होता है
प्रारंभिक सूचक	2. एक समय-सीमा के भीतर मापे जाने के लिए नियत
स़ारांश सूचक	3. आखिर में कार्य-निष्पादन का मापन किया जाता है।
गुणात्मक सूचक	4. परिवर्तन के परिमाण का मापन करना
प्रक्रिया सूचक	5. गुणात्मक आंकड़ों का मापन होता है।

निम्न गद्य को पढ़ें और प्रश्न 97 से 100 तक के उत्तर दें।

हमारे पास इस बात का प्रमाण देखते हुए कि पहले छह महीनों के लिए शुरुआती एवं अनन्य स्तन्य आहार से बाल उत्तरजीविता को बढ़ाने में काफी योगदान मिल सकता है और अच्छे पूरक आहार से रुद्विकास में कमी लाने में योगदान मिल सकता है, यह अवश्यकरणीय हो जाता है कि शुरुआती पोषण पर कार्रवाई अवश्य की जानी चाहिए। एक प्रायोगिक परियोजना से सुपूर्दगी तंत्र स्थापित करने में उपयोगी मॉडल मिलता है। इसने सभी गर्भवती एवं स्तन्यस्त्रवण करने वाली महिलाओं तक पहुँचने, उनके दो साल से कम उम्र के बच्चों की पोषणगत एवं स्वास्थ्यगत स्थिति में योगदान करने के उद्देश्य से कुशल परामर्श सेवा, बेहतर पर्यवेक्षण एवं निगरानी के माध्यम से इष्टतम शिशु एवं अल्पवय बाल आहार (आई.वाई.सी.एफ.) परिपाटियों के संवर्धन के लिए समुदाय आधारित एवं सुविधा-केन्द्र आधारित दोनों कार्यनीतियों का उपयोग किया।

आहार परिपाटियों का प्रलेखन करने के लिए बेसलाइन इंटरवेन्शन-पूर्व मूल्यांकन किया गया। कार्यान्वयन में जमीनी स्तर पर क्षमता का निर्माण करना और ब्लॉक एवं जिला स्तर पर समर्थक तंत्र का निर्माण करना शामिल थे। इसे 48 स्थानीय स्नातक महिला 'परामर्शदाताओं (मेंटर)'– प्रत्येक छह ब्लॉक में आठ-के परिनियोजन के माध्यम से हासिल किया गया। इन 'मेंटरों' को आहार परिपाटियों पर परामर्श देने के ज्ञान एवं कौशल के साथ प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया था। उन्हें आगे आंगनवाड़ी वर्करों, आशा, दाई या उसी गांव से लिंक मदर में से 3-4 'ग्रामस्तरीय परामर्शदाताओं' की एक टीम को प्रशिक्षित करने के लिए भी कहा गया था जो 'मातृ सहयोग समूह' का निर्माण करते थे। उन्होंने स्तन्य आहार और पूरक आहार पर माताओं एवं परिवारों को शिक्षा देने के प्रयोजनार्थ अपने प्रशिक्षण के साथप्राप्त 'परामर्श गाइडों' का उपयोग किया। उन्होंने पर्चे और पोस्टर आदि जैसे आई.ई.सी. के तरीकों एवं सामग्री का भी इस्तेमाल किया। ग्रामस्तरीय परामर्शदाताओं ने आहारगत कठिनाइयों के संबंध में माताओं की सहायता की, और यदि वे किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर पाए तो उन्हें ब्लॉक स्तरीय परामर्श केन्द्र भेजा।

इंटरवेन्शन-उपरांत मूल्यांकन में चार आहार परिपाटियों, नामतः, दुग्धसम वाहिनी-पूर्व आहार का 44.4 प्रतिशत से कम होकर 28.3 प्रतिशत होना, जन्म के एक घंटे के भीतर स्तन्य आहार की शुरुआत करने में 39.2 प्रतिशत से 57.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी होना, प्रथम छह महीनों के लिए अनन्य आहार का 6.85 प्रतिशत से 24.9 प्रतिशत हो जाना और 6-9 महीनों के बीच जारी स्तन्य आहार के साथ सम्पूरक आहार दिए जाने का 4.6 प्रतिशत से 35.8 प्रतिशत हो जाना, में उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

97. प्रायोगिक परियोजना में किस शोध अभिकल्प (रिसर्च डिज़ाइन) का उपयोग किया गया था?

(a) वर्णनात्मक (b) अन्वेषणात्मक
(c) प्रायोगिक (d) सर्वेक्षण

Ans. (c) : प्रायोगिक परियोजना में प्रायोगिक शोध अभिकल्प ('रिसर्च डिज़ाइन') का उपयोग किया जाता है।

98. ग्रामस्तरीय वर्करों को प्रशिक्षित करने के लिए कुछ 'मेंटरों' को प्रशिक्षित करने का उपयोग करना क्या कहलाता है?

(a) परामर्श गाइड
(b) मातृ सहयोग समूह
(c) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
(d) ग्रामस्तरीय परामर्शदाता

Ans. (c) : ग्रामस्तरीय वर्करों को प्रशिक्षित करने के लिए कुछ 'मेंटरों' को प्रशिक्षित करने का प्रयोग प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कहलाता है।

99. शुरुआती पोषणगत इंटरवेन्शन पर कार्रवाई किया जाना क्यों महत्वपूर्ण था?

1. बाल उत्तरजीविता को बढ़ावा देने के लिए
2. बच्चों में कुपोषण कम करने के लिए
3. बाल आहार कार्यक्रमों के वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए
4. बच्चों में रुद्धविकास को कम करने के लिए
कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 2 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

Ans. (a) :
1. बाल उत्तरजीविता को बढ़ावा देने के लिए
2. बच्चों में कुपोषण कम करने के लिए
3. बच्चों में रुद्धविकास को कम करने के लिए

100. आई.वाई.सी.एफ. के सम्बंध में प्रमुख व्यवहारों के लिए बेसलाइन इंटरवेन्शन-पूर्व आंकड़ों को जानना क्यों महत्वपूर्ण था?

1. ज्ञान में हुई बढ़ोतरी का मापन करने के लिए
2. कौशलों में हुए परिवर्तन का आकलन करने के लिए
3. इंटरवेन्शन की प्राथमिकताओं को जानने के लिए
4. स्तन्य आहार के प्रति मनोवृत्तियों में बदलाव का आकलन करने के लिए
कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 3 और 4
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2 और 4

Ans. (d) :
1. ज्ञान में हुई बढ़ोतरी का मापन करने के लिए
2. कौशलों में हुए परिवर्तन का आकलन करने के लिए
3. स्तन्य आहार के प्रति मनोवृत्तियों में बदलाव का आकलन करने के लिए।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, नवम्बर-2017

गृह विज्ञान

(व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल)

1. आई.सी.एम.आर. (2010) द्वारा मध्यम श्रम श्रेणी की गर्भवती माता के लिए दी गई ऊर्जा की प्रस्तावित पौष्टिक आवश्यकता है :

(a) 2250 किलो कैलोरी
(b) 2320 किलो कैलोरी
(c) 2580 किलो कैलोरी
(d) 2850 किलो कैलोरी

Ans : (c) ऊर्जा (Energy) : शारीरिक श्रम करने के लिए हमें जिस शक्ति की आवश्यकता होती है उसे ऊर्जा कहते हैं। गर्भकाल के दौरान शरीर में ऊर्जा की माँग बढ़ जाती है क्योंकि गर्भवती स्त्री के गर्भ में शिशु का विकास हो रहा होता है। गर्भस्थ शिशु माता के शरीर से ही भोजन एवं सभी प्रकार के पौष्टिक तत्वों को ग्रहण करता है। अतः ICMR (2010) द्वारा मध्यम श्रेणी की गर्भवती माता को ऊर्जा की प्रस्तावित पौष्टिक आवश्यकता 2580 किलो कैलोरी तय की गयी है।

2. 'वसा में जल' प्रकार के इमल्शन का उदाहरण निम्न हैः

(a) मक्खन (b) दूध
(c) मैथोनीज (d) अंडे की जरदी

Ans : (a) वसा में जल प्रकार के इमल्शन का उदाहरण 'मक्खन' (Butter) है। दूध, दही या क्रीम को मथकर उसका वसा वाला भाग अलग कर मक्खन तैयार किया जाता है। मक्खन से घी निकाला जाता है। मक्खन की विशेष खुशबू उसमें उपस्थित 'ब्यूटाइरिक अम्ल' (Butyric Acid) की अधिकता के कारण होती है।

3. मील्स और व्हील्स' का मेन्यू यह होता है :

(a) स्थिर (b) चयनात्मक
(c) एकल उपयोग (d) गैर-चयनात्मक

Ans : (b) मील्स और व्हील्स को 'चयनात्मक मेन्यू' (Selective) कहते है। यह एक प्रकार का मेन्यू है जिसमें खाद्य पदार्थों का मूल्य उसमें अंकित होता है। जिसमें ग्राहक भूख की इच्छा और पैसे के अनुसार भोज्य पदार्थ आर्डर करता है। प्रत्येक व्यंजन अलग-अलग मूल्य का होता है इसे ए ला कार्ट मेन्यू (A La Carte Menu) भी कहते हैं।

4. निम्नलिखित में से कौन सा नील घुलनशील हैः

(a) अल्ट्रामरीन (b) इन्डीगो
(c) मीथलीन ब्लू (d) प्रशियन ब्लू

Ans : (c) मीथलीन ब्लू (Methylene blue) घुलनशील नील होता है।

5. निम्नलिखित तन्तुओं में से कौन से तन्तु की पुष्टि दूरबीन की जाँच से की जा सकती है?

(a) ऊन (b) रेशम
(c) नायलॉन (d) एक्रलिक

Ans : (a) सूक्ष्मदर्शी (Microscope-दूरबीन) से ऊनी रेशों के तन्तु की जाँच की जाती है। ऊनी रेशों की अनुप्रस्थ काट (Transverse Section) देखने पर इसमें 3 परतें स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती हैं ये परते हैं–

(1) वाह्य परत या क्यूटिकल- सुरक्षा प्रदान करती है। इस पर छोटी-छोटी पपड़ी के समान शल्के पायी जाती है।
(2) मध्य परत या कार्टेक्स- इसमें रंग वर्णक मेलनिन पाया जाता है।
(3) अन्तः परत या मेडमूला- निम्न श्रेणी के रेशों में यह परत सबसे ज्यादा विकसित रहता है।

6. मानवीय मूल्यों की सूची किसके द्वारा दी गई थी?

(a) डेनमान डब्ल्यू रॉस (b) ऐरनेस्ट ऐन्जल
(c) पारकर (d) पार्क और पार्क

Ans : (c) मानवीय मूल्यों (human Values) की सूची पारकर (Parkar) द्वारा दी गई थी।

7. मस्तिष्क के कॉर्टेक्स के दो गोलार्द्धों के कार्यों के विशिष्टीकरण को कहते हैंः

(a) लेटरेलाईजेशन (b) स्ट्रक्चरैलाईजेशन
(c) फंक्शनैलिजम (d) साइकोलॉजिकल ऑरगेनाइजेशन

Ans : (a) मस्तिष्क के कार्टेक्स के दो गालार्द्धों के कार्यों के विशिष्टीकरण को लेटरैलाईजेशन कहते हैं। मोननासिफेलान भाग मस्तिष्क के मध्य में स्थित होता है। यह 2 भागों सेरीब्रल पेन्डकल एवं कारपोराक्वार्डीजेमिना का बना होता है।
सेरीब्रल पेन्डकल यह तन्तुओं का बंडल होता है जो सेरीब्रल कार्टेक्स को मस्तिष्क के अन्य भागों तथा मेरूरज्जु से जोड़ता है।

8. यह चपटी कठपुतली, जिसे सफेद कपड़े के खिंचे हुए परदे के पीछे से रोशनी के साथ चलाया जाता है, क्या कहलाती है?

(a) दस्ताना कठपुतली (b) छड़ कठपुतली
(c) धागा कठपुतली (d) छाया कठपुतली

Ans : (d) 'छाया वाली कठपुतली' (Shadow Peppets) इसमें चादर का पर्दा लगाकर उस पर अप्रत्यक्ष प्रकाश डाला जाता है। पीछे से कठपुतली का खेल इस प्रकार दिखाया जाता है कि उनकी छाया चादर पर पड़े व दर्शकों को दिखाई दे।

9. संप्रेषण में संदेश भेजने वाले तथा संदेश प्राप्त करने वाले के बीच अगर 'अविश्वास' की भावना हो तो, वह किस प्रकार के संचार का अवरोधक होगा?

(a) यांत्रिक अवरोधक
(b) भाषा अवरोधक
(c) सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अवरोधक
(d) संस्थागत अवरोधक

Ans : (c) संप्रेषण में संदेश भेजने वाले तथा संदेश प्राप्त करने वाले के बीच अगर अविश्वास की भावना हो तो वह सामाजिक मनोवैज्ञानिक अवरोधक (socio-psychological barrier) होगा।

10. 'एस' आकार युक्त एक संचयी प्रतिशतता वक्र कहलाता है :

(a) सपाट ककुदी वक्र (b) तगंक ककुदी वक्र
(c) आपतचिन्ह (d) तोरण

Ans : (d) S आकार युक्त एक संचयी प्रतिशतता वक्र तोरण (Ogive) कहलाता है।

11. नियासिन की कमी से होने वाले लक्षण निम्न हैं:

(1) डायरिया (2) डरमैटाइटिस्
(3) क्रैटिनिजम (4) डिमैंशिया
(5) कॉइलोनिचिया

कूट :

(a) (1), (2) और (3) (b) (1), (2) और (4)
(c) (2), (3) और (4) (d) (2), (3) और (5)

Ans : (b) 'नियासिन' विटामिन B समूह का विटामिन है इसे निकोटिनिक अम्ल या विटामिन B_3 भी कहते हैं। नियासिन को पेलाग्रा विरोधक विटामिन भी कहते हैं। नियासिन की कमी से पेलाग्रा नामक रोग हो जाता है। पेलाग्रा को 3Ds रोग भी कहते हैं क्योंकि इसमें 3 लक्षण पाये जाते हैं जिसका प्रथम अक्षर 'D' होता है–
(1) अतिसार (Diarrhea)
(2) त्वचा का रोग, चर्म रोग (Derma titis)
(3) पागलपन (Dementia) आदि

12. निम्न खाद्य-पदार्थों में ग्लूटिन पाई जाती है:

(1) डबलरोटी (2) मूँगफली का मक्खन
(3) सफेद सॉस (4) वीयर
(5) बेसन

कूट :

(a) (1), (4), (5) (b) (1), (3), (4)
(b) (2), (3), (4) (d) (1), (2), (4)

Ans : (b) डबल रोटी, सफेद सॉस, बीयर आदि खाद्य-पदार्थों में ग्लूटिन पाई जाती है।

13. एक रेस्टोरेंट के अतिथि संबंध कार्यक्रम में निम्न होने चाहिए:

(1) ग्राहक की आवश्यकता का पूर्वानुमान करना
(2) गलती कभी न मानना
(3) सुपुर्दगी (डिलिवरी) के समय का उल्लेख नहीं करना
(4) सुखद एवं आश्वस्त शब्दों का प्रयोग करना
(5) ग्राहक के व्यवहार पर ध्यान देना

कूट:

(a) (1), (2), (4) (b) (1), (4), (5)
(c) (3), (4), (5) (d) (1), (2), (3)

Ans : (b) एक रेस्टोरेंट के अतिथि संबंध कार्यक्रम में निम्न है।
(1) ग्राहक की आवश्यकता का पूर्वानुमान करना
(4) सुखद एवं आश्वस्त शब्दों का प्रयोग करना
(5) ग्राहक के व्यवहार पर ध्यान देना

14. निम्नलिखित में से व्यक्तित्व की विशिष्टताएँ कौन सी हैं?

(a) निजी हस्ताक्षर
(b) फैशन शैली की अस्वीकृति
(c) बराबर के व्यक्तियों के साथ पहचान समूह का हिस्सा बनने की इच्छा
(d) अपनी सोच रखना

Ans : (c) व्यक्तित्व की विशिषताएँ
(a) निजी हस्ताक्षर
(b) फैशन शैली की अस्वीकृति
(d) अपनी सोच रखना

15. निम्नलिखित में से कौन से पत्ते की तन्तु हैं?

(1) कैपक (2) रैमी
(3) पिना (4) ऐबैका

कूट :

(a) (1) और (2) (b) (2) और (3)
(c) (3) और (4) (d) (1) और (4)

Ans : (c) पत्ते के तन्तु हैं–
(3) पिना
(4) ऐबैका

16. नीचे दिये गये उपकरणों में से मशीन संचालित उपकरणों की पहचान कीजिए :

(1) रेफ्रीजेरेटर (2) वाटर हीटर
(3) इन्डक्सन स्टोव (4) मिक्सर ग्राइन्डर

कूट :

(a) (1) और (3) (b) (2) और (3)
(c) (2) और (4) (d) (1) और (4)

Ans : (d) मशीन संचालित उपकरण हैं–
(1) रेफ्रीजेरेटर
(4) वाटर हीटर

17. निम्नलिखित अनुकूली व्यवहार का उदय, 8-12 महीने के 'सेनसरीमोटर' काल के दौरान उप्पल होता है, जैसा कि पिचाजे द्वारा प्रतिपादित किया गया:

(1) लक्ष्य निर्देशन व्यवहार (2) आब्जेक्ट परमानेंस
(3) विचार कर करना (4) आस्थगित अनुकरण

कूट :

(a) (1), (2), (3) (b) (1), (2), (4)
(c) (1), (3), (4) (d) (1), (3), (4)

Ans : (a) अनुकूलनी व्यवहार का उदय 8-12 महीने के सेनसरीमोटर काल के दौरान उप्पल (Occur) होता है।
जैसा कि पियाजे द्वारा प्रतिपादित
(1) लक्ष्य निर्देशन व्यवहार
(2) आब्जेक्ट परमानेंस
(3) विचार कर करना

18. बहुमुखीय विकास के लिए, विस्तारण मानव संसाधनों का विकास करता है, जो कि निम्न हैं:

(1) जानकारी प्रदान करना
(2) तकनीकी में बदलाव लाना

(3) कौशल विकास
(4) व्यवहार में वांछनीय बदलाव लाना

कूट :

(a) (1), (2) और (2) (b) (2), (3) और (4)
(c) (1), (3) और (4) (d) (1), (2) और (4)

Ans : (c) बहुमुखीय विकास के लिए विस्तारण मानक संसाधनों का विकास करता है जो कि निम्न है-
(1) जानकारी प्रदान करना
(3) कौशल विकास
(4) व्यवहार में वांछनीय बदलाव लाना

19. अमौखिक संप्रेषण के पहलू निम्नलिखित हैं:

(1) शारीरिक हाव-भाव (2) चेहरे के भाव
(3) मुद्रा (4) शक्तिशाली पुनरावृत्ति

कूट :

(a) (1), (2) और (3) (b) (2), (3) और (4)
(c) (1), (2) और (4) (d) (1), (3) और (4)

Ans : (a) अमौखिक संप्रेषण के पहलू हैं–
(1) शारीरिक हाव-भाव
(2) चेहरे के भाव
(3) मुद्रा

20. मान-विटनी जॉच, एक जाँच है :

(1) दो स्वतंत्र प्रतिदर्श के बीच विभिन्नता की
(2) मापों का उपयोग एक क्रमसूचक मापनी पर
(3) प्रसरण के समकालपक्वता की मान्यताओं की पर्याप्तता
(4) छोटे प्रतिदर्श आमाप

कूट :

(a) (1), (2), (3) (b) (1), (3), (4)
(c) (1), (2), (4) (d) (2), (3), (4)

Ans : (c) मान-बिटनी जाँच एक जाँच है।
(1) दो स्वतंत्र प्रतिदर्श के बीच विभिन्नता की
(2) मापो का उपयोग एक क्रमसूचक मापनी पर
(4) छोटे प्रतिदर्श आमाप

21. अभिकथन (A) : जिन खाद्य-पदार्थों में अमाईलोज की मात्रा अधिक होती है उनका ग्लाईसिमिक इन्टैक्स कम होता है।

कारण (R) : अमाईलीज का पाचन शीघ्रता से होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(c) (A) सही है और (R) गलत हैं
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans : (c) (A) सही है और (R) गलत है।

22. अभिकथन (A) : आहार में ओटस् और उससे बने पदार्थ सम्मिलित करने से जनता में हृदय रोग होने की संभावना कम हो जाती है।

कारण (R) : बीटा-ग्लूकॉन 'लिपिड़-प्रोफाईल' को सामान्य रखने में सहायक है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(c) (A) सही है और (R) गलत हैं
(d) (A) गलत है और (R) सही है

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही

23. अभिकथन (A) : स्मोरगैसबोर्ड बड़ी सर्विस टेबल पर सजावटी रूप से भोजन प्रदर्शित करने के लिए साधन प्रदान करता है

कारण (R) : यह आमतौर पर फूड-कोर्ट और कैफेटेरिया में प्रयोग किया जाता है।

कूट :

(a) (A) सही है और (R) गलत हैं
(b) (A) गलत है और (R) सही है
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं
(d) (A) और (R) दोनों गलत है

Ans : (a) (A) सही है और (R) गलत है

24. अभिकथन (A) : अपलाईड डिजाइन परिधान की सतह संवर्धन है।

कारण (R) : टक्स और प्लेट लगाना अपलाईड डिजाइन के उदाहरण हैं।

कूट :

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं
(b) दोनों (A) और (R) गलत हैं
(c) (A) गलत है लेकिन (R) सही हैं
(d) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

Ans : (d) अपलाईड डिजाइन परिधान की सतह संवर्धन है। टक्स और प्लेट लगाने से वस्त्रों में फैलाव तथा वस्त्रों की सुन्दरता बढ़ जाती है।

25. अभिकथन (A) : कम ऐंठन वाले धागों से बने कपड़ों की देखभाल ग्राहकों के लिए सरल होती है।

कारण (R) : कम ऐंठन वाले धागे से गंदगी जल्दी छूट जाती है क्योंकि उनके तन्तुओं के बीच में गंदगी की जमने की जगह कम होती है।

कूट :

(a) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(b) (A) गलत है लेकिन (R) सही हैं
(c) दोनों (A) और (R) गलत हैं
(d) दोनों (A) और (R) सही हैं

Ans : (c) दोनों (A) और (R) गलत है। कम ऐंठन से मोटे धागे का निर्माण होता है। अतः ऐसे धागे से बने वस्त्र कमजोर होते हैं क्योंकि ऐंठन द्वारा रेशे आपस में सटकर तथा बँधकर धागे को मजबूती प्रदान करते हैं।

26. अभिकथन (A) : उन्नत रंग का उलटा धूमिल रंग है

कारण (R) : वह रंग जो लाल के पास होते हैं, वे धूमिल होते हैं और जो नीले के पास होते हैं, वे उन्नत होते हैं।

कूट :

(a) (A) सही है, (R) गलत हैं
(b) (A) गलत है, (R) सही है

(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं

(d) (A) और (R) दोनों सही है

Ans : (a) (A) सही (R) गलत है।

27. अभिकथन (A) : आई. क्यू. बौद्धिक योग्यता का मापदंड है जो जन्मजात होता है और उम्र के साथ बदलता नहीं है।

कारण (R) : किशोरावस्था में पहुँचने पर शिशुओं के टेस्ट स्कोर में मामूली बदलाव ही दिखाई देते हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं

(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत हैं

(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

Ans : (b) आई.क्यू. बेसिक योग्यता का मापदंड जन्मदाता है। ज्यों-जयों बालक की शारीरिक अवस्था में वृद्धि होती जाती है बिना मानसिक योग्यता को निरन्तर एवं लगभग एक समान गति से पूर्ण परिपक्वता तक विकसित होने वाली योग्यता मानते हैं।

28. अभिकथन (A) : विधि प्रदर्शन, कौशल सिखाने की वह प्रक्रिया है, जिसके प्रयोग से, परिणामों को बेहतर करना सुनिश्चित किया जा सकता है

कारण (R) : इस प्रक्रिया का मूल है लोगों की ऐसी कलाएँ सिखाई जायें, जिनके द्वारा वे कार्य करने के लिए उत्तेजित हों तथा अक्षमताओं से छुटकारा पा सकें।

कूट :

(a) (A) सही है और (R) गलत हैं

(b) (A) गलत है और (R) सही है

(c) (A) और (R) दोनों सही हैं

(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं

Ans : (c) (A) और (R) दोनों सही है।

29. अभिकथन (A) : पारस्परिक क्षमता का निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है।

कारण (R) : इसमें लोगों की प्रतिक्रियाओं और भावनाओं को पढ़ना शामिल है, जिन्हें वह भले ही शब्दों में व्यक्त न करे।

कूट :

(a) (A) सही है और (R) गलत हैं

(b) (A) गलत है और (R) सही है

(c) (A) और (R) दोनों सही हैं

(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं

Ans : (c) (A) और (R) दोनों सही है

30. अभिकथन (A) : 'r' का निरपेक्ष मान प्रतिनिधित्व करता है, प्राप्तांक के युग्मों के बीच के एक रैखिक सहसम्बन्धों की डिग्री का, यद्यपि इसका अर्थ इससे अधिक जटिल है।

कारण (R) : एक सहसम्बन्ध गुणांक, 0.50 सहगुणन को सूचित नहीं करता है, ना ही 0.50 का सहसंबंध प्रदर्शित करता है क्योंकि वह 0.25 का दुगुना सहसंबंध है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं

(b) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans : (a) (A) तथा (R) दोनों सही है।

31. निम्न खाद्य पदार्थों को प्रति 100 ग्राम खाद्य-पदार्थ से प्राप्त होने वाली लोहे की मात्रा के आधार पर बढ़ते हुए क्रम में लगाएँः

(1) सोयाबीन का आटा (2) पालक

(3) बाजरा (4) मूँगफली

(5) गुड़

कूट :

(a) (2), (4), (5), (3), (1)

(b) (5), (2), (3), (4), (1)

(c) (2), (4), (5), (1), (3)

(d) (2), (5), (3), (4), (1)

Ans : (a) उपरोक्त प्रश्न में लोहे की मात्रा के आधार पर बढ़ता क्रम है–

(2) पालक (Spinach)

(4) मूँगफली (Grouhdnut)

(5) गुड़ (Jaggery)

(3) बाजरा (Bajra)

(1) सोयाबीन का आटा

32. सिट्रीक एसिड वक्र में आने वाले चरणों को सही क्रम से लगाएँ :

(1) सक्सीनेट (2) ऑक्सैलो एसीटेट

(3) साइट्रेट (4) एसिटाईल को-ए

(5) फ्यूमरेट (6) अल्फा-कोटो ग्लूटरेट

कूट :

(a) (3), (2), (5), (1), (4), (6)

(b) (4), (3), (6), (1), (5), (2)

(c) (4), (6), (3), (5), (1), (2)

(d) (3), (4), (6), (5), (1), (2)

Ans : (b) सिट्रीक एसिड चक्र में आने वाले चरणों का सही क्रम है–

(4) एसिटाईल को -ए (Acetyl Co A)

(3) साइट्रेट (Citrate)

(6) अल्फा-कीटो ग्लूटरेट (α - Keto Glutrate)

(1) सक्सीनेट (Succinate)

(5) फ्यूमरेट

(2) ऑक्जेलो एसीटेट (Oxalo acetate)

33. कौमीसरी प्रणाली में खाद्य उत्पादन के चरणों को सही क्रम में लगाएँः

(1) तेजी से ठंडा करना

(2) उत्पादन

(3) भाग करना

(4) कच्चे माल को रेफ्रिजरेट करना

(5) पुनः गरम करना

(6) ठंडी स्थिति में रखना

(7) परोसना

कूट :

(a) (1), (3), (4), (5), (2), (6), (7)

(b) (4), (2), (1), (3), (6), (5), (7)

(c) (4), (1), (2), (3), (6), (5), (7)

(d) (4), (2), (1), (3), (6), (7), (5)

Ans : (b) कौमीसरी प्रणाली में खाद्य उत्पादन के चरणों का सही क्रम है–

(4) कच्चे माल को रेफ्रिजरेट करना
(2) उत्पादन
(1) तेजी से ठंडा करना
(3) भाग करना
(4) ठंडी स्थिति में रखना
(5) पुनः गरम करना
(7) परोसना

34. पट्टे वाली पफ बाजू को तैयार करने और उसे वस्त्र में लगाने का सही क्रम दीजिए :

(1) कैप रेखा पर चुन्नट डालना
(2) बाजू की सीवन को सिलना
(3) पट्टे को पूरा करना
(4) पट्टे को समतल करना
(5) बाजू के निचले भाग (लोअर अन्डर आर्म) पर चुन्नट डालना
(6) पट्टे को लगाना
(7) बाजू की आर्म होल में लगाना

कूट :

(a) (5), (6), (4), (2), (3), (1), (7)
(b) (5), (1), (7), (6), (2), (3), (4)
(c) (6), (2), (3), (4), (5), (1), (7)
(d) (1), (2), (3), (4), (6), (7), (5)

Ans : (a) पट्टे वाली पफ बाजू को तैयार करने और उसे वस्त्र में लगाने का सही क्रम

(5) बाजू के निचले भाग (लोअर अन्डर आर्म) पर चुन्नट डालना
(6) पट्टे को लगाना
(4) पट्टे को समतल करना
(2) बाजू की सीवन को सिलना
(3) पट्टे को पूरा करना
(1) कैप रेखा पर चुन्नट डालना
(7) बाजू को आर्म होल में लगाना

35. लिनन तन्तु को बनाने का सही क्रम दीजिएः

(1) हैकलिंग (2) स्कचिंग
(3) हारवैस्टिंग (4) ब्रेकिंग
(5) रैटिंग

कूट :

(a) (3), (5), (4), (2), (1)
(b) (3), (5), (1), (2), (4)
(c) (1), (2), (3), (4), (5)
(d) (2), (4), (5), (1), (3)

Ans : (a) लिनन तन्तु बनाने का सही क्रम

(3) हारवेस्टिंग (Harvesting)
(5) रैटिंग (Retting)
(4) ब्रेकिंग (Breaking)
(2) स्कचिंग (Scutching)
(1) हैकलिंग (Hackling)

36. संप्रेषण में अंतर व्यक्ति दूरी को निम्नस्तर से अधिकतम के अनुरूप व्यवस्थित करेंः

(a) समाजिक (b) व्यक्तिक
(c) सार्वजनिक (d) घनिष्ट

कूट :

(a) (1), (2), (4), (3)
(b) (1), (2), (3), (4)
(c) (4), (2), (1), (3)
(d) (4), (1), (2), (3)

Ans : (c) उपरोक्त प्रश्न का व्यवस्था क्रम है–

(4) घनिष्ट
(2) व्यक्तिक
(1) सामाजिक
(3) सार्वजनिक

37. मनोविश्लेषणात्मक (साइकोएनेलेटिक) दृष्टिकोण पर आधारित विशेषताओं के विकास को क्रम में लगायेंः

(1) चूसने की क्रियाएँ
(2) जननेन्द्रिय उद्दीपन
(3) प्रसाधन संबंधी क्रियाएँ
(4) सामाजिक मूल्यों को ग्रहण करना
(5) यौनिक आवेग

कूट :

(a) (1), (2), (3), (4), (5)
(b) (1), (2), (4), (3), (5)
(c) (1), (3), (2), (4), (5)
(d) (1), (3), (4), (2), (5)

Ans : (c) उपरोक्त प्रश्न का व्यवस्था क्रम है–

(1) चुसने की क्रियाएं
(3) प्रसाधन सम्बन्धी क्रियाएं
(2) जननेन्द्रिय उद्दीपन
(4) सामाजिक मूल्यों को ग्रहण करना
(5) यौनिक आवेग

38. सीखने की प्रक्रिया में निहित बौद्धिक क्षमताओं को नीचे से ऊपर के क्रम में लगाएँः

(1) विश्लेषण करना (2) मूल्यांकन करना
(3) याद करना (4) प्रयोग करना
(5) सृजन करना (6) समझना

कूट :

(a) (1), (2), (3), (4), (5), (6)
(b) (2), (3), (4), (5), (6), (1)
(c) (3), (6), (4), (1), (2), (5)
(d) (3), (4), (6), (2), (1), (5)

Ans : (c) सीखने की प्रक्रिया में निहित बौद्धिक क्षमताओं को नीचे से ऊपर की ओर का क्रम-

(3) याद करना (Remembering)
(6) समझना (Understanding)
(4) प्रयोग करना (Applying)
(1) विश्लेषण करना (Analysing)
(5) सृजन करना (Creating)
(5) मूल्यांकन करना

39. ब्रूस टकमैन द्वारा दिए गए 'समूह निर्माण' के विभिन्न चरणों को क्रम से लगाएँ:

(1) मत्त-भिन्नता (2) प्रदर्शित करना
(3) मानदड स्थापित करना (4) बनाना
(5) अलग होना

कूट :
(a) (1), (2), (3), (4), (5)
(b) (2), (3), (4), (5), (1)
(c) (3), (2), (5), (4), (1)
(d) (4), (1), (3), (2), (5)

Ans : (b) ब्रूस टकमैन द्वारा दिये गये 'समूह निर्माण' के विभिन्न चरणों का क्रम
(2) बनाना
(3) मत्त-भिन्नता
(4) मानदंड स्थापित करना
(5) प्रदर्शित करना
(1) अलग करना

40. अनुपालन प्रक्रिया के परीक्षण करने को सटीक क्रम में लगाएँ:

(1) एक यादृच्छिक नमूना टिप्पणियों की आबादी से तैयार किया जाता है, और नमूना आंकड़ा प्राप्त होता है।
(2) विचाराधीन आंकड़ों के यादृच्छिक नमूनाकरण के वितरण की जाँच करने के लिए जॉच की जाती है कि नल परिकल्पना सही होने पर नमूना परिणाम क्या होगा?
(3) एक विशिष्ट परिकल्पना, शून्य परिकल्पना, एक वैकल्पिक परिकल्पना के साथ आबादी के एक पैरामीटर के बारे में तैयार की जाती है।
(4) नल परिकल्पना को बरकरार रखा जाता है। अगर उम्मीदवार के परिणामों के अनुरूप होने वाले नमूने का नतीजा अगर परिकल्पना सही है, अन्यथा, इसे अस्वीकार कर दिया जाता है।

कूट :
(a) (3), (2), (1), (4)
(b) (1), (3), (4), (2)
(c) (3), (1), (2), (4)
(d) (1), (2), (3), (4)

Ans : (c) अनुपालन प्रक्रिया के परीक्षण करने का सटीक क्रम
(1) एक विशिष्ट परिकल्पना, शून्य एक वैकल्पिक परिकल्पना के साथ आबादी को एक पैरामीटर के बारे में तैयार की जाती है।
(2) एक यादृच्छिक नमूना टिप्पणियों को आबादी से तैयार किया जाता है और नमूना आँकड़ा प्राप्त होता है।
(3) विचाराधीन आंकड़ों के यादृच्छिक नमूनाकरण के वितरण की जाँच करने के लिए जाँच की जाती है कि नल पकिल्पना सही होने पर नमूना परिणाम क्या होगा
(4) नल परिकल्पना को बराबर रखा जाता है अगर उम्मीदवार के परिणामों के अनुरूप होने वाले नमूने का नतीजा अगर परिकल्पना सही है अन्यथा इसे अस्वीकार कर दिया जाता है।

41. सूची-I में दिए गए पोषक तत्त्वों को सूची-II में दिए गए उनकी कमी से होने वाले लक्षणों से मिलाएँ:

सूची-I	सूची-II
(A) साइनोकोबाल अमीन	(i) टैटनी
(B) धायामीन	(ii) पीटिचयल हैमोरेज
(C) ॲस्कार्बिक एसिड	(iii) परनीशियस अनीमीया
(D) आयरन	(iv) हाईपोग्यूसिया
(E) जिंक	(v) माँस-पेशियों में कमजोरी
	(vi) हाइपोक्रोमिक माइक्रोसिकटिक अनीमीया
	(vii) क्रैटिनिजम

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(iii)	(i)	(vii)	(vi)	(iv)
(b)	(vi)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(vi)	(vii)
(d)	(iii)	(v)	(ii)	(vi)	(iv)

Ans : (d)

सूची-I		सूची-II
(A) साइनोकोबालअमीन	-	परनीशियसअनीमीया
(B) थायामीन	-	माँस-पेशियों में कमजोरी
(C) ॲस्कार्बिक एसिड	-	पिटिचियल हैमोरेज
(D) आयरन	-	हाइपोक्रमिक माइक्रोसिटिक अनीमीया
(E) जिंक	-	हाइपोग्यूरिया

42. सूची-I में दी गई बीमारियों को सूची II में दिए गए उनके लक्षणों से मिलाएँ:

सूची-I	सूची-II
(A) मधुमेह	(i) पायरस् पैचिस्
(B) क्रानिक रीनल फेलियर	(ii) अधिक मात्रा में, पीला और दुर्गन्ध वाला मल
(C) इन्फैक्टिव हैपेटाइटिस	(iii) पोरटल हाईपरटैन्शन
(D) टायफाइड	(iv) भूख न लगना और गहरे रंग का पेशाब होना
(E) सीलियक	(v) यूरीमिया और ऐज़ोटीमिया
	(vi) पॉलीयूरिया और पॉलीडिप्सिया

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(vi)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(v)	(iv)	(vi)	(iii)
(c)	(vi)	(i)	(v)	(ii)	(iii)
(d)	(vi)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

Ans : (a)

सूची I	सूची II
(A) मधुमेह	- पॉलीयूरिया और पॉलीडिप्सिया
(B) क्रानिक रीनल फेलिमर	- यूनीमिया और ऐजोठीमिया
(C) इन्फैक्टिव हैपेटाइसिस	- भूख न लगना और गहरे रंग का पेशाब होना
(D) टायफाइड	- पायरस पेचिस
(E) सीलियक रोग	- पोरटल हाईपरटैन्शन

43. सूची-I में दिए गए संक्षिप्त पदों की सूची-II में दिए कार्यान्वित करने वाले पदों से सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
(A) जे.आई.टी	(i) खरीददारी
(B) जी.एम.पी.	(ii) सर्विस (परोसना)
(C) बी.पी.ए.	(iii) प्रबंधन
(D) बी.ई.पी.	(iv) खाद्य सुरक्षा
(E) सी.सी.पी.	(v) उत्पादन
(F) के.ओ.टी.	(vi) लेखांकन
	(vii) प्रशिक्षण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)
(a)	(i)	(iii)	(vi)	(vii)	(iv)	(ii)
(b)	(vii)	(ii)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(c)	(iii)	(v)	(i)	(vi)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(vi)	(vii)	(i)	(iii)	(v)

Ans : (c)

सूची I	सूची II
(A) जे.आई.टी.	- प्रबंधन
(B) जी.एम.पी.	- उत्पादन
(C) बी.पी.ए.	- खरीदारी
(D) बी.ई.पी.	- लेखांकन
(E) सी.सी.पी.	- खाद्य सुरक्षा
(F) के.ओ.टी.	- सर्विस (परोसना)

44. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दिए गए उनके वर्णन से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) बी-स्मोक	(i) अधिक कीमत वाले स्टाईल की नकल
(B) ग्रेट-अ-पोरटर	(ii) मौलिक डिजाइन का कम कीमत वाला अनुवाद
(C) अवन्त-गार्ड	(iii) बने बनाए कपड़े
(D) टोइल	(iv) गैर रूढ़िवादी फैशन
	(v) ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सिला हुआ

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans : (b)

सूची I	सूची II
(A) बी.स्पोक	- ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सिला हुआ
(B) प्रेट-अ-पोरटर	- बने बनाए कपड़े
(C) अवन्त गार्ड	- गैर रूढ़िवादी फैशन
(D) टोइल	- मौलिक डिजाइन का कम कीमत वाला अनुवाद

45. सूची-I में दिए गए कपड़ों का मिलान सूची-II में दिए उनके वर्णन से कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) बर्डस आई	(i) फन्दे वाला कपड़ा
(B) बैंगलीन	(ii) डीबी बुनाई का कपड़ा
(C) ब्रोकेड	(iii) रिबड कपड़ा
(D) बन्टींग	(iv) जैकर्ड बुनाई का कपड़ा
	(v) सादी बुनाई का कपड़ा

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(v)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (a)

सूची-I	सूची-II
(a) बर्डस आई	- डौबी बुनाई का कपड़ा
(b) बैंगलीन	- रिबड़ कपड़ा
(c) ब्रोकेड	- जैकेट बुनाई का कपड़ा
(d) बन्टींग	- सादी बुनाई का कपड़ा

46. सूची-I में दिए गए मदों का मिलान सूची-II में दिए गए मदों से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) सब्जी काटना	(i) इम्फेसिस
(B) केन्द्र बिन्दु	(ii) हारमोनी
(C) एकता	(iii) प्रोपोरसन
(D) गोल्डन ऑबलॉंग	(iv) सेन्टर ऑफ ग्रेवीटी
	(v) जियोमेट्री

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(v)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(v)

Ans : (a)

सूची-I	सूची-II
(A) सब्जी काटना	- सेन्टर ऑफ ग्रेवीटी
(B) केन्द्र बिन्दु	- इम्फेसिस
(C) एकता	- हारमोनी
(D) गोल्डन ऑबलॉंग	- प्रोपोसन

47. सूची-I में दिए गए अवधि का मिलान सूची-II में दिए गए विकास से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) फीड्स की अवधि	(i) शरीर आकार ग्रहण करता है
(B) युग्मज की अवधि	(ii) बाह्य जननेंद्रिय का निर्माण हो जाता है
(C) नवजात काल	(iii) संरक्षण (कनसरवेसन)
(D) एम्ब्रियो की अवधि	(iv) रूटिंग प्रतिवर्त
	(v) रोपित

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(v)	(iv)	(i)
(b)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Ans : (a)

सूची-I	सूची-II
(A) फीड्स की अवधि	- बाह्य जननेंद्रिय का निर्माण होता है
(B) युग्मज की अवधि	- रोपित
(C) नवजात काल	- रूटिंग प्रतिवर्त
(D) एम्ब्रियो की अवधि	- शरीर आकार ग्रहण करता है

48. सूची-I में दिए गए विकास संचार के अधिगमों को सूची-II में दी गई उनकी व्याख्या के साथ सुमेलित करें:

सूची-I	सूची-II
(A) समुदाय संगठन	(i) द्विमार्गीय संप्रेषण
(B) पारस्परिक संप्रेषण	(ii) लोगों तथा सहायकों को प्रेरित करना
(C) सामाजिक विपणन	(iii) मुद्दे के लिए जन-विचारों को सुनिश्चित करना
(D) पक्ष-समर्थन बढ़ावा देना	(iv) सामाजिक उद्देश्यों को
	(v) संस्थाओं को बढ़ावा देना

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(v)	(ii)

Ans : (d)

सूची-I	सूची-II
(A) समुदाय संगठन	- लोगों तथा सहायकों को प्रेरित करना
(B) पारस्परिक संप्रेषण	- द्विमार्गीय संप्रेषण
(C) सामाजिक विपणन	- सामाजिक उद्देश्यों को बढ़ावा देना
(D) पक्ष-समर्थन	- मुद्दे के लिए जन-विचारों को सुनिश्चित करना

49. सूची-I में दिए गए प्रस्तावकों के नाम को उनके द्वारा प्रस्तावित संकल्पना के साथ सुमेलित करें:

सूची-I	सूची-II
(A) अरस्तू	(i) नवविचार की व्याप्ति
(B) एवरेट रोजर्स	(ii) भागीदारिता से सीखना और करना
(C) विल्बर श्रैम	(iii) राजनैतिक प्रचार व्यवस्था
(D) रॉबर्ट चैंबर्स	(iv) संदेशक एवं प्राप्तकर्ता के अनुभव क्षेत्र
	(v) भाषण देने की कला

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(v)	(iii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(v)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(i)	(iv)	(ii)

Ans : (4)

सूची-I	सूची-II
(A) अरस्तु	- भाषण देने की कला
(B) एवरेट रोजर्स	- नवविचार की व्याप्ति
(C) विल्वर श्रैम	- संदेशक एवं प्राप्तकर्ता के अनुभव क्षेत्र
(D) रॉबर्ट चैंबर्स	- भागीदारिता से सीखना और करना

50. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दिए गए अवधारणाओं के साथ करें :

सूची-I	सूची-II
(A) टाइप I एरर	(i) द्विचर बंटन
(B) मुख्य प्रवृत्ति	(ii) गलत 'नल हाइपोथेसिस' की अस्वीकृति
(C) सहसंबंध	(iii) मापी गई घटक
(D) स्वतंत्र चर	(iv) सही 'नल हाइपोथेसिस' को अस्वीकार करने की संभावना
(E) जाँच की शक्ति	(v) मध्यिका
	(vi) गलत 'नल हाइपोथेसिस' की अस्वीकार करने की संभावना
	(vii) अन्वेशक द्वारा चर में हेरफेर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(ii)	(i)	(v)	(vii)	(vi)
(b)	(iv)	(v)	(i)	(iii)	(vi)
(c)	(ii)	(v)	(i)	(iii)	(vi)
(d)	(iv)	(v)	(i)	(vii)	(vi)

Ans : (d)

सूची-I	सूची-II
(A) टाइप I एरर	- सही 'नल हाइपोथेसिस' की अस्वीकृति
(B) मुख्य प्रवृत्ति	- मध्यिका
(C) सहसंबन्ध	- द्विचर बंटन
(D) स्वतंत्र चर	- अन्वेशक द्वारा चर में हेर-फेर
(E) जॉच की शक्ति	- गलत नल हाइपोथेसिस को अस्वीकार करने की संभावना

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, नवम्बर-2017

गृह विज्ञान

(व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल)

1. आई.सी.एम.आर. 2010 के अनुसार एक 10 वर्षीय लड़के के लिए विटामिन 'ए' की दैनिक प्रस्तावित मात्रा हैः

(a) 400 माइक्रोग्राम रैटीनाल
(b) 350 माइक्रोग्राम रैटीनाल
(c) 600 माइक्रोग्राम रैटीनाल
(d) 950 माइक्रोग्राम रैटीनाल

Ans. (c) : ICMR (2010) के अनुसार एक 10 वर्षीय लड़के के लिए विटामिन A की दैनिक प्रस्तावित मात्रा 600 माइक्रोग्राम रैटीनाल है। विटामिन A का रासायनिक नाम रेटिनॉल है। विटामिन A प्राणिज भोज्य पदार्थो में पाया जाता है। वनस्पतिज भोज्य पदार्थो में कैरोटिनायड्स होता है जो शरीर में जाकर विटामिन में परिवर्तित हो जाता है। विटामिन A की कमी से रतौंधी (Night Blindness), फाइनोडर्मा आदि रोग हो जाते है।

2. निम्न में चीनी क्रिस्टलीकरण होता हैः

(a) छैना मुरकी (b) मूँगफली की चिक्की
(c) अमरूद की जैली (d) नींबू का स्कवाश

Ans. (a) : चीनी का क्रिस्टलीकरण (Crystallization) छैना मुरकी (Chenna Murki) में होता है।

3. क्लीयर तरल आहार में निम्न खाद्य-पदार्थ नहीं दिए जाने चाहिएः

(a) बिना दूध की चाय (b) दूध
(c) नारियल पानी (d) कार्बोनेटिड पेय पदार्थ

Ans. (b) : क्लीयर (Clear) तरह आहार में दूध नामक खाद्य-पदार्थ को नही देना चाहिए।

4. शीघ्र सेवा रेस्तरां अपने मेन्यू की पौष्टिकता इस पर बताते हैंः

(a) मेन्यू कार्ड (b) प्रदर्शन बोर्ड
(c) वेबसाइट (d) ई-मेल

Ans. (c) : शीघ्र सेवा रेस्तरां (restaurants) अपने मेन्यू की पौष्टिकता वेबसाइट पर बताते है ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्राहको को जानकारी दे सके।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा सिलाई मशीन का फीड मेक-ऑन्-इज्म् नहीं है?

(a) ड्रोप फीड (b) डिफरैन्सियल बाटम् फीड
(c) यूनीसन फीड (d) स्पूल फीड

Ans. (a) : ड्रोय फीड (Drop feed) सिलाई मशीन का फीड मेक-ऑन-इज्म् नही है।

6. रंगते वक्त नमक इसलिए डालते हैंः

(a) अवशोषण करना (b) रंग-शून्य करना
(c) घोलने के लिए (d) ऊपर के सभी

Ans. (b) : वस्त्र को रंगते समय नमक को इसलिए डालते है कि नमक रंग को शून्य कर देता है।

7. तीव्र गतियुक्त उपभोक्तावादी वस्तु, जिसे उपभोग किया गया तथा तीव्र गति से पुनर्स्थापित किया गया, उसके लिए अमेरिका की अभिव्यक्ति चिन्हित करेंः

(a) ऑरेन्ज गूड्स (b) ब्राउन गूड्स
(c) वाइट गूड्स (d) रेड गूड्स

Ans. (d) : तीव्र गतियुक्त उपभोक्तावादी वस्तु जिसे उपभोग किया गया तथा तीव्र गति से पुनस्थापित किया गया उसके लिए अमेरिका की अभिव्यक्ति चिन्ह रेड गुड (Red goods) है।

8. समय तथा गति अध्ययन की कौन-सी तकनीक दोनों हाथों के हलचल पर विचार करती है?

(a) पाथवे चार्ट (b) ऑपरेशन चार्ट
(c) प्रोसेस चार्ट (d) क्रोमोसाइक्लोग्राफी

Ans. (b) : समय तथा गति अध्ययन की तकनीक दोनो हाथो के हलचल पर ऑपरेशन चार्ट पर विचार करती है। आपरेशन चार्ट प्रोसेस चार्ट के समान ही होता है केवल इसमें यह भिन्नता होती है कि इसमें पूर्व क्रिया के केवल एक विशिष्ट चरण का अध्ययन किया जाता है और इसमें दोनों हाथों की क्रिया का अध्ययन पृथक-पृथक किया जाता है। छोटा वृत्त अर्थात् भुजाओं की गति बड़ा वृत्त उँगुलियों की गति को दर्शाता है। त्रिभुज भुजा और उगुलियाँ दोनों का आलस्य दर्शाता है।

9. 'एक समय में पैदा हुए लोग विशेष ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थितियों से प्रभावित होते हैं', इसे कहते हैः

(a) क्लिक प्रभाव (b) सहवास
(c) कोनटेक्सटूऐलेटी (d) पलटन प्रभाव (कोहार्ट)

Ans. (d) : एक समय में पैदा हुए लोग विशेष ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थितियों से प्रभावित होते है इसे पलटन प्रभाव (Cohort effect) कहते है।

10. एक बच्चे को पालन करने वाली शैली जो स्वीकृति और भागीदारी में उच्च है, तर्क के साथ पक्के नियंत्रण पर जोर देती है। उसे कहा जाता हैः

(a) अथौरिटैटिव शैली (b) अथौरिटेरियन शैली
(c) परमिसिव शैली (d) इनवोल्वड शैली

Ans. (a) : एक बच्चे को पालन करने वाली शैली जो स्वीकृति और भागीदारी में उच्च है, तर्क के साथ पक्के नियंत्रण पर जोर देती है उसे अथौरिटैटिव शैली (Authoritative style) कहते हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन सा, जनसंचार में पुष्टि प्रदान नहीं करता?

(a) संपादक को पत्र लिखना
(b) प्रसारण के दौरान फोन करना
(c) मुख्य समाचार
(d) टी.आर.पी.

Ans. (a) : संपादक को पत्र लिखना जनसंचार में पुष्टि प्रदान (Feedback in mass Communication) नहीं करता है।

12. एक एक्सटेंशन कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए एक परस्पर संवादात्मक पी.एल.ए. उपकरणः

(a) समाजमिति (b) मौसमी आरेखन
(c) तितर-बितर आरेखन (d) अनुक्रमण

Ans. (b) : एक एक्सटेंशन कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए एक परस्पर संवादात्मक का उपकरण मौसमी आरेखन (Seasonal digramming) के लिए प्रयोग होता है।

13. भारतवर्ष में पोषण सम्बन्धी निगरानी के लिए आँकड़े निम्नलिखित संस्थाएँ देती हैंः

(A) एन.एफ.एच.एस. (B) सी.पी.डब्ल्यू.डी.
(C) एन.एस.एस.ओ. (D) एफ.एस.एस.ए.आई.
(E) सी.बी.एच.आई.

कूटः

(a) (A), (B), (C) (b) (A), (C), (E)
(c) (C), (D), (E) (d) (B), (C), (E)

Ans. (b) : भारत वर्ष में पोषण सम्बन्धी निगरानी के लिए आँकड़े संस्थाएँ देती है
(A) एन.एफ.एच.एस. (NFHS)
(C) एन.एस.एस.ओ. (NSSO)
(E) सी.बी.एच.आई. (CBHI)

14. आहार आंकलन के लिए निम्न में से कौन-सी पूर्वप्रभावी विधियाँ है?

(A) 24 घन्टे अनुस्मरण विधि
(B) डुप्लिकेट नमूना विधि
(C) भोजन आवृत्ति प्रश्नावली
(D) खाद्य-वजन विधि
(E) भोजन बैलेंस शीट

कूटः

(a) (A), (B), (C) (b) (A), (C), (E)
(c) (B), (C), (D) (d) (A), (C), (D)

Ans. (b) : आहार आंकलन के लिए पूर्वप्रभावी विधियाँ
(A) 24 घन्टे अनुस्मरण विधि
(B) भोजन आवृत्ति प्रश्नावली
(C) भोजन बैलेंस शीट

15. शरीर में निम्न कार्यों को बनाए रखने के लिए एस्कार्बिक एसिड अनिवार्य हैः

(A) कोलोजन गठन
(B) को-एन्जाइम का कार्य करता है
(C) रक्त का जमना
(D) एंटीऑक्सीडेंट का कार्य करता है
(E) रिड्यूसिंग कारक का कार्य करता है

कूटः

(a) (A), (B), (D) (b) (A), (D), (E)
(c) (B), (C), (E) (d) (C), (D), (E)

Ans. (b) : शरीर में निम्न कार्यों को बनाए रखने के लिए एस्कार्बिक एसिड अनिवार्य है–
(A) कोलोजन गठन
(D) एंटीऑक्सीडेंट का कार्य करता है।
(E) रिड्यूसिंग कारक का कार्य करता है।

16. 'मेटाबोलिक-सिन्ड्रोम' के निदान में निम्नलिखित मानदंड हैंः

(A) एच.डी.एल. कोलेस्टेराल की मात्रा 60 मि.ग्रा./100 मि.लि. सीरम से अधिक होना
(B) सीरम में ट्राईग्लिसराईडस् की मात्रा 150 मि.ग्रा./ 100 मि.लि. से अधिक होना
(C) महिलाओं में कमर की परिधि 80 से.मी. से अधिक होना
(D) फास्टिंग रक्त में शूगर की मात्रा 100 मि.ग्रा./100 मि.लि. से कम होना
(E) बी.एम.आई.23 किलो/मी^{2} से अधिक होना

कूटः

(a) (A), (B) और (E) (b) (B), (D) और (E)
(c) (B), (C) और (E) (d) (A), (C) और (E)

Ans. (b) : मेटाबोलिक- सिन्ड्रोम के निदान के मानदंड
(B) सीरम में ट्राईग्लिसराईडस् की मात्रा 150 मि. ग्रा./ 100 मि.लि. से अधिक होना
(D) फास्टिंग रक्त में शूगर की मात्रा 100 मि. ग्रा./100 मि.लि. से कम होना
(E) बी.एम.आई. (BMI) 23 kg/m^2 अधिक होना

17. उत्पादन कार्यस्थल में पाए जाने वाले उपकरण हैंः

(A) ग्रिडल
(B) चारब्रौइलर
(C) पोरशन स्केल
(D) डेक ओवन
(E) रेफ्रिजरेटर
(F) क्लॉमबेल कुकर

कूटः

(a) (A), (B), (C), (D) (b) (C), (D), (E), (F)
(c) (A), (B), (D), (F) (d) (A), (C), (D), (F)

Ans. (c) : उत्पादन कार्य स्थल में पाये जाने वाले उपकरण
(A) ग्रिडल (Griddle)
(B) चारब्रोइलर (Chorbroeler)
(D) डेक ओवन (Deck oven)
(F) क्लॉमबेल कुकर (Clombell Cooker)

18. **समस्या हल करने के लिए कुछ आवश्यक साधन हैं:**
(A) पैरेटो चार्ट
(B) चैक शीट
(C) लाभ और हानि विवरण
(D) कारण और प्रभाव आरेख
(E) मानकीकृत रेसेपी
(F) प्रोसेस चार्ट
कूटः
(a) (A), (B), (D), (E) (b) (B), (C), (D), (E)
(c) (A), (B), (D), (F) (d) (B), (E), (A), (C)

Ans. (c) : समस्या हल करने के लिए कुछ आवश्यक साधन
(A) पैरेटो चार्ट
(B) चैक शीट
(D) कारण और प्रभाव आरेख
(F) प्रोसेस चार्ट

19. **निम्नलिखित में से कौन-से तन्तु लचकदार हैं?**
(A) नियोप्रीन
(B) स्पैन्डैक्स
(C) सिसल
(D) लायोसैल
कूटः
(a) (A), (B) (b) (B), (C)
(c) (C), (D) (d) (D), (A)

Ans. (a) : लचकदार तन्तु इस प्रकार से है
(A) नियोप्रीन
(B) स्पैन्डैक्स

20. **किनसे स्ट्रक्चरल जैमिंग पक्कर को रोक दिया जा सकता है-**
(A) चैन टाकें के प्रयोग से
(B) मोटे धागे के प्रयोग से
(C) पतले धागे के प्रयोग से
(D) लॉक टाकें के प्रयोग से
(E) सीवन को पक्का करने से
कूटः
(a) (A), (B), (C) (b) (A), (C), (E)
(c) (C), (D), (E) (d) (B), (C), (D)

Ans. (b) : स्ट्रक्चरल जैमिंग पक्कर को रोका जा सकता है–
(A) चैन टाकें के प्रयोग से
(C) पतले धागे के प्रयोग से
(E) सीवन को पक्का करने से

21. **प्लाज्मा टेक्नोलॉजी वस्त्रों में निम्नलिखित गुणों का अनुकूलन करती है:**
(A) प्रवाह में वृद्धि
(B) हाइड्रोफोबिक
(C) यू.वी. संरक्षण
(D) लौ से बचाये
कूटः
(a) (A), (B), (C) (b) (B), (C), (D)
(c) (A), (C), (D) (d) (A), (B), (D)

Ans. (b) : प्लाज्मा टेक्नोलॉजी वस्त्रो में निम्न गुणों का अनुकूलन करती है–
(B) हाइड्रोफोबिक
(C) यू.वी. (UV) संरक्षण
(D) लौ से बचाये

22. **ऐर्गोनोमिक्स के फायदे में समाहित है:**
(A) सुरक्षित रोजगार
(B) कार्यक्षमता तथा उत्पादकता में वृद्धि
(C) दक्ष वित्तीय प्रबंधन
(D) कम से कम चोट लगना
कूटः
(a) (A), (B), (C) (b) (A), (B), (D)
(c) (B), (C), (D) (d) (A), (C), (D)

Ans. (b) : ऐर्गोनोमिक्स के फायदे में समाहित है–
(A) सुरक्षित रोजगार
(B) कार्यक्षमता तथा उत्पादकता में वृद्धि
(D) कम से कम चोट लगना

23. **प्रबंधन में योजना की क्रिया:**
(A) व्यक्तिगत निर्णय समाहित करती है
(B) भविष्योन्मुख होती है
(C) प्राप्त लक्ष्यों के विश्लेषण पर आधारित होती है
(D) सम्पूर्ण रूप से क्रिया या कार्य को देखती है
कूटः
(a) (B) और (D) (b) (A) और (B)
(c) (C) और (D) (d) (B) और (C)

Ans. (a) : प्रबंधन में योजना की क्रिया
(A) भविष्योन्मुख होती है।
(B) सम्पूर्ण रूप से क्रिया कार्य को देखती है।

24. **कार्य अवस्था में सुधार हेतु भूमिका अदा करने वाले तत्वों की पहचान करें:**
(A) पर्याप्त रोशनी
(B) गुड हाउसकीपिंग
(C) व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण
(D) 150 डी.बी. तक आवाज
कूटः
(a) (A), (B) और (D) (b) (B), (C) और (D)
(c) (A), (C) और (D) (d) (A), (B) और (C)

Ans. (d) : कार्य अवस्था में सुधार हेतु भूमिका अदा करने वाले तत्व इस प्रकार हैं–
(A) पर्याप्त रोशनी
(B) गुड हाउसकीपिंग
(C) व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण

25. देर वयस्कता के दौरान घटते सामाजिक संपर्क के दो मुख्य दृष्टिकोण हैंः

(A) डिसइंगेजमैन्ट सिद्धान्त

(B) टिलीऔलोजी सिद्धान्त

(C) एक्टीविटी सिद्धान्त

(D) सोशियोबायोजिकल सिद्धान्त

कूटः

(a) (A) और (B) (b) (A) और (C)

(c) (A) और (D) (d) (B) और (C)

Ans. (b) : देर वयस्कता के दौरान घटते सामाजिक सम्पर्क के दो मुख्य दृष्टिकोण।
(A) डिसंइगेजमैन्ट सिद्धान्त
(C) एक्टीविटी सिद्धान्त

26. प्री ओपरेशनल चरण में बच्चों की सोच की विशेषता पियरजे के अुनसार हैः

(A) सैन्ट्रेशन

(B) इररिवरसीबिलीटी

(C) कनजरवैशन

(D) इगोसेन्ट्रीज्म

कूटः

(a) (A), (B), (C) (b) (A), (C), (D)

(c) (A), (B), (D) (d) (B), (C), (D)

Ans. (c) : पियरजे के अनुसार प्री ओपरेशन चरण में बच्चों की सोच की विशेषता है–
(A) सैन्ट्रेशन
(B) इररिवरसीबिलीटी
(D) इगोसेन्ट्रीज्म

27. विद्यार्थी काल के दौरान याददाश्त योजना को संग्रहित तथा धारित करने के लिए:

(A) दोहराना (रिहर्सल)

(B) व्यवस्थित करना (ऑरगनाईजेशन)

(C) बात-चीत (कॉनफेबुलेशन)

(D) विस्तार (ऐलेबोरेशन)

कूटः

(a) (A), (B), (C) (b) (A), (B), (D)

(c) (A), (C), (D) (d) (B), (C), (D)

Ans. (b) : विद्यार्थी काल के दौरान याददाश्त योजना को संगृहित तथा धारित करने के लिए आवश्यक है–
(A) दोहराना (रिहर्सल) (Rehearsal)
(B) व्यवस्थित करना (ऑरगनाईजेशन)
(D) विस्तार (एलेबोरेशन) (Elaboration)

28. संप्रेषण में अभाषीय भाषा का प्रयोग करने के महत्वपूर्ण पहलूः

(A) मौखिक अभिव्यक्ति

(B) बैठने की व्यवस्था

(C) कलाकृतियों का प्रयोग

(D) रंगों का प्रयोग

कूटः

(a) (A), (B) और (C) (b) (B), (C) और (D)

(c) (A), (C) और (D) (d) (A), (B) और (D)

Ans. (b) : संप्रेषण में अभाषीय भाषा का प्रयोग करने के महत्वपूर्ण पहलू
(B) बैठने की व्यवस्था
(C) कलाकृतियों का प्रयोग
(D) रंगो का प्रयोग

29. उद्यमीशीलता के विकास से जुड़ी समस्याओं को निम्नलिखित ज्ञानक्षेत्रों में पहचाना जा सकता हैः

(A) कच्चे माल की खरीद

(B) उत्पादों का विपणन

(C) उद्‌गम देश

(D) पूँजी का उपार्जन

कूटः

(a) (A), (B) और (C) (b) (B), (C) और (D)

(c) (A), (C) और (D) (d) (A), (B) और (D)

Ans. (d) : उद्यमशीलता के विकास से जुड़ी समस्याओं को निम्नलिखित ज्ञानक्षेत्रों में पहचाना जा सकता है–
(A) कच्चे माल की वृद्धि
(B) उत्पादों का विपणन
(C) पूँजी का उपार्जन

30. नेताओं की पहचान करने के लिए इस्तेमाल विधियाँ हैंः

(A) समाजमीतिय सितारे

(B) जानकारी का दर्जा

(C) सामाजिक भागीदारी

(D) आर्थिक स्थिति

कूटः

(a) (A), (B) और (C) (b) (B), (C) और (D)

(c) (A), (B) और (D) (d) (A), (C) और (D)

Ans. (a) : नेताओ की पहचान करने के लिए इस्तेमाल विधियाँ–
(a) समाजतीय सितारे
(b) जानकारी का दर्जा
(c) सामाजिक भागीदारी

31. अभिकथन (A): खाद्य-पदार्थों को आर्द्र ताप पाक क्रिया, जैसे उबालने, से उसका ग्लाईसिमिक प्रभाव बढ़ जाता है।

कारण (R): आर्द्र ताप से खाद्य-पदार्थों के कण छोटे हो जाते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।

(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

(c) (A) सही है और (R) गलत है।

(d) (A) गलत है और (R) सही है।

Ans. (a) : खाद्य-पदार्थों को आर्द ताप पाक क्रिया जैसे उबालने से उनका ग्लाईसिक प्रभाव बढ़ जाता है। क्योंकि आर्द्र ताप से खाद्य-पदार्थो के कण छोटे हो जाते है।

32. अभिकथन (A): पुरानी गुर्दे की विफलता वाले रोगियों के लिए प्रोटीन और सोडियम समृद्ध आहार देने की सिफारिश की जाती है।

कारण (R): पुरानी गुर्दे की विफलता वाले रोगी यूरीमिया और ऍडिमा जैसे लक्षण प्रदर्शित करते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

Ans. (d) : पुरानी गुर्दे की विफलता वाले रोगियों के लिए प्रोटीन और सोडियम समृद्ध आहार नहीं देना चाहिए क्योंकि प्रोटीन और सोडियम से पुरानी गुर्दे की विफलता वाले रोगी में यूरीमिया और ऐंडिमा (सूजन) बीमारी हो जाती है।

33. अभिकथन (A): स्वाद उत्प्रेरक पदार्थो का प्रयोग खाद्य-पदार्थों का स्वाद बढ़ाने में प्रयोग किया जाता है।

कारण (R): वे अपने स्वयं के विशिष्ट स्वाद को जोड़कर स्वाद बढ़ाने की अपनी कार्यवाही करते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है परन्तु (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : स्वाद उत्प्रेरक पदार्थो का प्रयोग खाद्य-पदार्थो का स्वाद बढ़ाने में प्रयोग किया जाता है। क्योंकि वे अपने स्वयं के विशिष्ट स्वाद को जोड़कर स्वाद बढ़ाने की अपनी कार्यवाही करते है।

34. अभिकथन (A): प्रीबॉयोटिक्स गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के कार्य को विनियमित करने में सहायता करते हैं।

कारण (R): प्रीबॉयोटिक्स कोलन में किण्वित होते हैं, जहाँ वे स्वस्थ बैक्टीरिया की वृद्धि और गतिविधि को प्रोत्साहित करते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही है।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

Ans. (a) : प्रीबायोटिक्स गैस्ट्रोइंटरेस्टाइनल के कार्य को विनियमित करने में सहायता करते हैं क्योंकि प्रोबायोटिक्स कोलन में किण्वित होते हैं, जहाँ वे स्वस्थ बैक्टीरिया की वृद्धि और गतिविधि को प्रोत्साहित करते हैं।

35. अभिकथन (A): बी.ए.आर.एस. आम तौर पर प्रदर्शन मूल्यांकन का सबसे अच्छा और सबसे प्रभावी साधन माना जाता है।

कारण (R): इस विधि का लाभ यह है कि इसके स्केल उपयोग करने के लिए आसान हैं और सभी पर लागू होते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत है।
(c) (A) गलत है और (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (a) : बी.ए.आर.एस. आम (BARS) आम तौर पर प्रदर्शन मूल्यांकन का सबसे अच्छा और सबसे प्रभावी साधन माना जाता है। क्योंकि इस विधि का लाभ यह है कि इसके स्केल उपयोग करने के लिए आसान है और सभी पर लागू होते है।

36. अभिकथन (A): पानी प्रतिकर्षी परिसज्जा एक ऐसे कपड़े का उत्पादन करती है जो उसे गीला होने व उसमें पानी के प्रवेश का विरोध करती है।

कारण (R): पानी प्रतिकर्षी कपड़ों पर रबड़ की परत होती है इसलिए उनके पहनने वाले कपड़े आरामदायक नहीं होते।

कूटः

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं।
(b) दोनों (A) और (R) गलत हैं।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

Ans. (a) : पानी प्रतिकर्षी परिसज्जा एक ऐसे कपड़े का उत्पादन करती है जो उसे गीला होने एवं उसमें पानी के प्रवेश का विरोध करती है। पानी प्रतिकर्षी कपड़ों पर रबड़ की परत होती है इसलिए उनके पहनने वाले कपड़े आरामदायक नहीं होते हैं।

37. अभिकथन (A): डिसपर्स रंग ट्रांस्फर छपाई में नहीं प्रयोग किए जा सकते।

कारण (R): ऊँचे ताप पर, गर्म करने पर डिसपर्स रंग उदात नहीं होते।

कूटः

(a) दोनों (A) व (R) गलत हैं।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

Ans. (b) : डिसपर्स रंग ट्रांस्फर छपाई में नही प्रयोग किये जा सकते क्योंकि उच्च ताप पर गर्म करने पर डिसपर्स रंग उदात नहीं होते।

38. अभिकथन (A): सेट पाइंट वाली सिलाई मशीन की सुइंया सिलाई से बुने कपड़ों के लिए प्रयोग की जाती है।

कारण (R): सेट पाइंट में कम एंठन बल तथा बुनाई यार्न में घुसने और उनको तोड़ने की प्रवृत्ति कम है।

कूटः

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं।
(b) दोनों (A) और (R) गलत हैं।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

Ans. (c) : सेंट पाइंट वाली सिलाई मशीन की सुइआ सिलाई से बुने कपड़ो के लिए प्रयोग की जाती है। (R) गलत है।

39. अभिकथन (A): एक परिवार का बजट विभिन्न मदों के तहत खर्चों का विवरण लिखने का तरीका है।

कारण (R): यह परिवार को उनके आय के अन्दर रहने में मददगार होता है।

कूटः

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, (R) सही है।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही है।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : एक परिवार का बजट विभिन्न मदो के तहत खर्चों का विवरण लिखने का तरीका है। यह परिवार को उनके आय सीमा के अन्दर रहने में मददगार होता है।

40. अभिकथन (A): एक परिवार के इकोसिस्टम के दृष्टिकोण में, जो कि एक सिस्टम के प्रभाव क्षेत्र को एक अन्य व्यवस्था के प्रभाव क्षेत्र से अलग करता है, बाउन्ड्री के रूप में जाना जाता है।

कारण (R): व्यवस्थाओं के बीच एक सामान्य या भागीदार बाउन्ड्री को इन्टरफेस कहा जाता है।

कूटः

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : एक परिवार के इकोसिस्टम के दृष्टिकोण में जो कि एक सिस्टम के प्रभाव क्षेत्र को एक अन्य व्यवस्था के प्रभाव क्षेत्र से अलग करता है बाउन्ड्री के रूप में जाना जाता है। व्यवस्थाओ के बीच सामान्य या भागीदार बाउन्ड्री को इन्टरफेस कहा जाता है।

41. अभिकथन (A): बच्चे अपने जोड़ीदार के साथ सामाजिक संलग्नता प्रदर्शित कर रहे है, क्योंकि वे पहले से अधिक समय खेलने में व्यतित करने लगे हैं।

कारण (R): कम्प्यूटर तथा स्मार्ट फोन ने वास्तविक दोस्तों तक पहुँच में वृद्धि की है।

कूटः

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) तथा (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

Ans. (a) : बच्चे अपने जोड़ीदार के साथ अधिक सामाजिक संलग्नता प्रदर्शित कर रहे है क्योंकि वे पहले से अधिक समय खेलने में व्यतित करने लगे है। कम्प्यूटर तथा स्मार्ट फोन ने वास्तविक दोस्तों तक पहुँच में वृद्धि की है।

42. अभिकथन (A): एक प्रवृत्ति के रूप में 'एकलता' पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है।

कारण (R): महिलाओं में उच्च श्रेणी वाली नौकरियाँ, देर से विवाह और तलाक की बढ़ी हुई दर ने एकलता में योगदान दिया है।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही है।
(b) (A) और (R) दोनों गलत है।
(c) (A) सही है (R) और गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

Ans. (a) : एक प्रवृत्ति के रूप में 'एकलता' पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है क्योंकि महिलाओं में उच्च श्रेणी वाली नौकरियाँ देर से विवाह और तलाक की बढ़ी हुई दर ने एकलता में योगदान दिया है।

43. अभिकथन (A): क्षेत्रीय-दौरा, लोगों को प्रेरित करने का तरीका है जिसमें उन्हें नई विधि को, क्षेत्र में अपनाए जाने के फायदों के बारे में जानकारी दी जाती है।

कारण (R): यह नए अभ्यास के बारे में शक, अंधविश्वास और प्रतिकूल व्यवहार को दूर करने में मदद करता है।

कूटः

(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

Ans. (b) : क्षेत्रीय-दौरा, लोगों को प्रेरित करने का तरीका है जिसमें उन्हे नई विधि को क्षेत्र में अपनाए जाने के फायदों के बारे में जानकारी दी जाती है। क्योंकि इसमें नए अभ्यास के बारे में जानकारी दी जाती है।

44. अभिकथन (A): अंतरायिकृत संचार दो लोगों के बीच होता है।

कारण (R): जब भी हम मूल्यांकन करते हैं और आंतरिक और बाह्य उत्तेजनाओं पर प्रतिक्रिया करते हैं, तब अंतरायिकृत संचार होता है।

कूटः

(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही है।
(c) (A) और (R) दोनों सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : अतंरायिकृत संचार दो लोगों के बीच होता है जब भी हम मूल्यांकन करते है और आंतरिक और बाह्य उत्तेजनाओ पर प्रतिक्रिया करते है तब अंतरायिकृत संचार होता है।

45. अभिकथन (A): लिंग समाज का एक निश्चित निर्माण है।

कारण (R): लिंग समय या संस्कृति में बदलाव के साथ नहीं बदलता।

कूटः

(a) (A) सही है और (R) गलत है।
(b) (A) गलत है और (R) सही है।

(c) (A) और (R) दोनों सही है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

Ans. (c) : लिंग समाज का एक निश्चित निर्माण है। लिंग समय या संस्कृति में बदलाव के साथ नहीं बदलता।

46. लीवर सीरोसिस के रोगी में लक्षणों की प्रगति को सही क्रम में लगाएँ:

(A) पीलिया
(B) लौह-तत्व की कमी से होने वाला अनीमिया
(C) पाचन संस्थान में रक्तस्राव
(D) ईसीफेज़ियल वैरिसिस्
(E) जी मिचलाना, उल्टी और भूख न लगना
(F) एँडिमा और एसाईटिस्

कूटः

(a) (A), (B), (C), (E), (D), (F)
(b) (E), (A), (B), (D), (C), (F)
(c) (E), (A), (F), (C), (D), (B)
(d) (A), (E), (C), (F), (D), (B)

Ans. (c) : लीवर सीरोसिस के रोगी में लक्षणों की प्रगति को सही क्रम से
(E) जी मिचलाना, उल्टी और भूख न लगना
(A) पीलिया
(F) एंडिमा और एसाईटिस
(C) पाचन संस्थान में रक्त स्राव
(D) ईसीफेजियल वैरिसिस
(B) लौह तत्व की कमी से होने वाला अनीमिया

47. दूध के पाउडर के उत्पादन में आने वाली प्रक्रियाओं को सही क्रम में लगाएँ:

(A) पास्च्यूराईज़ेशन
(B) इवैपोरेशन
(C) मिलिंग
(D) पैकिंग
(E) क्लैरीफिकेशन
(F) वसा को अलग करना
(G) रोलर-ड्राईंग

कूटः

(a) (C), (B), (A), (G), (E), (F), (D)
(b) (A), (C), (G), (F), (E), (B), (D)
(c) (B), (G), (E), (C), (A), (D), (F)
(d) (E), (F), (A), (B), (G), (C), (D)

Ans. (d) : दूध पाउडर के उत्पादन में आने वाले प्रक्रियाओं को सही क्रम में-
(E) क्लैरीफिकेशन (Clarification)
(F) वसा को अलग करना
(A) पास्च्यूराईजेशन (Pasteurization)
(B) इवैपोरेशन (Evaporation)
(G) रोलर-ड्राईग (Roller drying)
(C) मिलिंग (Milling)
(D) पैंकिग (Packing)

48. किशोर लड़कियों के पोषण संबंधी स्थिति के मूल्यांकन के लिए एक अनुसंधान प्रस्ताव की योजना को सही क्रम में लगाएँ:

(A) पोषण संबंधी स्थिति मूल्यांकन के लिए पैरामीटर का चयन करना
(B) चयनित मापदँडों का आकलन करने के लिए उपकरणों की तैयारी और सत्यापन
(C) लक्ष्यों को निर्धारित करना और उद्देश्यों की सूची बनाना
(D) उपकरणों के प्रयोग से आँकड़े एकत्रित करना
(E) परिणाम का विवेचन और निष्कर्ष
(F) किशोर लड़कियों के अनियमित और प्रतिनिधि नमूनों का चयन करना
(G) आँकड़ों का विश्लेषण

कूटः

(a) (F), (A), (C), (B), (E), (D), (G)
(b) (C), (A), (B), (F), (D), (E), (G)
(c) (C), (F), (A), (B), (D), (G), (E)
(d) (F), (C), (D), (B), (A), (G), (E)

Ans. (c) : किशोर लड़कियों के पोषण संबन्धी स्थिति के मूल्यांकन के लिए एक अनुसाधन प्रस्ताव की योजना का सही क्रम है–
(C) लक्ष्यों को निर्धारित करना और उद्देश्यो की सूची बनाना
(F) किशोर लड़कियो के अनियमित और प्रतिनिधि नमूनों का चयन करना
(A) पोषण सम्बन्धी स्थिति के मूल्यांकन के लिए पैरामीटर का चयन करना
(B) चयनित मापदंडो का आकलन करने के लिए उपकरणों की तैयारी और सत्यापन
(D) उपकरणों के प्रयोग से आँकड़े एकत्रित करता है।
(G) आँकड़ों का विश्लेषण
(E) परिणाम का विवेचन और निष्कर्ष

49. आई.सी.डी.एस. प्रोग्राम के निम्न कार्यकर्त्ताओं को उसके बढ़ते हुए अधिकारों के क्रम में लगाएँ:

(A) मुख्य सेविका
(B) जिला प्रोग्राम अधिकारी
(C) बालविकास प्रोजैक्ट अधिकारी
(D) आँगनवाड़ी सहायिका
(E) आँगनवाड़ी कार्यकर्ता

कूटः

(a) (A), (D), (E), (B), (C)
(b) (D), (E), (A), (C), (B)
(c) (B), (C), (A), (E), (D)
(d) (C), (D), (E), (A), (B)

Ans. (b) : आई. सी. डी. एस. प्रोग्राम के कार्यकर्ताओं के अधिकारों के बढ़ते क्रम के अनुसार सूची–
(D) आँगनवाड़ी सहायिका
(E) ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्ता
(A) मुख्य सेविका
(C) बालविकास प्रोजैक्ट अधिकारी
(B) जिला प्रोग्राम अधिकारी

50. **एक उन्मुखीकरण (ओरिएनटेशन) कार्यक्रम के चरणों को सही क्रम में लगाएँः**

(A) यूनिट से परिचय
(B) नीतियों और अभ्यासों की समीक्षा
(C) संस्था से परिचय
(D) रोजगार दस्तावेजों को पूरा करना
(E) सहकर्मियों से परिचय
(F) नियोक्ताओं की अपेक्षा की समीक्षा
(G) कार्य से परिचय

कूटः

(a) (C), (B), (A), (D), (G), (F), (E)
(b) (C), (A), (F), (G), (E), (B), (D)
(c) (C), (B), (D), (F), (E), (A), (G)
(d) (B), (D), (A), (E), (C), (F), (G)

Ans. (c) : एक उन्मुखीकरण (ओरिएनटेशन) क्रार्यक्रम के चरणों का सही क्रम है–
(C) संस्था से परिचय
(B) नीतियों और अभ्यासों की समीक्षा
(D) रोजगार दस्तावेजों को पूरा करना
(F) नियोक्ताओं की अपेक्षा की समीक्षा
(E) सहकर्मियों से परिचय
(A) यूनिट से परिचय
(G) कार्य से परिचय

51. **पारंपरिक रींग कताई की क्रिया का सही क्रम दीजिएः**

(A) उठाना
(B) कंघी करना
(C) खोलना, साफ करना और सम्मिश्रण
(D) कार्डिंग
(E) कताई
(F) रोविंग
(G) ड्राइंग और ड्राफटिंग

कूटः

(a) (B), (C), (A), (E), (D), (F), (G)
(b) (G), (F), (A), (C), (B), (D), (E)
(c) (C), (A), (D), (B), (G), (F), (E)
(d) (C), (B), (D), (E), (F), (G), (A)

Ans. (c) : पारंपरिक रींग कताई की क्रिया का सही क्रम है–
(C) खोलना, साफ करना और सम्मिश्रण
(A) उठाना (Picking)
(D) कार्डिंग (Carding)
(B) कंघी करना
(G) ड्राइंग और ड्राफ्टिंग (Draing and Drafting)
(F) रोविंग (Roving)
(E) कताई (Spinning)

52. **कलमकारी बनाने का सही क्रम दीजिएः**

(A) धोना
(B) फिटकिरी उपचार
(C) प्राकृतिक विरंजन
(D) छपाई
(E) मायरोबलम उपचार
(F) चित्र बनाना
(G) धोना और उबालना

कूटः

(a) (C), (E), (D), (G), (F), (B), (A)
(b) (C), (E), (G), (D), (B), (F), (A)
(c) (A), (B), (C), (D), (E), (F), (G)
(d) (B), (C), (D), (E), (F), (G), (A)

Ans. (a) : कलमकारी बनाने का सही क्रम
(C) प्राकृतिक विरंजन
(E) मायरोबलम उपचार
(D) छपाई (Printing)
(G) धोना और उबालना
(F) चित्र बनाना (Painting)
(B) फिटकिरी उपचार
(A) धोना (Washing)

53. **समस्या सामधान सोपान में शामिल पदों को उचित क्रम में व्यवस्थित कीजिएः**

(A) उपयुक्त सूचना प्राप्त करना
(B) उत्तम क्रम का चुनाव करना
(C) क्रिया के उचित क्रम को स्थापित करना
(D) समस्या का पहचान करना

कूटः

(a) (D), (A), (C), (B)
(b) (A), (B), (C), (D)
(c) (B), (A), (C), (D)
(d) (D), (C), (B), (A)

Ans. (a) : समस्या समाधान सोपन में शामिल पदो का उचित क्रम।
(D) समस्या का पहचान करना
(A) उपयुक्त सूचना प्राप्त करना
(C) क्रिया को उचित क्रम को स्थापित करना
(B) उत्तम क्रम का चुनाव करना

54. **'सिस्टम एप्रोच टू मैनेजमेन्ट' में शामिल पदों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिएः**

(A) आऊटपुट
(B) फीडबैक
(C) इनपुट
(D) थ्रूपूट

कूटः

(a) (A), (B), (C), (D)
(b) (B), (A), (C), (D)
(c) (C), (D), (A), (B)
(d) (C), (D), (B), (A)

Ans. (c) : सिस्टम एप्रोच टू मैनेजमेन्ट में शामिल पदो का सही क्रम-
(C) इनपुट (input)
(D) थ्रुपुट (Throuyhput)
(A) आऊटपुट (Output)
(B) फीड बैक (Feedback)

55. उपरोक्त पदों को समय योजना में उचित क्रम में व्यवस्थित कीजिएः

(A) समयानुक्रम में निर्धारित
(B) सभी मदों को लचीले तथा अनम्य कार्यों के समूह के तहत सूचीबद्ध करें
(C) संतुलन में जरूरी सम्पूर्ण प्राकलित समय तथा सम्पूर्ण उपलब्ध समय को साथ लगाये
(D) योजना को लिखें
(E) प्रत्येक कार्य प्राप्त करने के लिए सही-सही अनुमान करें

कूटः

(a) (C), (D), (B), (A), (E)
(b) (E), (A), (C), (B), (D)
(c) (B), (E), (C), (A), (D)
(d) (D), (C), (E), (B), (A)

Ans. (c) : उपरोक्त पदो को समय योजना में उचित क्रम में
(B) सभी मदो को लचीले तथा अनम्य कार्यो समूह के तहत सूचीबद्ध करे
(E) प्रत्येक कार्य प्राप्त करने के लिए सही-सही क्रम अनुमान करे
(C) संतुलन में जरूरी सम्पूर्ण प्राकलित समय तथा सम्पूर्ण उपलब्ध समय को साथ लगाये
(A) समयानुक्रम में निर्धारण
(D) योजना को लिखें

56. दिये गये विधान को उनके क्रियान्वयन के आधार पर पूर्व से नवीन की ओर क्रम में व्यवस्थित कीजिएः

(A) पी.ओ.सी.एस.ओ. अधिनियम
(B) आर.टी.ई. अधिनियम
(C) आर.पी.डी. अधिनियम
(D) जी.ए.डब्लू.ए.

कूटः

(a) (D), (B), (C), (A)
(b) (B), (D), (A), (C)
(c) (B), (D), (C), (A)
(d) (D), (B), (A), (C)

Ans. (d) : दिये गये विधान को उनको क्रियान्वयन के आधार पर पूर्व से नवीन की ओर क्रम
(1) आर. टी. ई. अधिनियम (RTE) Act
(2) जी. ए. डब्लू. ए. (GAWA)
(3) पी. ओ. सी. एस. ओ. अधिनियम (POCSO)
(4) आर. पी. डी. अधिनियम (RPD)

57. शै द्वारा दिए गए मानसिक गतिविधि के लक्ष्यों को क्रम के अनुसार व्यवस्थित करेंः

(A) जिम्मेदारी चरण
(B) कार्यकारी चरण
(C) अधिमानी चरण
(D) पुनर्योजी चरण
(E) मंच को प्राप्त करना

कूटः

(a) (C), (E), (A), (B), (D)
(b) (C), (E), (B), (A), (D)
(c) (C), (B), (E), (D), (A)
(d) (E), (C), (A), (B), (D)

Ans. (d) : शै द्वारा दिये गये मानसिक गतिविधि के लक्ष्यों का सही क्रम-
(E) अधिमानी चरण
(C) मंच प्राप्त करना
(A) जिम्मेदारी चरण
(B) कार्यकारी चरण
(D) पुनर्योजी चरण

58. बच्चों से संबंधित दार्शनिक/ ऐतिहासिक सोच को शुरुआत से अंत तक क्रम में लगाएंः

(A) प्रामाणिक अवधि
(B) टाबुला रासा
(C) नोबल सैवेज
(D) पर्फामेंशनिज्म
(E) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

कूटः

(a) (D), (B), (C), (A), (E)
(b) (D), (C), (B), (A), (E)
(c) (B), (D), (C), (A), (E)
(d) (A), (B), (C), (D), (E)

Ans. (c) : बच्चो से सम्बन्धित दार्शनिक/ ऐतिहासिक सोच को शुरूआत अंत तक क्रम।
(B) टाबुला रासा (Tabula rasa)
(D) पर्फार्मेशनिज्म (Perfarmationism)
(C) नोबल सैवेज (Noble Savage)
(A) प्रामाणिक अवधि (Narmativc Period)
(E) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य (Psychoanalytic Parspective)

59. श्रैम द्वारा संचार की प्रक्रिया के पहले मॉडल के अनुसार, चरणों को व्यवस्थित कीजिएः

(A) स्त्रोत
(B) संकेत
(C) एनकोडर
(D) डीकोडर
(E) गंतव्य

कूटः

(a) (A), (B), (C), (D), (E)
(b) (A), (C), (B), (D), (E)
(c) (A), (D), (C), (B), (E)
(d) (A), (D), (C), (E), (B)

Ans. (b) : श्रैम द्वारा संचार की प्रक्रिया के पहले मॉडल के अनुसार चरणो का क्रम-
(A) स्त्रोत (Source)
(C) एनकोडर (Encoder)
(B) सकेंत (Signal)
(D) डिकोडर (Decoder)
(E) गतंव्य (Destination)

60. निम्नलिखित ग्रहण कर्ताओं को 'एवरेट रोजर्स' द्वारा प्रस्तावित श्रेणियों के क्रम से लगाएं, जिसके अनुसार वह गति से नए विचार, अभ्यास या तकनीकी को अपनाते हैः

(A) शीघ्र बहुमत
(B) फिसड्डी
(C) विलंबित बहुमत
(D) शीघ्र ग्रहण करने वाले
(E) नवीन आविष्कारी

कूटः

(a) (D), (E), (A), (C), (B)
(b) (E), (D), (A), (C), (B)
(c) (D), (E), (C), (A), (B)
(d) (E), (A), (D), (C), (B)

Ans. (b) : एवरेट रोजर्स द्वारा प्रस्तावित श्रेणियों का सही क्रम है–
(E) नवीन आविष्कारी
(D) शीघ्र ग्रहण करने वाले
(A) शीघ्र बहुमत
(C) विलंबित बहुमत
(B) फिसड्डी

61. सूची-I में दिए गए परीक्षणों को सूची-II में दिए गए उसके रासायनिक यौगिक से मिलाएँः

सूची-I	सूची-II
(A) निनडाईड्रिन परीक्षण	(i) गाजर
(B) 2,6 डाईक्लोरोफिनोल इनडोफिनोल परीक्षण	(ii) रिडयूसिंग शूगर
(C) ओसॉजोन परीक्षण	(iii) कोलैस्ट्राल
(D) एसिड वैल्यू	(iv) एमीनो एसिड
(E) आयोडीन वैल्यू	(v) वसा की असंतृप्ता
	(vi) मुक्त वसा-अम्ल

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(vi)	(v)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(vi)	(v)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(v)	(vi)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)	(v)

Ans. (a) :

सूची-I	सूची-II
(A) निनडाईजिन परीक्षण	- एमीनो एसिड
(B) 2,6 डाईक्लोरोफिनोल परीक्षण	- गाजर
(C) ओसॉजोन परीक्षण	- रिड्यूसिंग शुगर
(D) एसिड वैल्यू	- मुक्त वसा-अम्ल
(E) आयोडीन वैल्यू	- वसा की असंतृप्ता

62. सूची-I में दिए गए उपकरण की सूची-II में दिए माप से मिलाएँ जिसके लिए वह प्रयोग में लाया जाता हैः

सूची-I	सूची-II
(A) सैटेडियोमीटर	(i) मध्य ऊपरी बाजू की परिधि
(B) स्किन-फोल्ड कैलिपरस	(ii) लम्बाई
(C) फाइबर ग्लास टेप	(iii) रक्त चाप
(D) इन्फैन्टोमीटर	(iv) ऊँचाई
(E) स्फिग्मोमैनोमीटर	(v) रक्त में ग्लूकोज़
	(vi) त्वचा परतीय सघनता

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(iii)	(vi)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(vi)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(vi)	(i)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(vi)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
(A) सैटेडियोमीटर	- ऊँचाई
(B) स्किन फोल्ड कैलिपरस	- त्वचा परतीय सघनता
(C) फाइबर ग्लास टेप	- मध्य ऊपरी बाजू की परिधि
(D) इन्फैन्टोमीटर	- लम्बाई
(E) स्फिग्मोमैनोमीटर	- रक्त चाप

63. सूची-I में दिए गए पदों को सूची-II में दी गई उनकी व्याख्या से मिलाएँः

सूची-I	सूची-II
(A) डिसग्यूसिया	(i) निगलने में मुश्किल
(B) एसफिक्सिया	(ii) पेशाब की मात्रा कम होना
(C) डिसफैज़िया	(iii) पेशाब ज्यादा आना
(D) जिरोसटोमा	(iv) ऑक्सीज़न की कमी होना
(E) डाइयूरेसिस	(v) प्यास बढ़ना
	(vi) स्वाद में बदलाव
	(vii) मुहँ सूखना

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(vi)	(iv)	(vii)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(vi)	(v)	(iii)	(ii)
(c)	(vi)	(iv)	(i)	(vii)	(iii)
(d)	(iv)	(vi)	(ii)	(v)	(iii)

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
(A) डिसग्यूसिया	- स्वाद में बदलाव
(B) एसफिक्सिया	- आक्सीजन की कमी होना
(C) डिसफैजिया	- निगलने में मुश्किल
(D) जिरोसटोमा	- मुहँ सुखाना
(E) डाइयूरेसिस	- पेशाब ज्यादा आना

64. सूची-I में दिए गए सक्रिय तत्व को सूची-II दिए गए मसालों से मिलाएँ जिनमें वे पाए जाते हैं:

सूची-I	सूची-II
(A) करक्यूमिन	(i) काली मिर्च
(B) यूज़िनियाल	(ii) लहसुन
(C) एलिन	(iii) लौंग
(D) ओलियोरेजिन	(iv) सौंफ
(E) सिनकोल	(v) इलायची
	(vi) हल्दी

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(ii)	(i)	(v)	(vi)	(iii)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)
(c)	(iv)	(v)	(i)	(ii)	(vi)
(d)	(vi)	(iii)	(ii)	(i)	(v)

Ans. (d) : सूची-I — **सूची-II**

सूची-I	सूची-II
(A) करक्यूमिन	- हल्दी
(B) यूजिनियाल	- लौंग
(C) एलिन	- लहसुन
(D) ओलियोरेजिन	- काली मिर्च
(E) सिनकोल	- इलायची

65. सूची-I में दी गई संख्याओं को सूची-II में दी गई सेवाओं से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) रेस्तरां	(i) विकेन्द्रीकृत (डीसेन्ट्रलाइज्ड)
(B) हवाईअड्डे	(ii) ट्रे सेवा
(C) मॉल्स	(iii) टेबल सेवा
(D) अस्पताल	(iv) फूड कोर्ट
(E) कैफेटेरिया	(v) फोर्क बुफे
(F) रेलगाड़ी	(vi) वेन्डिंग
	(vii) प्लेट सेवा

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)
(a)	(iii)	(vi)	(iv)	(i)	(ii)	(vii)
(b)	(iii)	(vi)	(i)	(iv)	(v)	(vii)
(c)	(i)	(ii)	(v)	(vii)	(vi)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(vi)	(v)

Ans. (a) : सूची-I — **सूची-II**

सूची-I	सूची-II
(A) रेस्तरां	- टेबल सेवा
(B) हवाई अड्डे	- वेन्डिंग
(C) मॉल्स	- फूड कोर्ट
(D) अस्पताल	- विकेन्द्रीकृत (डीसेन्ट्रलाइज्ड)
(E) कैफेटेरिया	- ट्रे सेवा
(F) रेल गाड़ी	- प्लेट सेवा

66. सूची-I में दी गई परिसज्जाओं का मिलान सूची-II में दिए गए उनके उद्देश्य से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) सिंजिंग	(i) कपड़े की चमक बढ़ाता है
(B) स्कारिंग	(ii) समतल सतह प्रदान करता है।
(C) टैन्टरिंग	(iii) ऊन में से डीसाइजिंग उत्पादों को जैसे पैकटिन और मोम को निकालते हैं
(D) कैलेन्डरिंग	(iv) सीधा करने की यांत्रिक प्रक्रिया
	(v) तन्तुओं के उभरे हुए किनारों को जलाना

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(ii)	(v)	(i)	(iv)
(d)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)

Ans. (d) : सूची-I — **सूची-II**

सूची-I	सूची-II
(A) सिंजिग	- तन्तुओं के उभरे हुए किनारो को जलाना
(B) स्कांरिग	- ऊन में से डीसाइजिंग उत्पादों को जैसे पैकटिन और मोम को निकालते हैं।
(C) टैन्टरिंग	- सीधा करने की यांत्रिक प्रक्रिया
(D) कैलेन्डरिंग	- कपड़े की चमक बढ़ाता है।

67. सूची-I में दिए शब्दों का मिलान सूची-II में दिए गए उनके वर्णन से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) चोप	(i) मेहराब के आकार का तोरन
(B) चकला	(ii) कच्छ, सौराष्ट्र और सिंध में दूल्हों के पहनने वाला रुमाल या पट्टा
(C) बुखनी	(iii) फुलकारी शॉल
(D) बारी	(iv) चौकोर लटकन
	(v) कान्था काम की रजाई

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
(A) चोप	- फुलकारी शॉल
(B) चकला	- चौकोर लटकन
(C) बुखनी	- कच्छ सौराष्ट्र और सिंध में दुल्हों के पहनने वाला रूमाल या पट्टा
(D) बारी	- कान्था काम की रजाई

68. सूची-I में दिये गए मदों को सूची-II में दिए गए मदों से मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) कैलोरी	(i) इलेक्ट्रोनिक्स
(B) केल्विन	(ii) एर्गोनोमिक्स
(C) टेलीमेट्री	(iii) बायोमेकेनिक्स
(D) सोलीनोईड	(iv) कलर टेम्परेचर
	(v) मानवीय ऊर्जा

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(b)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(v)

Ans. (b) :

सूची-I	सूची-II
(A) कैलोरी	- मानवीय ऊर्जा
(B) केल्विन	- कलर टेम्परेचर
(C) टेलीमेट्री	- एर्गोनोमिक्स
(D) सोलीनोईड	- इलेक्ट्रोनिक्स

69. सूची-I में दिये गए मदों को सूची-II में दिए गए मदों से मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) एन्थ्रोपोमेट्री	(i) हाइके
(B) डिसीबल	(ii) शारीरिक आकार
(C) बिल्डिंग	(iii) शोर-गुल
(D) इकबाना	(iv) भाषा
	(v) प्लिन्थ्

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(c)	(ii)	(v)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

Ans. (a) : सूची-I	**सूची-II**
(A) एन्थ्रोपोमेट्री	- शारीरिक आकार
(B) डिसीबल	- शोर-गुल
(C) बिल्डिंग	- हाइके
(D) इकबाना	- प्लिन्थ

70. सूची-I में दिये गए मदों का मिलान सूची-II में दिए गए मदों से कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) इको मार्क	(i) उत्पाद प्रमाणन
(B) हॉल मार्क	(ii) कृषि विपणन
(C) आई.एस.आई.मार्क	(iii) ईमानदारी
(D) एगमार्क	(iv) पर्यावरण हितैषी उत्पाद
	(v) आभूषण

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(c)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

Ans. (a) : सूची-I	**सूची-II**
(A) इको मार्क	- पर्यावरण हितैषी उत्पाद
(B) हॉल मार्क	- आभूषण
(C) आई.एस.आई. मार्क	- उत्पाद प्रमाणन
(D) एगमार्क	- कृषि विपणन

71. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी मुख्य विशेषताओं से करें:

सूची-I	सूची-II
(A) एनयूरेसिस	(i) एकाधिक मोटर टिकिक्स
(B) टौरेटस विकार	(ii) मल का बार-बार आना
(C) एंकोप्रेसिस	(iii) बिस्तर गीला करना
(D) हकलाना	(iv) तर्कहीन भय
	(v) बोलने में मुश्किल

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

Ans. (d) : सूची-I	**सूची-II**
(A) एनयूरेसिस	- बिस्तर गीला करना
(B) टौरेटस विकार	- एकाधिक मोटर टिकिक्स
(C) एंकोप्रेसिस	- मल का बार-बार आना
(D) हकलाना	- बोलने में मुश्किल

72. सूची-I में दिये गये शोध अभिकल्प को सूची-II में मुख्य लक्षणों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) अनुप्रस्थ परिच्छेद	(i) शोध स्थितियों में उच्च स्तरीय नियंत्रण
(B) अनुदैर्घ्य	(ii) व्यक्ति या समूह का गहन अध्ययन

(C) विशेष अध्ययन — (iii) निर्धारित समय के ऊपर तथा अधिक में चर का अध्ययन

(D) प्रयोगात्मक — (iv) विभिन्न आयु के लोगों के साथ खास चरों का अध्ययन

(v) नैसर्गिक स्थिति

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

Ans. (b) : सूची-I — सूची-II

(A) अनुप्रस्थ परिच्छेद - विभिन्न आयु लोगो के साथ खास चरों का अध्ययन

(B) अनुदैर्ध्य - निर्धारित समय के ऊपर तथा अधिक में चर का अध्ययन

(C) विशेष अध्ययन - व्यक्ति या समूह का गहन अध्ययन

(D) प्रयोगात्मक - शोध स्थितियों में उच्च स्तरीय नियंत्रण

73. सूची-I में दिए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी प्रस्तुतियों से करेंः

सूची-I	सूची-II
(A) डाऊन सिन्ड्रोम	(i) XYY
(B) टरनर्स सिन्ड्रोम	(ii) XXY
(C) क्लाइनफिलटरस सिन्डोम	(iii) ट्रायसोमी 16
(D) सुपरमेल	(iv) XO
	(v) ट्रायसोमी 21

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

Ans. (a) : सूची-I — सूची-II

(A) डाऊन सिन्ड्रोम - ट्रायसोमी 21

(B) टरनर्स सिन्ड्रोम - XXY

(C) क्लाइफिलटरस सिनड्रोम - XO

(D) सुपरमेल - XYY

74. सूची-I में दिऐ गये माध्यमों के प्रकार को सूची-II में दिये गये उनके उपयुक्त उदाहरण के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
(A) अनौपचारिक माध्यम	(i) कार्यालयीय परिपत्र
(B) निजी माध्यम	(ii) टेलीविजन
(C) सुव्यवस्थित माध्यम	(iii) आमने-सामने बातचीत
(D) सर्वदेशीय माध्यम	(iv) विद्युत
	(v) अनाधिकारिक रूप से सूचना प्रदान करने का तरीका

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(c)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. (a) : सूची-I — सूची-II

(A) अनौपचारिक माध्यम - आनाधिकारिक रूप में सूचना प्रदान करने का तरीका

(B) निजी माध्यम - आमने-सामने बातचीत

(C) सुव्यवस्थित माध्यम - कार्यालयीय परिपत्र

(D) सर्वदेशीय माध्यम - टेलीविजन

75. सूची-I में दिऐ गये विस्तार प्रशिक्षण में प्रयोग किये जाने वाले प्रविधियों को सूची-II में दिये गये उनके विवरण के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
(A) चर्चा	(i) समस्या समाधान तथा निर्णय निर्माण
(B) भूमिका अदा करना	(ii) सतर्कतापूर्वक सुनना तथा सक्रिय सहभागिता
(C) विशेष अध्ययन	(iii) प्रेरणादायक रचनात्मक विचार
(D) मानसिक उद्वेलन	(iv) दूसरो को प्रभावित करना
	(v) अवलोकन तथा स्वनिर्देशित विद्यार्जन

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(v)	(ii)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(v)

Ans. (b) : सूची-I — सूची-II

(A) चर्चा - सतर्कतापूर्वक सुनना तथा सक्रिय सहभागिता

(B) भूमिका अदा करना - अवलोकन तथा स्वनिर्देशित विद्यार्जन

(C) विशेष अध्ययन - समस्या समाधान तथा निर्णय निर्माण

(D) मानसिक उद्वेलन - प्रेरणादायक रचनात्मक विचार

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून-2017

गृह विज्ञान

(व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल)

1. आई. सी. एम. आर. (2010) द्वारा दी गई एक मध्यम श्रम श्रेणी के पुरुष के लिए थायमिन की प्रस्तावित पौष्टक आवश्यक है

(a) 1.2 मि.ग्रा/दिन (b) 1.4 मि.ग्रा/दिन
(c) 1.5 मि.ग्रा/दिन (d) 1.7 मि.ग्रा/दिन

Ans : (b) – ICMR (Indian Council of Medical Research) (2010) द्वारा दी गई एक मध्यम श्रम श्रेणी के पुरूष के लिए थायमिन की प्रस्तावित पौष्टक 1.4 मि.ग्रा./ दिन की आवश्यकता होती है।

थायमिन जिसे विटामिन B_1 भी कहा जाता है इसकी कमी से बेरी-बेरी रोग हो जाता है जिसके लक्षण निम्न है – भूख न लगना, पाचन प्रणाली, गड़बड़ होना, चक्कर आना, शीघ्र थकान, सास, फूलना सिरदर्द, पेट दर्द आदि।

2. एलिन नामक यौगिक निम्न में पाया जाता है

(a) लहसुन (b) हल्दी
(c) दालचीनी (d) लौंग

Ans : (a) – ऐलिन (Allin) नामक यौगिक लहसुन (Garlic) में पाया जाता है। जिसके कारण यह एंटी बैक्टीरियल एंटी वायरल, एंटी फंगस, एंटी-आक्सीडेंट गुण वाला होता है। लहसुन में सल्फर बहुतायत मात्रा में पाया जाता है जिसके कारण इसका स्वाद कड़वा होता है।

3. खाद्य उत्पादन में सही खतरा-क्षेत्र कौन सा है?

(a) 45^0फै. - 115^0 फै. (b) 41^0फै. - 135^0 फै.
(c) 35^0फै. - 120^0 फै. (d) 38^0फै. - 145^0 फै.

Ans : (b) – 41^0फै. - 135^0 फै. खाद्य उत्पादन में सही खतरा क्षेत्र है।

4. निम्नलिखित में से कपड़ों का सिद्धांत कौन सा है ?

(a) इन्डीविजुअलिटी (वैयक्तिकता)
(b) कनफोरमिटी (अनुरूपणीयता)
(c) टैटूइंग (गोदना)
(d) मौडेस्टी (शालीनता)

Ans : (d) – दिये गये विकल्पों में से 'मौडेस्टी' (शालीनता) कपड़ों का सिद्धान्त है।

5. डेनियर ग्राम में भार है

(a) धागे का 9000 मीटर का
(b) धागे का 1000 मीटर का
(c) धागे का 560 मीटर का
(d) धागे का 840 मीटर का

Ans : (a) डेनियर ग्राम में भार धागे का 9000 मीटर का होता है।

6. निम्नलिखित में से कौन प्रबन्ध के कार्यों के संबंधित है?

(a) हेनरी फेयॉल (b) टेलर
(c) गिलब्रेथ (d) एल्टन मेयो

Ans : (a) हेनरी फेयॉल प्रबन्ध के कार्यो से संबंधित है। प्रबन्धन की आधुनिक संकल्पना के विकास में सबसे प्रभावी योगदान करने वालों में फेयॉल का नाम है।

7. किसी संस्कृति या विशिष्ट समूह के सहभागी अवलोकन, जिसमें अनुसंधानकर्ता संस्कृतियों के मूल्यों और सामाजिक प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास करता है, उसे क्या कहा जाता है ?

(a) प्रयोगात्मक अवलोकन (b) मानव-जाति वर्णन
(c) नैदानिक विधि (d) संरचित अवलोकन

Ans : (b) – किसी संस्कृति या विशिष्ट समूह के सहभागी अवलोकन, जिसमें अनुसंधानकर्ता संस्कृतियों के मूल्यों और सामाजिक प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास करता है उसे 'मानव-जाति वर्णन' (Ethnography) कहते है।

8. ग्रामीण पुनर्निर्माण के अन्तर्गत 'गुडगांव योजना' के प्रतिपादक कौन थे ?

(a) रविन्द्रनाथ टैगोर (b) एफ. एल. ब्रेन
(c) डेनियल हेमिल्टन (d) मैल्कम मार्शल

Ans : (b) – 'गुड़गांव योजना' के प्रतिपादक एफ. एल. ब्रेन है F.L. ब्रेन ने गुड़गाँव में योजना प्रारम्भ किया। इसके अन्तर्गत ग्राम के पथ प्रदर्शकों द्वारा प्रसार कार्य किया जाता था जिसमें 3 माह तक कृषि के बारे में जानकारी देना व कृषकों को सुविधाएँ पहुँचाना शामिल था।

9. अरस्तू के संप्रेषण मॉडल के अनुसार प्रभावी भाषण के तीन आयाम है

(a) लोकाचार, समभूति, मेथोस
(b) लोकाचार, शब्द, करुणता
(c) समभूति, अव्यवस्था, करुणता
(d) शब्द, लोकाचार,लाओज

Ans : (b) – अरस्तू के संप्रेषण मॉडल के अनुसार प्रभावी भाषण के तीन आयाम (dimensions) है-लोकाचार, शब्द, करूणता (Ethos, Logos, Pathos) लगभग 2300 वर्ष पूर्व ग्रीक दार्शनिक अरस्तू ने संचार के तीन तत्त्व बताए-

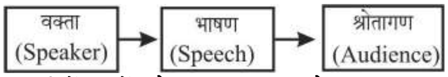

इन तीनों तत्वों को संचार प्रक्रिया के आवश्यक तत्वों के रूप में अरस्तू ने माना है - इनमे एक वक्ता है, दूसरे में वह जो कुछ बोलता है उसको रखा गया है तीसरे में वह व्यक्ति है जो उसे सुनता है ऐसा संचार केवल आमने-सामने ही हो सकता है।

10. सममित या सामान्य वितरण में

(a) माध्यिका, माध्य और बहुलक से ज्यादा होता है।
(b) माध्य, माध्यिका और बहुलक का समान मान होता है।
(c) माध्य, माध्यिका और बहुलक से ज्यादा होता है।
(d) बहुलक, माध्य और माध्यिका से ज्यादा होता है।

Ans : (b) सममित या सामान्य वितरण में माध्य माध्यिका और बहुलक का समान मान होता है।

11. एस्कॉर्बिक एसिड की कमी से होने वाले लक्षण निम्नलिखित हैं

I. सममित डर्मेटाइटिस
II. जिन्जिवाईटिस्
III. ईडीमा
IV. घाव का देर से भरना
V. रूधिरांक रक्तस्राव

कूट :

(a) I, II और IV (b) II, IV और V
(c) II, III और IV (d) II, III और V

Ans : (b) एस्कॉर्बिक एसिड की कमी से होने वाले लक्षण-
1. जिन्जिवाईटिस् (Gingivitis)
2. घाव का देर से भरना (Delayed wound healing)
3. रूधिरांक रक्तस्राव (Hemotoma bleeding)

12. शरीर में लोहे के अवशोषण में बाधा डालने वाले कारक निम्न हैं :

I. आमाशय में अम्ल तत्त्व की कमी
II. एस्कॉर्बिक एसिड
III. पशुजन्य प्रोटीन
IV. फाइटिड एसिड
V. टैनिनस्

कूट :

(a) I, IV और V (b) I, II और IV
(c) I, III और V (d) I, II और III

Ans : (a) 'शरीर में लोहे के अवशोषण में बॉधा डालने वाले कारक
1. आमाशय में अम्ल तत्त्व की कमी
4. फाइटिड एसिड
5. टैनिनस्

13. कार्य-निष्पादन आकलन में प्रयुक्त विधियाँ हैं-

I. क्रोनोसाइकिल ग्राफ
II. कार्य प्रतिदर्श (वर्क सैंपलिंग)
III. पाथवे चाट
IV. पी ई आर टी
V. एच ए सी सी पी
IV. माइक्रो मोशन

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) II, III, IV, V
(c) III, IV, II, I (d) IV, V VI, I

Ans : (a)
1. क्रोनोसाइकिल ग्राफ
2. कार्य प्रतिदर्श (वर्क सैंपलिंग)
3. पाथवे चार्ट
4. माइक्रोमोशन

14. चिकनाई का धब्बा हटाने के लिए, निम्नलिखित में से क्या-क्या प्रयोग में आते हैं ?

I. फुलर अर्थ
II. बेन्जीन
III. ग्लिसरीन
IV. विनेगर (सिरका)

कूट :

(a) II और III (b) I और II
(c) III और IV (d) I और IV

Ans : (b)
चिकनाई का धब्बा हटाने के लिए प्रयोग में आने वाली विधियाँ-
1. फुलर अर्थ
2. बेन्जीन

15. निम्नलिखित तन्तुओं में से किनकी लचक सबसे अच्छी है ?

I. ऊन
II. पॉलिएस्टर
III. रेयान
IV. सूत (कॉटन)

कूट :

(a) I, III (b) III, IV
(c) I, II (d) I, IV

Ans : (c) ऊन तथा पॉलिएस्टर तन्तुओं में सबसे अधिक लचक होती है।

16. निम्नलिखित में कौन से मानव संसाधनों के प्रकार हैं ?

I. ज्ञान
II. बैंक
III. दृष्टिकोण
IV. बुद्धि
V. मिट्टी

कूट :

(a) I, II, IV (b) I, III, IV
(c) II, IV, V (d) III, IV, V

Ans : (b) ज्ञान, दृष्टिकोण, बुद्धि आदि मानव संसाधन के प्रकार है।

17. शैशवकाल के दौरान भावनात्मक विकास के निम्नलिखित में से कौन से मील का पत्थर होते हैं?

I. पृथक्करण दुश्चिंता
II. सामाजिक मुस्कराहट
III. विचित्र दुश्चिंता
IV. परोपकारी व्यवहार

कूट :

(a) I, II, III (b) I, III, IV
(c) II, III, IV (d) I, II, IV

Ans : (a) शैशवकाल के दौरान भावनात्मक विकास के निम्नलिखित में से कौन से मील का पत्थर होते हैं–
1. पृथक्करण दुश्चिंता
2. सामाजिक मुस्कराहट
3. विचित्र दुश्चिंता

18. श्रोता के वे गुण, जो आमने, सामने की बातचीत को प्रभावित करते हैं, वे हैं

(a) सकारात्मक मनोवृत्ति
(b) सक्रिय श्रवण कौशल
(c) माध्यम वाहक
(d) अर्थ समझने का कौशल

कूट :

(a) I, II और III (b) II, III, और IV
(c) I, II, और IV (d) I, III और IV

Ans : (c) – श्रोता के वे गुण, जो आमने, सामने की बातचीत को प्रभावित करते हैं, वे हैं
(a) सकारात्मक मनोवृत्ति
(b) सक्रिय श्रवण कौशल
(d) अर्थ समझने का कौशल

19. निम्नलिखित में से कौन से उपागम विस्तार शिक्षा की पद्धति को निर्दिष्ट करते हैं ?

(a) सरल से जटिल (b) ठोस से अमूर्त
(c) कार्य द्वारा अधिगम (d) श्रवण द्वारा अधिगम

कूट :

(a) I, II और III (b) II, III, और IV
(c) I, III, और IV (d) II, IV और I

Ans : (a) – सरल से जटिल, ठोस से अमूर्त, कार्य द्वारा अधिगम आदि उपागम विस्तार शिक्षा की पद्धति की निदिष्ट (Indicate) करते है।

20. माध्यों के यादृच्छिक प्रतिदर्श वितरण में

I. प्रतिदर्श आकार में वृद्धि के साथ-साथ मानक त्रुटि में कमी आएगी।
II. प्रतिदर्श आकार में वृद्धि के साथ-साथ मानक त्रुटि में वृद्धि होगी ।
III. माध्य, जनसंख्या माध्य के बराबर होता है।
IV. माध्य, जनसंख्या माध्य के बराबर नहीं होता है।

कूट :

(a) I और III (b) II और IV
(c) I और IV (d) II और III

Ans : (a) – माध्यों के यादृच्छिक प्रतिदर्श वितरण में प्रतिदर्श आकार में वृद्धि के साथ-साथ मानक त्रुटि में कमी, माध्य जनसंख्या माध्य के बराबर होता है।

21. अभिकथन (A) : मधुमेह के आहार में जटिल कार्बोज ग्रहण करने की सलाह दी जाती है।

कारण (R) : जटिल कार्बोज का ग्लाईसिमिक इन्डैक्स कम होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (a) मधुमेह के आहार में जटिल कार्बोज ग्रहण करने की सलाह दी जाती है क्योंकि जटिल कार्बोज का ग्लाईसिमिक इन्डैक्स कम होता है।

22. अभिकथन (A) : हरी सब्जियों को पकाते समय उनमें सोडा बाइकार्बोनेट डालने से उनका रंग चमकदार हरा हो जाता है।

कारण (R) : क्लोरोफिल नामक वर्णक क्षारीय वातावरण में फियोफाईटिन नामक पदार्थ में परिवर्तित हो जाता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (b) – हरी सब्जियों को पकाते समय उनमे सोडा बाइकार्बोनेट डालने से उनका रंग चमकदार हरा हो जाता है। कारण (R) गलत है।

23. अभिकथन (A) : चक्रीय मेनू एक चयनित मेनू होता है।

कारण (R) : इसे निर्धारित अन्तराल पर घुमाया जाता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (b) – अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है इसे निर्धारित अन्तराल पर घुमाया जाता है।

24. अभिकथन (A) : कालर, सीवन व बनावट मिलकर रचना सम्बन्धी डिजाइन का निर्माण करते है।

कारण (R) : रचना सम्बन्धी डिज़ाइन वस्त्र का स्वाभाविक हिस्सा है।

कूट :

(a) (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं।
(b) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।
(c) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही वर्णन हैं
(d) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R), (A) का सही वर्णन नहीं हैं

Ans : (b) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही वर्णन है।

25. अभिकथन (A) : माइक्रोस्कोपिक जाँच मानवीकृत तन्तुओं के लिए पुष्टीकरण जाँच है।

कारण (R) : मानवीकृत तन्तुओं की स्पष्ट लाक्षणिक माइक्रोस्कोपिक आकृति होती है।

कूट :

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं।
(b) दोनों (A) और (R) गलत हैं।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही हैं।

Ans : (b) माइक्रोस्कोपिक का प्रयोग प्राकृतिक तथा मानवीकृत तन्तुओं को पहचानने के लिए की जाती है। इस जाँच से तन्तुओं में यह पता लगाया जा सकता है कि तन्तु ऊन, रेशम, नॉयलान या काटन है।
इस परीक्षण द्वारा रेशों की आकृति, आकार, बनावट, लचीलापन, खुरदरापन आदि का पता चलता है।

26. **अभिकथन (A)** : अप्रत्यक्ष प्रकाश सामान्य रोशनी के लिए आदर्शपूर्ण है।
कारण (R) : यह प्रकाश छत की ओर निर्देशित होकर कमरे में वापिस प्रतिबिम्बित होता है।

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है लेकिन (R) गलत हैं।
(c) (A) गलत है, लेकिन (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (a) अप्रत्यक्ष प्रकाश सामान्य रोशनी के लिए आदर्शपूर्ण है क्योंकि यह प्रकाश छत की ओर निर्देशित होकर कमरे में वापिस प्रतिबिम्बत होता है।

27. **अभिकथन (A)** : पिआजे के लिए पूर्व-प्रचालनात्मक चिंतन का सर्वाधिक गंभीर अभाव अहंवाद है और उससे अन्य सभी प्रभावित होते हैं।
कारण (R) : अहं-केन्द्रित छोटे बच्चों द्वारा भौतिक घटनाओं और जादुई चिंतन को मानवीय उद्देश्य देना आम बात है।

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(d) (A) गलत है और (R) सही हैं।

Ans : (b) – (A) और (R) दोनों सही हैं

28. **अभिकथन (A)** : जन संचार एक पारस्परिक प्रक्रिया है।
कारण (R) : जन संचार की अधिकांश स्थितियों में संम्प्रेषक और दर्शक के बीच असमकालिक संबंध होता है।

कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (b) जन संचार या लोक सम्पर्क या जनसम्पर्क से तात्पर्य उन सभी साधनों के अध्ययन एवं विश्लेषण से है जो एक साथ बहुत बड़ी जनसंख्या के साथ संचार सम्बन्ध स्थापित करने में सहायक होते हैं प्रायः इसका अर्थ सम्मिलित रूप से लिया जाता है जो समाचार एवं विज्ञापन दोनों के प्रसारण के लिए प्रयुक्त होते हैं।

29. **अभिकथन (A)** : परिणाम प्रदर्शन किसी पद्धति या उत्पाद के उपयोगिता के दर्शाने को विनिर्दिष्ट करता है।
कारण (R) : परिणाम प्रदर्शन न केवल पद्धति उपयोगिता को स्थापित करता है बल्कि स्थानीय परिस्थितियों के अन्तर्गत पद्धति के व्यवहार्यता को भी सिद्ध करता है।

कूट :
(a) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(b) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Ans : (c) – (A) और (R) दोनों सही हैं।

30. **अभिकथन (A)** : सांख्यिकीय परीक्षण की क्षमता, क्योंकि शून्य परिकल्पना गलत है, प्रतिदर्श परिणाम प्राप्त करने की सम्भावना है जो इसे अस्वीकृति की ओर ले जाएगा।
कारण (R) : प्रतिदर्श आकार जितना बड़ा होगा सांख्यिकीय परीक्षण की क्षमता उतना ही ज्यादा होगी।

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(d) (A) गलत है और (R) सही हैं।

Ans : (a) – सांख्यिकीय परीक्षण की क्षमता, क्योंकि शून्य परिकल्पना गलत है, प्रतिदर्श परिणाम प्राप्त करने की सम्भावना है जो इसे अस्वीकृति की ओर ले जाएगा क्योंकि प्रतिदर्श आकार जितना बड़ा होगा सांख्यिकीय परीक्षण की क्षमता उतनी ही ज्यादा होगी :

31. **24 घण्टे आहारीय रिकॉल के संचालन में निहित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :**
I. खान-पान की वस्तुओं की सेवित मात्रा को कच्चे खाद्य-पदार्थ में परिवर्तित करना।
II. व्यंजन बनाने की विधि का मानकीकरण
III. प्रश्नावली तैयार करना और उसकी पूर्व जाँच करना
IV. आर. डी. ए. के साथ ऊर्जा और ग्रहण पोषक तत्त्वों की तुलना करना।
V. पिछले 24 घंटों में उत्तरदाताओं द्वारा सेवन की गई खान-पान की सारी सामग्री के बारे में, मानकीकृत उपकरणों का उपयोग कर, सूचना इकट्ठा करना।
VI. आहार रचना तालिकाओं का उपयोग कर ऊर्जा और पोषक तत्त्वों का परिकलन।

कूट :
(a) II, V, III, I, VI, IV (b) V, II, III, I, VI, IV
(c) III, V, II, I, VI, IV (d) III, V, I, II, IV, VI

Ans : (c) 24 घण्टे आहारीय रिकॉल के संचालन में निहित चरणों का सही क्रम :

I. प्रश्नावली तैयार करना और उसकी पूर्व जाँच करना
II. पिछली 24 घंटों में उत्तरदाताओं द्वारा सेवन की गई खान – पान की सारी सामग्री के बारे में मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग कर सूचना एकत्र करना
III. व्यंजन बनाने की विधि का मानकीकरण
IV. खान-पान की वस्तुओं की सेवित मात्रा को कच्चे खाद्य-पदार्थ में परिवर्तित करना
V. अहार रचना तालिकाओं का उपयोग कर ऊर्जा पोषक तत्वों का परिकलन
VI. RDA के साथ ऊर्जा और ग्रहण पोषक तत्वों की तुलना करना।

32. गेहूँ के संसाधन से संबंधित कदमों को सही क्रम के व्यवस्थित करें :

I. शुद्धिकरण II. धोना
III. खींचना IV. ब्लिचिंग
V. पीसना VI. नरम करना

कूट :
(a) I, II,V, III, IV,VI (b) II, I, IV, III, V, VI
(c) III,II, VI, V, I, IV (d) I, III, VI, II, IV, V

Ans : (c) – गेहूँ के संसाधन से संबंधित कदमों का सही क्रम :
I. खीचना II. धोना
III. नरम करना IV. पीसना
V. शुद्धिकरण VI. ब्लीचिंग

33. किसी अनकूलन कार्यक्रम में उठाए गए कदमों को सही क्रम में लिखें :

I. सुविधाओं से परिचय
II. कार्य से परिचय
III. कम्पनी की नीतियों व पद्धतियों की समीक्षा
IV. ब्रेकिंग आइस
V. सहकर्मियों से परिचय
VI. कर्मचारियों की अपेक्षाओं का निर्धारण

कूट :
(a) III, VI, I, II,V, IV
(b) IV, III, VI, V, I, II
(c) I, II, III, VI, V, IV
(d) II, IV, VI, I, V, III

Ans : (b)
किसी अनुकूलन कार्यक्रम में उठाए गए कदमों का सही क्रम–
I. ब्रेकिंग आइस
II. कम्पनी की नीतियों व पद्धतियो की समीक्षा
III. कर्मचारी की अपेक्षाओं का निर्धारण
IV. सहकर्मियों से परिचय
V. सुविधाओं से परिचय
VI. कार्य से परिचय

34. सिलाई मशीन के ऊपरी धागे का सही रास्ता दीजिए :

I. तनाव चकती (डिस्क)
II. सूई
III. धागे की गट्टी
IV. धागा निर्देशक
V. धागा लेने का लीवर

कूट :
(a) II, III, IV, V, I (b) I, III, II, V, IV
(c) III, IV, I, V, II (d) IV, II, III, I, V

Ans : (c) – सिलाई मशीन के ऊपरी धागे का सही रास्ता-
I. धागे की गट्टी
II. धागा निर्देशक
III. तनाव चकती (डिस्क)
IV. धागा लेने का लीवर
V. सूई

35. ऊनी फैल्ट बनाने का सही क्रम दीजिए :

I. ऊनी तन्तुओं को परतों में लगाना।
II. ऊनी तन्तुओं की सफाई, मिश्रण और धुनाई।
III. वैब को पीटना, दबाना और निचोड़ना ।
IV. ताप और नमी देना
V. फैल्ट को परिसज्जा प्रदान करना ।
VI धोना, खंगालना और सूखाना

(a) I, II, III, IV, VI,V
(b) II, I, IV, III, V, VI
(c) III, IV, II, I, V,VI
(d) II, I, IV, III, VI,V

Ans : (d) II, I, IV, III, VI, V

36. नीति निर्धारण में सम्मिलित निम्नलिखित सोपानों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

I. श्रेष्ठ विकल्प का चयन करना
II. समस्या की पहचान करना।
III. वैकल्पिक समाधानों की खोज करना
IV. विकल्पों के बारे में सोचना।
V. फीडबैक

कूट :
(a) I, III, II, V, IV b) V, III, I, II, IV
(c) II, III, IV, I, V (d) III, V, I, IV, II

Ans : (c) –
I. समस्या की पहचान करना
II. वैकल्पिक समाधानों की खोज करना
III. विकल्पों के बारे में सोचना
IV श्रेष्ठ विकल्प का चयन करना
V. फीडबैक

37. शिशु जन्म के चरणों के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:

I. प्लेसेन्टा (बीजांडासन) जानना
II. ट्रांजिशन (पारगमन)
III. ग्रीवा का विस्तारण और विलोपन
IV. आगे धकेलना
V. शिशु का जन्म

कूट :
(a) II, III, IV, V, I (b) III, II, IV, V, I
(c) III, IV, II, V, I (d) IV, III, II, IV,I

Ans : (b) – शिशु जन्म के चरणों के अनुसार व्यवस्थित क्रम
I. ग्रीवा का विस्तारण और विलोपन
II. ट्रांजिशन (पारगमन)
III. आगे धकेलना
IV. शिशु का जन्म
V प्लेसेन्टा (बीजांडासन) जानना

38. विस्तारण अभियान योजना के सोपानों को उनके सही क्रम में व्यवस्थित करें :
I. एक ठोस योजना तैयार करना।
II. स्थानीय जरूरतों की पहचान करना ।
III. आपूर्ति और सहायता की व्यवस्था करना।
IV. उचित प्रविधियों और मीडिया का चयन करना।
V. तिथि और समय संबंधी निर्णय लेना।

कूटः
(a) II, III, IV, V, I (b) II, III, IV, I, V
(c) II, III, I, V, IV (d) II, III, I, IV, V

Ans : (d) – विस्तारण अभियान योजना के सोपानों का सही क्रम
I. स्थानीय जरूरतों की पहचान करना
II. आपूर्ति और सहायता की व्यवस्था करना
III. एक ठोस योजना तैयार करना
IV. उचित प्रविधियों और मीडिया का चयन करना
V. तिथि और समय संबंधी निर्णय लेना

39. मार्क नेप द्वारा प्रस्तुत किए गए, संप्रेषण के माध्यम से संबंधों को विकसित करने में एक साथ जुड़ने के निम्नलिखित चरणों को व्यवस्थित करें :
I. प्रयोग करना
II. बाँडिंग
III. एकीकरण
IV. आरम्भरण
V. भावप्रवणता

कूटः
(a) I, IV, II, III, V
(b) II, III, IV,V, I
(c) III, II, IV, I, V
(d) IV, I, V, III, II

Ans : (d) – मार्क नेप द्वारा प्रस्तुत किए गए, संप्रेषण के माध्यम से संबंधों का विकसित करने में एक साथ जुड़ने वाले चरण–
I. आरम्भरण II. प्रयोग करना
III. भावप्रवणता IV. एकीकरण
V. बाँडिंग

40. सामूहिक आँकड़ा आवृत्ति वितरण के निर्माण संबंधी कदमों को सही क्रम में व्यवस्थित करें :
I. परास का पता लगाना।
II. उस बिन्दु का निर्धारण करना जहाँ न्यूनतम अन्तराल आरम्भ होना चाहिए।
III. परास को 10 और 20 से विभाजित करना ताकि स्वीकार योग्य और सुविधाजनक अन्तराल विस्तार का निर्धारण किया जा सके।
IV. उचित वर्ग अन्तराल में कच्चे प्राप्तांकों के आवृत्ति की प्रविष्टि करना।
V. सभी वर्ग अन्तरालों की सीमाओं को दर्ज करना, उच्चतम प्राप्तांक वर्ग अन्तराल को शीर्ष पर रखना।
VI. न्यूनतम और अधिकतम प्राप्तांकों के मान का पता लगाना।

कूट :
(a) VI, II, I, III, IV, V (b) VI, I, II, III, IV, V
(c) VI, I, III, II, V, IV (d) VI, II, I, III, V, IV

Ans : (c) VI, I, III, II, V, IV

41. सूची -I में दिए गए पोषक तत्त्वों को सूची - II में दिए गए उनकी कमी से होने वाले लक्षणों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
I. फौलिक एसिड	A. टैटनी
II. आयरन	B. एन्गयूलर स्टोमैटाईटिस
III. नियासिन	C. एडीमा
IV. कैल्सियम	D. मैगेलौब्लास्टिक अनीमीया
V. राईबोफ्लेविन	E. कैसल नैकलेस
	F. हाईपोक्रोमिक माइक्रोसिटिक अनीमीया
	G. न्यूरोपैथी

कोड-

	I	**II**	**III**	**IV**	**V**
(a)	D	A	G	B	C
(b)	D	F	E	A	B
(c)	F	D	G	C	B
(d)	F	C	E	A	G

Ans : (b) –

I. फौलिक एसिड	-	मैगेलौब्लास्टिक अनीमीया
II. आयरन	-	हाईपोक्रोमिक माइक्रोसिटिक अनीमीया
III. नियासिन	-	कैसल नैकलेस
IV. कैल्सियम	-	टैटनी
V. राईबोफ्लेविन	-	एंग्युलर स्टोमैटाईटिस

42. सूची -I में दिए गए प्रयोगशाला-परीक्षणों को सूची - II में दिए गए उनके रासायनिक यौगिक से सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
I. निनहाईड्रिन परीक्षण	A. कोलैस्ट्राल
II. बैनेडिक्ट परीक्षण	B. मुक्त वसा-अम्ल
III. केल्डाल परीक्षण	C. रिडयूसिंग शुगर
IV. ऑयोडीन वेल्यू	D. एस्कॉर्बिक एसिड
V. 2, 6 डाईक्लोरोफिनोल इन्डोफिनोल परीक्षण	E. एमीनो एसिड
	F. नाइट्रोजन
	G. वसा की असंतृप्तता

कोड-

	I	**II**	**III**	**IV**	**V**
(a)	F	C	A	B	G
(b)	B	C	F	G	A
(c)	E	C	F	G	D
(d)	F	C	A	B	D

Ans : (c)

I.	निनहाईड्रिन परीक्षण	-	एमीनो एसिड
II.	बैनेडिक्ट परीक्षण	-	रिडयूसिंग शुगर
III.	केल्डाल परीक्षण	-	नाइट्रोजन
IV.	ऑयोडीन वेल्यू	-	वसा की असंतृप्तता
V.	2, 6 डाईक्लोरोफिनोल इन्डोफिनोल परीक्षण	-	एस्कॉर्बिक एसिड

43. सूची -I में दिए गए नामों को सूची - II में दिए गए प्रबन्धन के सिद्धान्तों से सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. जुरेन	A. वैज्ञानिक
II. डकर	B. शास्त्रीय (क्लासिक)
III. मेकग्रेगर	C. टी क्यू एम
IV. टेलर	D. जे आई टी
V. ओवर	E. मानव संबंध
	F. एम बी ओ

कोड-

	I	II	III	IV	V
(a)	A	C	B	E	F
(b)	B	D	E	F	A
(c)	C	F	E	A	B
(d)	E	B	A	F	C

Ans : (c) –

I.	जुरेन	-	टी. क्यू. एम.
II.	डकर	-	एम. बी. ओ.
III.	मेकग्रेगर	-	मानव संबंध
IV.	टेलर	-	वैज्ञानिक
V.	ओवन	-	जे. आई. टी.

44. सूची -I में दिए गए मदों का मिलान सूची - II में दिए गए उनके वर्णन से कीजिए :

सूची-I	सूची-II
I. अवन्त गार्ड	A. डिजाइनर के लिए फ्रैन्च शब्दावली
II. टोयल	B. वे, जो फैशन के वर्षो से अत्यधिक आगे रहते हैं।
III. फैशन मोन्गर	C. व्यक्ति, जो निरंतर रूप से नवीनतम फैशन की वेशभूषा पहनता है।
IV. फैशन प्लेट	D. डिजाइनरों के मौलिक वस्त्रों की मलमली नकल के लिए फ्रेन्च पद
	E. एक ऐसा व्यक्ति, जो वर्तमान फैशन का अध्ययन करता है, अनुगमन करता है और उसे लोकप्रिय बनाता है।

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	A	B	C	D
(b)	B	D	E	C
(c)	C	E	D	A
(d)	D	E	B	C

Ans : (b) –

A.	अवन्त गार्ड	–	वे, जो फैशन के वर्षो से अत्यधिक आगे रहते हैं।
B.	टोयल	–	डिजाइनरों के मौलिक वस्त्रों की मलमली नकल के लिए फ्रेन्च पद
C.	फैशन मोन्गर	–	एक ऐसा व्यक्ति, जो वर्तमान फैशन का अध्ययन करता है, अनुगमन करता है और उसे लोकप्रिय बनाता है।
D.	फैशन प्लेट	–	व्यक्ति जो निरंतर रूप से नवीनतम फैशन की वेशभूषा पहनता है।

45. सूची-I में दिये गये मदों का मिलान सूची-II में दिए गए मदों से कीजिए :

सूची-I	सूची-II
I. पोलिएस्टर	A. कैप्रोलैक्टम
II. नॉयलान	B. ऐल्कीन्स
III. ओलिफिन्स	C. ऐडीपिक एसिड और हेक्सामिथाइलीन डाइएमीन
IV. स्पैन्डेक्स	D. पालीयूरेथैन
	E. इथीलीन ग्लायकोल और टैरिपैथेलिक एसिड

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	A	B	C	D
(b)	E	A	B	D
(c)	D	C	B	A
(d)	B	D	E	C

Ans : (b) –

I.	पोलिएस्टर	–	इथीलीन ग्यालकोल और टैरिपैथेलिक एसिड
II.	नॉयलान 6	–	कैप्रोलैक्टम
III.	ओलिफिन्स	–	एल्कीन्स
IV.	स्पैन्डेक्स	–	पालीयूरेथैन

46. सूची -I में दिये गए मदों को सूची - II में दिए गए मदों से मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
I. समय-व्यवस्था का उपकरण	A. शारीरिक थकान
II. समान प्रवाह में गति का दुहराव	B. पीक लोड
III. गति और समय अध्ययन	C. लय
IV. तंतु भौतिक क्षति	D. मानसिक थकान
	E. पाथवे चार्ट

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	B	C	E	A
(b)	D	A	B	E
(c)	E	D	B	A
(d)	C	E	A	D

Ans : (a) –

(a)	समय व्यवस्था का उपकरण	–	पीक लोड
(b)	समान प्रवाह में गति का दुहराव	–	लय
(c)	गति और समय अध्ययन	–	पाथवे चार्ट
(d)	तन्तु भौतिक क्षति	-	शारीरिक थकान

47. सूची -I में दी गई अवधारणाओं को सूची - II में दी गई उनकी विशेषताओं से सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
I. कैथरसिस (शुद्धीकरण)	A. खाली स्लेट
II. टैबुला रासा	B. आनुवंशिक-पर्यावरण सहसंबंध
III. निश-पिकिंग	C. देखभाल कर्ता के बिना
IV. निराश्रय	D. वाणिज्यिक/यौन शोषण
V. ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी)	E. भावना को बाहर निकालना

कोड-

	I	II	III	IV	V
(a)	A	B	C	D	E
(b)	F	A	B	C	D
(c)	E	C	A	D	F
(d)	E	A	B	C	D

Ans : (a)–

I. कैथरसिस (शुद्धीकरण) - खाली स्लेट
II. टैबुला रासा - आनुवंशिकपर्यावरण सहसंबंध
III. निश-पिकिंग - देखभाल कर्ता के बिना
IV. निराश्रय - वाणिज्यिक/यौनशोषण
V. ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) - भावना को बाहर निकालना

48. सूचा-I में दिए गए कार्यक्रमों को सूची-II में दिए गए उनके आरम्भ के वर्ष के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. आई सी डी एस	A. 2015
II. स्वच्छ भारत अभियान	B. 1975
III. सर्व शिक्षा अभियान	C. 2001
IV. बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं	D. 2010
	E. 2014

कोड-

	I	II	III	IV
(a)	B	E	C	D
(b)	B	E	C	A
(c)	B	D	C	A
(d)	B	D	E	A

Ans : (b) –

I. आई सी डी एस - 1975
II. स्वच्छ भारत अभियान - 2014
III. सर्व शिक्षा अभियान - 2001
IV. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं - 2015

49. सूची -I में दिए गए संप्रेषण के प्रकार्यों को सूची - II में दिए गए उनके संबंधित कार्यकलापों के साथ सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. एकीकरण	A. बॉस का अपने अधीनस्थों को लिखना
II. अनुदेश	B. टीम निर्माण कार्यकलाप
III. सूचना	C. छात्रों के नोटिस बोर्ड पर समय-सारणी
IV. प्रभाव	D. भवन का डिजाइन तैयार करना
	E. चॉकलेट के एक नए प्रकार का विज्ञापन

कूट :

	I	II	III	IV
(a)	B	A	D	E
(b)	B	A	C	E
(c)	C	B	A	E
(d)	C	B	A	D

Ans : (b) –

I. एकीकरण - टीम निर्माण कार्यकलाप
II. अनुदेश - बॉस का अपने अधीनस्थों को लिखना
III. सूचना - छात्रों के नोटिस बोर्ड पर समय-सारणी
IV. प्रभाव - चॉकलेट के एक नए प्रकार का विज्ञापन

50. सूची -I के मदों को सूची – II के मदों से सुमेलित करें :

सूची-I	सूची-II
I. क्रुस्कल वेलिस परीक्षण	A. गलत H_0 को स्वीकार किया जाता है।
II. टाइप I. त्रुटि	B. 95% प्राप्तांक
III. टाइप II. त्रुटि	C. द्विचर वितरण
IV. पेयर्ड t. परीक्षण	D. सही H_0 को अस्वीकृत किया जाता है।
V. $X \pm 1.96$ t. एस. डी.	E. वितरण मुक्त परीक्षण
	F. 99% प्राप्तांक
	G. दो आश्रित माध्यों के बारे में परिकल्पना का परीक्षण

कोड-

	I	II	III	IV	V
(a)	C	D	A	E	B
(b)	E	D	A	C	B
(c)	E	A	D	G	F
(d)	E	D	A	G	B

Ans : (d)

I. क्रुस्कल वेलिस परीक्षण - वितरण मुक्त परीक्षण
II. टाइप I. त्रुटि - सही H_0 को अस्वीकार किया जाता है।
III. टाइप II. त्रुटि - गलत H_0 को स्वीकार किया जाता है।
IV. पेयर्ड t. परीक्षण - दो आश्रित माध्यों के बारे में परिकल्पना का परीक्षण
V. $X \pm 1.96$ t एस. डी. - 95% प्राप्तांक

यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून-2017

गृह विज्ञान

(व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल)

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मूत्र में प्रोटीन आना निम्न में से किस बीमारी का मुख्य लक्षण है ?

(a) टायफॉयड (b) वृक्कीय रोग
(c) एथेरोस्कलैरोसिस (d) अल्सर

Ans : (b) – मूत्र में प्रोटीन आना 'वृक्कीय रोग' का प्रमुख कारण है।
मनुष्य में एक जोड़ी वृक्क होते है जो उदट गुहा के पृष्ठ भाग में डायफ्राम के नीचे व कशेरूक दण्ड के इधर-उधर दायें बायें स्थित होते है।
उत्सर्जन से सम्बंधित कुछ वृक्कीय रोग
1. ग्लाकोसूरिया-इस रोग में मूत्र के साथ शर्करा या ग्लूकोज बाहर निकलती है।
2. कोटोन्यूरिया-इसमें मूत्र के साथ कोटोनिक पदार्थ बाहर निकलते है
3. Hematuria-इसमें मूत्र के साथ एल्बुबिन प्रोटीन बाहर आती है आदि।

2. निम्नलिखित आहार-सर्वेक्षण की विधि नहीं है :

(a) खाद्य पदार्थ लेने की आवृत्ति का प्रश्नपत्र
(b) 24-घन्टे अनुस्मरण विधि
(c) बी. एम. आई.
(d) खाद्य पदार्थ वज़न करना

Ans : (c) – B.M.I. आहार-सर्वेक्षण की विधि नहीं है

3. अनाज़ पकाते समय निम्न में से कौन सा परिवर्तन होता है।

(a) विन्टराईजेशन (b) होमोज़ीनाईज़ेशन
(c) रीट्रोग्रेडेशन (d) कोएग्यूलेशन

Ans : (c) – अनाज़ पकाते समय **रीट्रोग्रेडेशन** परिवर्तन होते है। जब एमाइलोज और इमाइलोपेक्टिन श्रृंखला (Amylopectin Chain) के द्वारा पदार्थ को अधिक देर तक पकाया जाता है तब उसमें रीट्रोग्रेडशन की प्रक्रिया होती है।

4. पाकविधि समायोजन में कौन सा तरीका प्रयोग किया जाता है।

(a) मूल्य बढ़ाना (मार्क-अप) (b) प्रतिशत
(c) प्राइम (d) बी.ए.आर.एस.

Ans : (b) – पाकविधि समायोजन में प्रतिशत का प्रयोग किया जाता है।

5. आधारीय वस्त्रों के लिए निम्नलिखित तन्तुओं में से कौन सा तन्तु प्रयोग किया जाता है ?

(a) स्पैन्डिक्स (b) केवलर
(c) कार्बन (d) ग्लास

Ans : (a) – आधारीय वस्त्रों के लिए स्पैन्डिक्स तन्तु का प्रयोग किया जाता है।

6. निम्नलिखित टाँकों की श्रेणियों में से कौन सी श्रेणी लॉक टाँका दर्शाती है ?

(a) 100 (b) 200
(c) 300 (d) 400

Ans : (c) – टाँकों की श्रेणियाँ 300 श्रेणी लॉक टाँका दर्शाती है। लाँक टाँका (Lockstitch) एक प्रकार का सबसे साधारण यांन्त्रिक टाँका का उदाहरण है जो कि सिर्फ सिलाई मशीन के द्वारा ही तैयार की जाती है।

7. एफ. डब्ल्यू. टेलर द्वारा लिखित प्रसिद्ध पुस्तक का क्या नाम है।

(a) फिलोसोफी ऑफ मेनेजमेंट
(b) मेनेजमेंट : टास्कस्, रिस्पोंसिबिलीटिज, प्रेक्टीस
(c) जनरल एण्ड इंडस्ट्रीयल मैनेजमेंट
(d) द प्रिंसीपल्स ऑफ साइन्टिफिक मैनेजमेंट

Ans : (d) – एफ. डब्ल्यू. टेलर द्वारा लिखित प्रसिद्ध पुस्तक का नाम-द प्रिंसीपल्स ऑफ साइन्टिफिक मैनेजमेंट (The principles of Scientific manegement) है।

8. खाद्य सुरक्षा तथा मानक अधिनियम कौन से वर्ष में लागू हुआ था।

(a) 2008 (b) 2006
(c) 2000 (d) 2010

Ans : (b) – खाद्य सुरक्षा तथा मानक अधिनियम (Food Safety and Standards Act) वर्ष 2006 में लागू हुआ था।

9. वह इलाज, जिसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता और किसी ऐस इलाज के बजाए प्रयोगात्मक अनुसंधान में एक ''कंट्रोल ग्रुप'' में दिया जाता है, जिसके प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है, उसे कहा जाता है।

(a) कन्ट्रोल (b) एट्रीशन
(c) कोरिओन (d) प्लैसेबो

Ans : (d) – वह इलाज, जिसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता और किसी ऐसे इलाज के बजाए प्रयोगात्मक अनुसंधान में एक ''कंट्रोल ग्रुप'' में दिया जाता है, जिसके प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है, उसे प्लैसेबो (Placebo) कहा जाता है